ಶುಭ್ ಲಾಭ್
खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
DAILY
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

राज्य मंत्रिमंडल का पुनर्गठन: कर्नाटक के मुख्यमंत्री 15 नवंबर को ... @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | मंगलवार, 04 नवंबर, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-6 रु.| वर्ष-7 | अंक-301

बांग्लादेश के पूर्व गृह मंत्री असदुज्जमां खान ने किया आधिकारिक खुलासा

बांग्लादेश तख्तापलट में था सीआईए का हाथ

बांग्लादेश में शेख हसीना के तख्तापलट के बाद से कई तरह के कयास लगाए जा रहे थे। इसमें सैन्य हस्तक्षेप से लेकर अमेरिकी की खुफिया एजेंसी सीआईए की भूमिका तक की अलग-अलग जगहों पर चर्चा की जा रही थी। अब एक किताब में यह दावा किया गया है कि दरअसल शेख हसीना को सत्ता से हटाए जाने के पीछे सीआईए का हाथ था। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के दौर में गृह मंत्री रहे असदुज्जमां खान कमाल ने इस तख्तापलट को सीआईए की सटीक साजिश बताते हुए देश के सेना प्रमुख और हसीना के रिश्तेदार वकार-उज-जमां पर भी गंभीर आरोप लगाए हैं। असदुज्जमां खान ने दावा किया है कि वकार-उज-जमां सीआईए की जेब में है और उन्होंने हसीना की पीठ में छुरा घोंप दिया है।

यह चौंकाने वाला खुलासा दीप हालदार, जयदीप मजूमदार और साहिदुल हसन खोकन द्वारा लिखित और जगरनॉट द्वारा प्रकाशित पुस्तक इंशाअल्लाह बांग्लादेश: द स्टोरी ऑफ एन अनफिनिश्ड रेवोल्यूशन में किया गया है। हालांकि, यह पुस्तक अभी तक प्रकाशित नहीं हुई है। पुस्तक में असदुज्जमां खान के हवाले से लिखा गया है, यह हसीना को उखाड़ फेंकने के लिए लंबे समय से रची गई सीआईए की एक सटीक साजिश थी। हमें नहीं पता था कि वकार पर सीआईए का हाथ था। कुछ समय पहले तक बांग्लादेश के दूसरे सबसे ताकतवर शख्स रहे असदुज्जमां खान ने बताया है, हमें नहीं पता था कि जनरल वकार-उज-जमां सीआईए के पे-रोल पर हैं।

सीआईए के पिट्ठू सेनाध्यक्ष ने घोंपा हसीना की पीठ में छुरा

सेंट मार्टिन द्वीप सौंपने के लिए दबाव दे रहा था अमेरिका

असदुज्जमां ने बताया कि उनके देश की प्राथमिक रक्षा खुफिया एजेंसी, बांग्लादेश के सैन्य खुफिया महानिदेशालय और साथ ही बांग्लादेश की प्रमुख नागरिक खुफिया एजेंसी, राष्ट्रीय सुरक्षा खुफिया ने प्रधानमंत्री हसीना को यह चेतावनी नहीं दी थी कि वकार ने उन्हें धोखा देने का मन बना लिया है। साथ ही, उन्होंने शक जताया है कि इस साजिश में में शीर्ष अधिकारी भी शामिल हो सकते हैं। असदुज्जमां खान ने दावा किया है कि अमेरिकी खुफिया एजेंसी सीआईए (सीआईए) दक्षिण एशिया में मजबूत नेतृत्व नहीं चाहती। उनका कहना है कि अमेरिका ऐसे देशों में कमजोर सरकारें देखना पसंद करता है ताकि अपने हितों को आसानी से साध सके। जब उनसे पूछा गया कि सीआईए के सहयोग से बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन करने से अमेरिका को क्या फायदा होगा।

उन्होंने कहा, इसके दो कारण हैं। पहला, दक्षिण एशिया में बहुत ज्यादा शक्तिशाली राष्ट्राध्यक्ष न हों। नरेंद्र मोदी, शी जिनपिंग और शेख हसीना जैसे मजबूत नेता अगर उपमहाद्वीप पर राज करें, तो सीआईए के लिए अपने हित साधना मुश्किल हो जाता है। अमेरिकी रणनीति हमेशा कमजोर सरकारों के साथ काम करने की रही है। खान ने यह भी दावा किया कि इसके पीछे एक तात्कालिक कारण सेंट मार्टिन द्वीप था। उनका कहना है कि भारतीय प्रेस अब इस पर रिपोर्ट कर रही है लेकिन प्रधानमंत्री शेख हसीना ने हमें बहुत पहले ही आगाह कर दिया था कि अमेरिका उन्हें सत्ता से बाहर करने की कोशिश कर रहा है, क्योंकि वह सेंट मार्टिन द्वीप पर अपना नियंत्रण चाहता है।

सेंट मार्टिन द्वीप को लेकर पहले शेख हसीना खुद भी ऐसा ही दावा कर चुकी हैं। हसीना ने सत्ता गंवाने से पहले एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दावा किया था कि अगर वह इस द्वीप को अमेरिकियों को सौंप दें तो वह बिना किसी समस्या के सत्ता में बनी रह सकती हैं। भौगोलिक दृष्टि से सेंट मार्टिन द्वीप की स्थिति अत्यंत महत्वपूर्ण है,

▶10 पर

कटिहार और सहरसा की चुनावी जनसभा में बोले पीएम मोदी

एनडीए की पहचान विकास इंडी की पहचान विनाश

कटिहार, 03 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कटिहार में विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि एनडीए की पहचान विकास है, लेकिन राजद-कांग्रेस और इंडी गठबंधन की पहचान ही विनाश है। वे बिहार को विनाश की तरफ से ले जा रहे थे कि एनडीए ने बिहार को उनके चंगुल से बाहर निकाल लिया। पीएम मोदी ने कहा, बिहार की जनता राजनीति की पारखी है। जो कहा जाता है, बिहार की जनता उससे आगे की बात समझ जाती है। आप राजद और कांग्रेस के पोस्टरों को देखिए। जो वर्षों तक मुख्यमंत्री रहे, जो बिहार में जंगलराज लाए उनकी तस्वीरें पोस्टरों से गायब हैं। अगर कहीं है तो पोस्टरों के कोने में छोटी तस्वीर है। यह दूरबीन से भी नहीं दिखती है। जो उनके लिए इतने बड़े नेता थे, जिनके परिवार के सारे लोग चुनाव के मैदान में हैं, उन्हें ही गायब कर दिया। तेजस्वी पर हमला बोलते हुए पीएम मोदी ने कहा कि अपने पिता की नाम बोलने और छपवाने में शर्म क्यों आ रही है? वह कौन सा पाप है, जिसको राजद वालों को बिहार के नौजवानों को छिपाना पड़ रहा है?

राजद-कांग्रेस को कट्टा और कट्टरपंथी पसंद है

आस्था के अपमान पर राहुल और लालू को घेरा

पीएम मोदी ने कहा कि इन लोगों के पोस्टरों में कांग्रेस लगभग गायब है। राजद ने कांग्रेस को कट्टा दिखाकर मुख्यमंत्री का उम्मीदवार भी घोषित करवा दिया। अब कांग्रेस को उसकी हैसियत भी दिखाई जा रही है। कांग्रेस के नामदार कुछ हफ्तों पहले तक बिहार में बड़े-बड़े दावे कर रहे थे। उनकी तस्वीर को पोस्टर और घोषणा पत्र में बौना बना दिया है। राजद के नेता जो वादे और घोषणाएं कर रहे हैं, तो कांग्रेस के लोग ही उनपर विश्वास नहीं करते हैं। कांग्रेस और राजद के बीच लंबे समय से एक भीषण झगड़ा चल रहा है। कांग्रेस के नामदार ने छठ को इसलिए ड्रामा बताया ताकि बिहार के लोग राजद पर गुस्सा उतारे और राजद को पराजित करें। कांग्रेस के दूसरे राज्यों के मुख्यमंत्री और बड़े नेताओं के बयान आप सुने होंगे। अलग-अलग राज्यों से कांग्रेस के नेताओं के बिहार के लोगों के लिए जानबूझकर अपमानजनक बातें बुलवाई जा रही है। केरल में कांग्रेस नेताओं ने बिहार की तुलना बीड़ी से कर दी। तमिलनाडु के जो नेता बिहारियों को गाली देते हैं, उन्हें प्रचार के लिए कांग्रेस ने बिहार में बुलाया है। राजद और कांग्रेस वाले एक-दूसरे का वोट बैंक छिनना चाहते हैं।

पीएम मोदी ने कहा कि राजद और कांग्रेस वाले वोट पाने के लिए देश की सुरक्षा से खिलवाड़ कर रहे हैं। गरीब, दलित, महादलित, पिछड़े और अति पिछड़े को जो मुफ्त राशन मिल रहा, वह घुसपैठियों को मिलना चाहिए क्या? क्या आपका हक घुसपैठियों को देना चाहिए? राजद और कांग्रेस वाले अनाज, मुफ्त इलाज समेत सारी सुविधाएं घुसपैठियों को देना चाहते हैं। वह देश की सुरक्षा के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। बिहार और देश के संसाधनों पर भारत के नागरिकों का ही हक है। आपका ही हक है। यह हक हम किसी को चुराने नहीं देंगे। लेकिन, कांग्रेस और राजद के लोगों को कट्टा और कट्टरपंथी ही पसंद है। जबकि भाजपा घुसपैठियों को बाहर करने की बात करती है। कट्टरपंथियों के दबाव में राजद और कांग्रेस वालों ने तीन तलाक और नए वक्फ कानून का विरोध किया। इन कानूनों को यह लोग कूड़ेदान में फेंकना चाहते हैं। राजद और कांग्रेस वाले कट्टरपंथियों के आगे घुटने टेक चुके हैं। लालटेन, पंजे और लाल झंडे वालों को बिहार को दशकों तक विकास से दूर रखा। क्योंकि इनके एजेंडे में विकास था ही नहीं। नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार में सुशासन की सरकार बनी।

पीएम मोदी ने कहा कि राजद और कांग्रेस के लोग गरीबों को डराते थे। जंगलराज वालों की इसी सोच की वजह से हमारे कटिहार में विकास नहीं हुआ। कांग्रेस और राजद ने इसको पिछड़ा जिला घोषित कर अपना पल्ला झाड़ दिया। जब किसी अफसर को सजा देनी होती थी तो उसे कटिहार भेज देते थे। जब 2014 में आपने मोदी को अपनी सेवा का मौका दिया तो मैंने तय किया कि आपको मुश्किलों में नहीं रहने दूंगा। इसलिए मैंने कटिहार को आकांक्षी जिला घोषित किया। आज यहां सड़क और रेल लाइन का जाल बिछ रहा है।

▶10 पर

तेलंगाना के रंगा रेड्डी जिले में

आरटीसी बस और टिप्पर ट्रक की टक्कर में 19 की मौत

हैदराबाद, 03 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सोमवार की सुबह, तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीजीएसआरटीसी) की एक बस की रंगा रेड्डी जिले के चेवेल्ला मंडल के मिर्ज़ागुडा के पास हैदराबाद-बीजापुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर बजरी से लदे एक टिप्पर लॉरी से टक्कर हो गई। इस भीषण हादसे में दोनों वाहनों के चालकों सहित कुल 19 लोग मारे गए, जिनमें 12 महिलाएं और एक 10 महीने का बच्चा शामिल है। कई अन्य लोग घायल हुए हैं, जिनमें कुछ की हालत गंभीर है।

दुर्घटनास्थल का दौरा करने और मीडिया को जानकारी देने वाले अतिरिक्त डीजीपी (कानून और व्यवस्था) महेश एम. भागवत ने बताया कि टक्कर इतनी भीषण थी कि बस का अगला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया।

उन्होंने आगे कहा कि अब तक कुल मृतकों में से आठ शवों की पहचान कर ली गई है और उन्हें हैदराबाद के उस्मानिया जनरल अस्पताल में स्थानांतरित किया जा रहा है। प्रारंभिक जांच से पता चलता है कि टिप्पर चालक द्वारा तेज गति से वाहन चलाने के कारण यह दुखद दुर्घटना हुई।

उन्होंने बताया, टक्कर के समय बस में 72 यात्री सवार थे। आरटीसी बस चालक और टिप्पर चालक दोनों की मौके पर ही मौत हो गई, साथ ही अगली पंक्तियों में बैठे कई यात्रियों की भी मृत्यु हुई।

घायलों को शुरू में चेवेल्ला सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जबकि गंभीर रूप से घायल लोगों को बाद में हैदराबाद के गांधी और उस्मानिया अस्पतालों में स्थानांतरित कर दिया गया, जहाँ उनके उपचार के लिए विशेष व्यवस्था की गई है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस त्रासदी पर दुख व्यक्त करते हुए एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट किया: तेलंगाना के रंगा रेड्डी जिले में हुई दुर्घटना से जानमाल के नुकसान पर गहरा दुख है। इस कठिन समय में मेरी संवेदनाएँ प्रभावित लोगों और उनके परिवारों के साथ हैं। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूँ।

प्रधानमंत्री ने प्रत्येक मृतक के निकटतम परिजन के लिए 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि और घायलों के लिए 50,000 रुपए की सहायता की भी घोषणा की।

तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने अपनी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि, आज सुबह चेवेल्ला के पास मिर्ज़ागुडा में हुई दुखद बस दुर्घटना पर गहरा दुख है, जिसमें लगभग 19 लोगों की जान चली गई। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी सहानुभूति व्यक्त की और राज्य प्रशासन को पीड़ितों के लिए तत्काल चिकित्सा सहायता और सभी आवश्यक सहायता सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

उन्होंने राज्य सरकार को घायलों को तत्काल चिकित्सा सहायता प्रदान करने और मृतकों के परिवारों को सभी आवश्यक सहायता देने का निर्देश दिया।

▶10 पर

प. बंगाल में एसआईआर शुरू होते ही दहशत में घुसैपठिए

भागने के चक्कर में पकड़े गए 48 बांग्लादेशी

बशीरहाट, 03 नवंबर (एजेंसियां)। चुनाव आयोग द्वारा पश्चिम बंगाल समेत कई राज्यों में एसआईआर का ऐलान किए जाने के बाद से बांग्लादेशी घुसपैठियों में दहशत मची हुई है। अब ये घुसपैठिए देश छोड़कर भागने की फिराक में हैं लेकिन सुरक्षा एजेंसियों की नजरों से ये बच नहीं पा रहे हैं। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले के बशीरहाट सीमा क्षेत्र से बांग्लादेश जाने की कोशिश कर रहे 48 बांग्लादेशी घुसपैठियों सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने गिरफ्तार किया है।

बीएसएफ ने बताया कि पश्चिम बंगाल में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की घोषणा के बाद ये घुसपैठिए भारत छोड़ने की कोशिश कर रहे थे। एसआईआर की घोषणा के बाद हिरासत में लिए जाने या निर्वासित किए जाने के डर से ये घुसपैठिए फरार होने की कोशिश कर रहे थे। बीएसएफ ने ऐसे 33 बांग्लादेशियों को पकड़ा और उन्हें स्वरूपनगर पुलिस थाने को सौंप दिया था। फिर दूसरी खेप में बीएसएफ ने 15 अन्य बांग्लादेशी घुसपैठियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार किए गए बांग्लादेशी घुसपैठिए पश्चिम बंगाल

▶10 पर

बिहार के दरभंगा में बोले यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ

महागठबंधन में 3 बंदर... पप्पू टप्पू अप्पू

दरभंगा, 03 नवंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को दरभंगा के केवटी विधानसभा क्षेत्र में चुनावी जनसभा को संबोधित करते हुए राजद-कांग्रेस महागठबंधन को जमकर धोया। सीएम योगी ने कहा, राजद सांप है और कांग्रेस रामद्रोही। ये देशद्रोही और मां जानकी के विरोधी हैं। यह लोग सनातन परंपरा को कमजोर करना चाहते हैं। उन्होंने कटाक्ष करते हुए कहा, बिहार के महागठबंधन में भी तीन बंदर हैं। इनका नाम पप्पू, अप्पू और टप्पू। पप्पू सच बोल नहीं सकता, अप्पू सच सुन नहीं सकता और टप्पू सच देख नहीं सकता। उन्होंने किसी का नामस नहीं लिया, लेकिन सब लोग समझ गए कि वे राहुल गांधी, अखिलेश यादव और तेजस्वी यादव के बारे में बोल रहे हैं। योगी ने कहा कि ये तीनों बंदर पप्पू, टप्पू और अप्पू न सच देखते हैं, न सच सुनते हैं और न सच बोलते हैं। उन्हें एनडीए सरकार के विकास का सच दिखाई नहीं देता। न सुनाई देता है और न उनमें यह सच बोलने की नैतिक शक्ति है।

न सच देखते हैं, न सच सुनते हैं, न सच बोलते हैं

सीएम योगी ने कहा, मैं मां जानकी का संदेश लेकर उत्तर प्रदेश से मिथिला आया हूं। जनसभा में योगी ने केंद्र और राज्य की डबल इंजन सरकार की उपलब्धियां गिनाईं। योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में बुलडोज़र कार्रवाई से माफिया और अपराधियों का सफाया हुआ है, और अब राज्य माफिया और अपराध-मुक्त बन चुका है। उन्होंने जनता से अपील की कि बिहार में भी डबल इंजन की सरकार बनाकर विकास, विरासत और खुशहाली का मार्ग प्रशस्त करें। कहा कि वह मां जानकी का संदेश लेकर उत्तर प्रदेश से आए हैं। उन्होंने मिथिला में जानकी मंदिर (पुनौरा धाम) के निर्माण, राम-जानकी सड़क और अन्य विकास परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए डबल इंजन सरकार की उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं पर जोर दिया। विपक्ष पर प्रहार करते हुए उन्होंने कहा कि 2005 से पहले बिहार की स्थिति ऐसी थी कि बीमार लोग घर में ही मर जाते थे।

▶10 पर

शोध और विकास के लिए लॉन्च हुआ एक लाख करोड़ का फंड

टेक्नोलॉजी से ही परिवर्तन का अगुआ बना भारत: मोदी

नई दिल्ली, 03 नवंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को राजधानी दिल्ली के भारत मंडपम में उभरते विज्ञान और प्रौद्योगिकी नवाचार सम्मेलन (ईएसटीआईसी) 2025 का उद्घाटन किया। प्रधानमंत्री ने देश में रिसर्च ऐंड डेवलपमेंट (आरएंडडी) के लिए 1 लाख करोड़ रुपए की रिसर्च डेवलपमेंट ऐंड इनोवेशन (आरडीआई) स्कीम फंड लॉन्च की। इस मौके पीएम मोदी ने कहा, दुनिया में सफल डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर भारत के पास है। भारत एथिकल और ह्यूमन सेंट्रिक एआई के लिए ग्लोबल फ्रेमवर्क तैयार कर रहा है। भारत अब केवल टेक्नोलॉजी का उपभोक्ता नहीं रह गया है। वह टेक्नोलॉजी के माध्यम से परिवर्तन का अगुआ बन गया है। 21वीं सदी में वैश्विक विशेषज्ञों के एक साथ आने और उभरते विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार पर विचार-विमर्श करके दिशा प्रदान करने की सख्त जरूरत है। पीएम मोदी ने इस पहल में विभिन्न मंत्रालयों, निजी क्षेत्र, स्टार्टअप्स और छात्रों की

▶10 पर

जेबीएन स्वयं वीप्रेन्योर्स चैप्टर की साप्ताहिक व्यावसायिक बैठक आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जीतो महिला विंग बेंगलूरु साउथ ने जेबीएन स्वयं वीप्रेन्योर्स चैप्टर की साप्ताहिक व्यावसायिक बैठक, जीतो कार्यालय, चामराजपेट में अत्यंत उत्साह, आत्मविश्वास और सौहार्द के वातावरण में आयोजित की। यह बैठक महिला उद्यमियों के उस बढ़ते आत्मविश्वास का प्रतीक बनी, जो साथ मिलकर आगे बढ़ने और एक-दूसरे को सशक्त करने की भावना रखती हैं। बैठक में पच्चीस सदस्याओं ने भाग लिया, साथ ही चार अतिथि, मीनाक्षी, मोक्षा, शर्मिला और पूनम का भी गर्मजोशी से स्वागत किया गया। सत्र की शुरुआत णमोकार मंत्र के शांतिपूर्ण उच्चारण से हुई, जिसने पूरे वातावरण को सकारात्मकता और आध्यात्मिकता से भर दिया। इसके बाद प्रत्येक सदस्या ने अपने व्यवसाय का परिचय दिया और अपने कार्यक्षेत्र से जुड़ी जानकारियां साझा कीं। इस क्रम ने संवाद, सहयोग और आत्मीयता की भावना को और भी मजबूत किया। दिन का मुख्य आकर्षण रही अतिथि वक्ता व्रीधि, जो एक कुशल नृत्य-निर्देशिका, कोरियोग्राफर हैं।

उन्होंने अपने सत्र को मनोरंजक और ऊर्जावान बनाया, जिसमें सभी सदस्याओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। उनकी गतिविधि ने सभी को नृत्य के माध्यम से अभिव्यक्ति, टीमवर्क और प्रसन्नता का सुंदर अनुभव कराया। पूरे सभागार में हँसी, उत्साह और ऊर्जा की लहर दौड़ गई, मानो यह सत्र केवल नृत्य नहीं, बल्कि जीवन में लय और संतुलन का प्रतीक बन गया हो। बैठक का संचालन सलोनी नेतानी, निशा कोठारी और राजुल किशोर जैसी सक्रिय सदस्याओं के नेतृत्व में हुआ। पूरे सत्र में व्यवसायिक चर्चा, अनुभवों का आदान-प्रदान और नेटवर्किंग की भावना देखने को मिली। इस अवसर पर बीस से अधिक रेफरल्स साझा किए गए तथा छह एक-से-एक मुलाकातें सम्पन्न हुईं, जो पारस्परिक भरोसे और सहयोग की मिसाल हैं। 92500 रुपय का बिजनेस हुआ और अब तक 6 लाख से अधिक कारोबार कर लिया है। साथ ही आगामी सोशल्स और ऑफिस दर्शन जैसे आयोजनों की घोषणाएं भी की गईं, जिनका उद्देश्य सदस्याओं के बीच व्यक्तिगत और व्यावसायिक संबंधों को और सुदृढ़ बनाना है।

अध्यक्षा बबीता रायसोनी और मुख्य सचिव निधि पालरेचा ने बैठक की सफलता पर सभी सदस्याओं को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं और शुभेच्छाएं प्रेषित कीं। उन्होंने समूह की प्रतिबद्धता, ऊर्जा और सहयोग की भावना की सराहना करते हुए कहा कि स्वयं वीप्रेन्योर्स केवल एक व्यावसायिक मंच नहीं, बल्कि आत्मविश्वास, एकता और नेतृत्व की पहचान है। बैठक का समापन उत्साह, मुस्कान और नई प्रेरणा के साथ हुआ। यह आयोजन केवल एक मीटिंग नहीं, बल्कि उस भावना का उत्सव था जिसमें महिलाएं एक-दूसरे का हाथ थामकर आगे बढ़ती हैं, यह विश्वास दिलाते हुए कि जब महिलाएं साथ आती हैं, तो सफलता स्वयं उनका साथ देती है।

मान अभिमान से दूर होने का करें प्रयास: संतश्री ज्ञानमुनिजी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने फरमाया कि मानव की एक बड़ी कमजोरी होती है। सोना, धन, विलास एक पल में छोड़ देता है। लेकिन मान, अभिमान, ईर्ष्या छोड़ना बहुत ही कठिन है। मानव हर चीज को लेकर अभिमान करने में लगा है। अभिमान ही उसके कर्मों के बंध का मुख्य कारण है। जब तक अभिमान, मान और ईर्ष्या से दूर नहीं होंगे तब तक जीवन सफल नहीं होगा। मानव को काल आने पर मिट्टी में मिल जाना है। यह जानते हुए भी मानव मान से दूर नहीं हो रहा है। मानव बहुत ही नादान है। सब कुछ जानने के बावजूद मानव अभिमान करने में लगा है। सब कुछ एक दिन यहीं रह जाना है। मानव को खाली हाथ ही जाना है। फिर भी मानव हाय हाय कर रहा है। जो झुकता है वहीं पाता है। अकड़ने वाला पाकर भी गवा देता है। अभिमान छोड़ कर प्रेम करना सीखें। जब तक मानव में ऐसा व्यवहार नहीं आएगा उसका कल्याण नहीं होगा। झुकता वही है जिसमें जान होती है। अकड़पन तो खास मुर्दे की पहचान होती है। अकड़ कर मानव जीते जी मुर्दे जैसी स्थिति में है। जब तक अकड़ और अभिमान से मानव दूर नहीं होगा उसका जीवन नहीं सुधरेगा। ऐसा कर मानव अपने कर्मों का लगातार बंध करता जा रहा है। जब तक कर्मों का बंध टूटेगा नहीं, तब तक मानव कल्याण संभव नहीं होगा। जीवन का कल्याण झुकने से ही संभव होता है। सभी के प्रति अच्छा व्यवहार रखना चाहिए। किसी को कमजोर नहीं समझना चाहिए। सब कर्मों का खेल है। आज अच्छा है तो कल बुरा भी आ सकता है। इसलिए सभी के साथ अच्छा करते रहें। किसी को अकड़ नहीं दिखाना चाहिए। ऐसा कर मानव जीवन को सफल बनाया जा सकता है। मल्लेश्वरम महिला मंडल की विशेष उपस्थिति रही। प्रवचन में सरला धोखा ने एक गितिका प्रस्तुत की। उपाध्यक्ष कांतिलाल हरण ने आभार व्यक्त किया। संचालन करते हुए महामंत्री मनोहर लाल लुकड़ ने बताया कि बुधवार को प्रवचन सुबह 9.15 बजे से शुरू होगा और वीर लोकाशाह जयंती और चातुर्मास समापन दिवस मनाया जाएगा।

धूमधाम से कन्नड़ राज्योत्सव मनाया

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। अणुव्रत समिति बेंगलूरु ने कन्नड़ रक्षण वैदिक के कार्यकर्ताओं के साथ धूमधाम से कन्नड़ राज्योत्सव मनाया। इस अवसर पर अन्नदानम भी किया गया। मुनि श्री डॉ. पुलकित कुमार जी का सानिध्य भी मिला। डॉ. पुलकित मुनि ने कन्नड़ राज्योत्सव के अवसर पर अपने उद्बोधन में कहा कि नम्मा बेंगलूरु स्वच्छ बेंगलूरु, नशामुक्त बेंगलूरु के माध्यम से समाज में नया संदेश लेकर सभी को प्रेरित करें और स्वस्थ समाज के निर्माण में सहयोग करें। इस अवसर पर अध्यक्ष ललित बाबेल, मंत्री लाभेश कांसावा, कोषाध्यक्ष मनोहर मांडोत, सहमंत्री सुरेश चावत, सूरजमल पितलिया, उपाध्यक्ष राजेन्द्र मोदी, रक्षण वैदिक सिद्धेश, कुमार की ओर से कन्नड़ गीत गाकर ध्वज-ारोहण किया।

वीतराग वाणी आत्मोदय का अमृत स्रोत है: साध्वी नंदिनी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ, राजाजीनगर के तत्वावधान में साध्वी निर्मला के सानिध्य में साध्वी नंदिनी ने अपने प्रवचन में कहा कि भव्य जीवों को पार लगाने में वीतराग वाणी अति सहायक है। इस वाणी में वह सब कुछ समाहित है जो बाहरी संसार में नहीं पाया जा सकता है। वही तत्व, वही सत्य, जिसके सहारे जीव संसार से पार होकर अपनी आत्मा का कल्याण कर सकता है, जन्म-मरण के चक्र से मुक्त हो सकता है। उन्होंने कहा कि समय का प्रवाह सतत गतिशील है। संसार निरंतर बदल रहा है, परंतु वीतराग वाणी आज

भी उसी दिव्य शक्ति के साथ विद्यमान है जैसी तीर्थंकरों के काल में थी। इसका श्रेय उन अनगिनत महापुरुषों और दिव्यात्माओं को जाता है जिन्होंने अपने प्राणों की आहुति देकर जिनवाणी को सुरक्षित रखा। जिनवाणी हमें सिखाती है कि किसी को पीड़ा मत दो, किसी को कष्ट मत दो। सभी प्राणियों के प्रति करुणा, दया और मैत्रीभाव रखो। यह वाणी बताती है कि ज्ञान और अहिंसा एक-दूसरे के पूरक हैं। वे एक ही सिक्के के दो पहलू हैं। जहां ज्ञान है, वहां अहिंसा है। जहां अहिंसा है, वहां ज्ञान स्वतः प्रकट होता है। ज्ञानी कभी हिंसक नहीं हो सकता। किताबों का ज्ञान क्षणिक है, परंतु आत्मा का ज्ञान, सम्यक ज्ञान है जो शाश्वत है। केवल वही ज्ञान जीव को मुक्ति के द्वार तक पहुंचाता है। सम्यक ज्ञान वही है जो आत्मा के साथ जन्मों-जन्मों तक रहता है। यह सम्यक ज्ञान कल्पवृक्ष और चिंतामणि के समान दुर्लभ और दिव्य है। इसका प्रकाश अलौकिक है, और इसकी महिमा अपरंपार।

उन्होंने कहा कि संसार का सबसे बड़ा दुख अज्ञान का दुख है। मिथ्यात्व ही बंधन का मूल कारण है। जब तक हम अज्ञान में जीते हैं, तब तक आत्मा की सत्ता को स्वीकार नहीं कर पाते। परंतु जिस क्षण हम आत्मा को पहचान लेते हैं, आत्मा के अस्तित्व को स्वीकार कर लेते हैं, उसी क्षण से मोक्ष की यात्रा प्रारंभ होती है। आत्मबोध ही मोक्ष की पहली सीढ़ी है और वीतराग वाणी उसका मार्गदर्शक दीपक। पूर्व में साध्वी उपमा ने स्तवन की प्रस्तुति दी। सीमा दिनेश मुणोत ने 6 उपवास के प्रत्याख्यान लिए। मंगलवार को जैन दिवाकर चौथमल महाराज की 148वीं जन्म जयंती तप-त्याग और गुण-गान द्वारा मनाई जाएगी। 5 नवम्बर को वीर लोकाशाह जयंती और कृतज्ञता दिवस के साथ चातुर्मास समापन होगा। प्रवचन पश्चात साध्वी निर्मलाजी ने मंगलपाठ दिया। आभार प्रदर्शन कोषाध्यक्ष प्रसन भलगट ने एवं संचालन मंत्री नेमीचंद दलाल ने किया।

जोधपुर एसोसिएशन का दीपावली स्नेह मिलन आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। जोधपुर एसोसिएशन का दीप-ावली स्नेह मिलन रविवार को सुरेंद्र अग्रवाल फार्म हाउस में अध्यक्ष कैलाश भन्साली की अनुपस्थिति में उपाध्यक्ष सज्जन राज मेहता और मानद मंत्री राजेश भण्डारी के सानिध्य में आयोजित किया गया।

सज्जन राज मेहता ने संचालन करते हुए सभी का स्वागत अभिनंदन किया और दीवाली तथा कन्नड़ राज्योत्सव की शुभकामनाएं प्रदान की। मंत्री राजेश भंडारी ने बताया कि दिसम्बर महीने में बॉक्स क्रिकेट की शानदार प्रतियोगिता होगी और 4 जनवरी को प्रायोजक संरक्षक टाइसा उर्फ एल सी भंडारी के सहकार से हल्दी गोठ स्नेह मिलन आयोजित होगी। दिवाली फंटूश

के तहत सभी उम्र के युवक, युवती, बालक और बालिका के लिए अनूठी प्रतियोगिता हुई और सभी ने हर्षोल्लास के साथ सहभागिता प्रदान की। उपाध्यक्ष सज्जन राज मेहता ने बताया कि विशिष्ट प्रतिभावानों तथा प्रतिभाशाली शशांक धारीवाल, महक दुगड़, सांची सिंघवी, माहिका मेहता, शौर्य दुगड़ का बहुमान सहमंत्री कमलराज केवलराज भण्डारी परिवार के सौजन्य से किया गया और मोमेंटो प्रदान किये गए। सदस्य परिवारों के लिए आयोजित स्नेह मिलन के प्रायोजक रविन्द्र, अभिषेक कोठारी परिवार एवं सुषमा - राजेंद्र कर्नावट परिवार का सम्मान संरक्षक धीरेन्द्र कुमार सिंघी, एल सी भंडारी, राजेन्द्र लोढा, सज्जन राज मेहता, राजेश भंडारी, कोषाध्यक्ष रौनक गुलेच्छा, सहमंत्री देवेंद्र कोठारी और पूर्व अध्यक्ष अशोक व्यास ने किया। दिवाली बम्पर लाटरी और दिवाली फंटूश कार्यक्रम भी विशेष आकर्षण का केंद्र रहें।

मंत्री ने यशवंतपुर-वास्को डी गामा एक्सप्रेस के अतिरिक्त स्टॉपेज को दिखाई हरी झंडी

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। रेल और जल शक्ति राज्य मंत्री वी. सोमन्ना ने बिरूर रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया और ट्रेन नंबर 17309 यशवंतपुर-वास्को डी गामा एक्सप्रेस के अतिरिक्त स्टॉपेज को हरी झंडी दिखाई। सोमन्ना ने शिवानी रेलवे स्टेशन पर ट्रेन संख्या 17309 यशवंतपुर-वास्को डी गामा एक्सप्रेस के अतिरिक्त ठहराव को हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर सोमन्ना ने बिरूर रेलवे स्टेशन पर सुविधाओं और चल रहे विकास कार्यों का भी निरीक्षण किया। इस कार्यक्रम में सांसद कोटा श्रीनिवास पुजारी, श्री जी.एच. श्रीनिवास, विधायक (तारीकेरे), स्थानीय प्रतिनिधि, मुदित मित्तल, मंडल रेल प्रबंधक, मैसूरु मंडल, वरिष्ठ रेलवे अधिकारी और जनता के सदस्य उपस्थित थे। इस अवसर पर

बोलते हुए सोमन्ना ने बताया कि दक्षिण पश्चिम रेलवे के अंतर्गत अमृत भारत स्टेशन योजना (एबीएसएस) के अंतर्गत 61 से अधिक कार्य प्रगति पर हैं, जिनका उद्देश्य यात्री सुविधाओं और बुनियादी ढांचे में सुधार लाना है। उन्होंने बताया कि चिकजाजुर-बल्लारी दोहरीकरण लाइन (185 किमी) का कार्य 3340 करोड़ की लागत से किया जा रहा है, जबकि बिरूर और तिप्तूर रेलवे स्टेशनों पर कार्य तेजी से प्रगति पर है। उन्होंने आगे बताया कि 97 प्रतिशत विद्युतीकरण कार्य पहले ही पूरा हो चुका है और दिसंबर 2025 तक 100 प्रतिशत विद्युतीकरण पूरा करने का लक्ष्य है। सुरक्षा और सुविधा बढ़ाने के लिए, 644 समपारों पर रोड ओवर ब्रिज और रोड अंडर ब्रिज बनाए गए हैं। सोमन्ना ने इस बात पर जोर दिया कि भारतीय रेलवे दिव्यांग यात्रियों के लिए बेहतर सुविधाएं और सभी यात्रियों के लिए बेहतर सुविधाएं प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। एक स्टेशन, एक उत्पाद पहल के तहत, 89 स्टेशनों पर स्टॉल खोले गए हैं, जिससे स्थानीय कारीगरों और स्वरोजगार के अवसरों को बढ़ावा मिल रहा है। उन्होंने दोहराया कि सुरक्षा भारतीय रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता है और 'कवच' जैसी तकनीकों को लागू किया जा रहा है - एक स्वदेशी स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली - ताकि टक्कर-मुक्त ट्रेन संचालन और बेहतर यात्री सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके। शिवानी रेलवे स्टेशन पर ट्रेन संख्या 17309 यशवंतपुर-वास्को डि गामा एक्सप्रेस के अतिरिक्त ठहराव से शिवानी और आसपास के क्षेत्रों के यात्रियों को लाभ होगा।

ज्ञान का अहंकार ज्ञान को कलंकित करता है: साध्वी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्व-ावधान में जैन भवन में आयोजित विदाई प्रसंग पर अपने प्रवचन में साध्वी श्री निपुणप्रभा जी ने कहा कि विनय ज्ञान का अलंकार है और ज्ञान का अहंकार ज्ञान को कलंकित करता है।

दूसरों को देखना बहुत सरल है किंतु स्वयं को देखना ही साधना है। साधक ही अपना भव भ्रमण सीमित कर सकता है। आत्मा को

जाने बिना सभी ज्ञान अधूरा है। आगामी कार्तिक पूर्णिमा हमे पूर्ण बनने का संदेश देने आ रही है। जिन्होंने आचरण किया है मात्र उन्हीं के लिए यह चातुर्मास यशस्वी, ऐतिहासिक, टिकाऊ और सार्थक रहा है। जिनवाणी सुनना ही जीवन का समाधान नहीं है। आचरण समाधान है। कंचन बाई गादिया, सुमित्रा बाई सांखला, मीना तातेड, आशा बोहरा, मंजू लोढ़ा, चन्दना लोढ़ा, इंदिरा मुथा, सुरेश बांठिया ने साध्वी वृंद के प्रति अपने कृतज्ञता विचार व्यक्त किए। जे पी पी महिला फाउंडेशन एवं मकाना ग्रुप ने अपनी प्रस्तुति रखी। चातुर्मास समाप्ति प्रसंग पर अलसूर महिला मंडल ने स्वधर्मी भक्ति के अंतर्गत जरूरतमंदों को घर उपयोगी राशन सामग्री प्रदान की। अपने विदाई शुभकामना वक्तव्य में संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभी साध्वी वृंद का गुणानुवाद किया। अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने अतिथियों का स्वागत किया। साध्वी श्री शशिप्रभा जी ने मंगल पाठ प्रदान किया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *कर्नाटक जनपर वेदिके द्वारा कर्नाटका राज्योत्सव के उपलक्ष में रामनगर में आयोजित कन्नड़ा हब्बा कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत ने मां भुवनेश्वरी के चित्र पर पुष्प अर्पित करके जन समूह को संबोधित करते हुए कहा हमें यहां की संस्कृति पर गर्व है और कर्नाटक के विकास के लिए हम तन मन धन से समर्पित है। वेदिके के अध्यक्ष निलेश गौड़ा ने मुणोत को सम्मानित किया।*

राज्य मंत्रिमंडल का पुनर्गठन: कर्नाटक के मुख्यमंत्री 15 नवंबर को जाएंगे दिल्ली

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया राज्य मंत्रिमंडल के पुनर्गठन की अटकलों के बीच 15 नवंबर को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली का दौरा करेंगे। इस महीने के अंत में अपने ढाई साल पूरे करने वाले मंत्रिमंडल में फेरबदल के प्रस्ताव के बारे में पूछे जाने पर सिद्धरामैया ने कहा कि वह बिहार में आगामी विधानसभा चुनावों के बाद लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एम. मल्लिकार्जुन खड़गे से बात करेंगे। यह पूछे जाने पर कि क्या वह राष्ट्रीय राजधानी का दौरा करेंगे सिद्धरामैया ने कहा कि वह 15 नवंबर को दिल्ली का दौरा करेंगे। जब उनका ध्यान बिहार के नेताओं के एक कथित बयान की ओर दिलाया गया कि उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार

मुख्यमंत्री बनेंगे, तो सिद्धरामैया ने नेतृत्व परिवर्तन के मुद्दे पर पत्रकारों को आड़े हाथों लिया। क्या आपके पास पूछने के लिए और कुछ नहीं है?

उन्होंने यह स्पष्ट करने से पहले कहा कि नेतृत्व परिवर्तन पर निर्णय आलाकमान लेता है। अगर कोई और इस बारे में बात करता है तो यह बेकार है। सिद्धरामैया ने विश्वास व्यक्त किया कि इंडिया ब्लॉक बिहार विधानसभा चुनाव जीतेगा।

हालाँकि उन्हें पार्टी द्वारा चुनावी राज्य में आमंत्रित नहीं किया गया है, सिद्धरामैया ने कहा कि अगर उन्हें ऐसा करने के लिए कहा जाता है तो वे प्रचार करेंगे। उन्होंने कहा कि बेंगलूरु में बड़ी संख्या में बिहार के लोग काम कर रहे हैं और पार्टी नेता उनसे इंडिया ब्लॉक को वोट देने की अपील करेंगे। बिहार में इंडिया ब्लॉक की संभावनाओं को लेकर आशावादी होने के कारणों के बारे में पूछे जाने पर सिद्धरामैया ने कहा कि बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली वर्तमान सरकार 'सत्ता-विरोधी लहर और भाजपा के भ्रष्टाचार और कुशासन' से जूझ रही है। नीतीश कुमार सरकार के महिलाओं के लिए चुनावी वादों का जिक्र करते हुए सिद्धरामैया ने कहा कि कर्नाटक सरकार राज्य की 1.24 करोड़ महिलाओं को हर महीने 2,000 दे रही है। अब तक हमने गारंटी योजनाओं पर 1 लाख करोड़ से ज्यादा खर्च किए हैं। बिहार में मतदाताओं द्वारा नीतीश कुमार को फिर से पसंद किए जाने की संभावनाओं को खारिज करते हुए, कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने कहा कि नीतीश कुमार लंबे समय से बिहार के मुख्यमंत्री हैं। उनकी कोई विचारधारा नहीं है। वह भाजपा, कांग्रेस या लालू प्रसाद यादव के साथ जाएंगे। बिहार में बहुत गरीबी होने का हवाला देते हुए सिद्धरामैया ने विश्वास व्यक्त किया कि गरीब, पिछड़े वर्ग, अल्पसंख्यक और दलित इस बार कांग्रेस पार्टी को वोट देंगे।

क्या खड़गे ने कभी पीएफआई और एसडीपीआई पर प्रतिबंध लगाने की मांग की: एन. रविकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

विधान परिषद के मुख्य सचेतक एन. रविकुमार ने सवाल उठाया है कि क्या अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कभी पीएफआई और एसडीपीआई जैसे असामाजिक संगठनों पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है? मल्लिकार्जुन खड़गे का यह बेतुका बयान कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर प्रतिबंध लगा दिया जाना चाहिए, बेहद निंदनीय है। क्या उन्होंने कभी पीएफआई और एसडीपीआई जैसे असामाजिक संगठनों पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है? कांग्रेस पार्टी ने राज्य में पीएफआई और एसडीपीआई कार्यकर्ताओं के खिलाफ दर्ज सैकड़ों मामले वापस ले लिए हैं।

आरोप है कि पीएफआई तटीय कर्नाटक और केरल दोनों में सैकड़ों हिंदू कार्यकर्ताओं की हत्या में शामिल था।

जब बात पीएफआई और एसडीपीआई की आती है, तो खड़गे से लेकर निचले स्तर तक

के कांग्रेसी पीछे क्यों हट जाते हैं? पूरी दुनिया ने देखा है कि सिद्धरामैया के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ने कुछ साल पहले बेंगलूरु के डी.जे. हल्ली और के.जी. हल्ली में पुलिस थानों और पुलिस वाहनों में आगजनी में शामिल मुस्लिम असामाजिक तत्वों के खिलाफ दर्ज मामले वापस ले लिए हैं। क्या मल्लिकार्जुन खड़गे में इस कांग्रेस सरकार की अल्पसंख्यक तुष्टिकरण की राजनीति की निंदा करने का साहस है? पिछले सौ वर्षों से राष्ट्रीय एकता, अखंडता, सांस्कृतिक पुनरुत्थान, समाज सेवा और सामाजिक सद्भाव के लिए काम कर रहे आरएसएस पर प्रतिबंध लगाने की खड़गे की मांग न केवल विडंबनापूर्ण है, बल्कि सच्चाई को तोड़-मरोड़ कर पेश करने वाली भी है। आरएसएस ने पूरे देश की जनता का सम्मान, विश्वसनीयता और स्वीकार्यता अर्जित की है। जनता के समर्थन के बिना आरएसएस बरगद के पेड़ की तरह कैसे विकसित हो सकता है? खड़गे को समझना चाहिए कि कांग्रेस ने पहले भी तीन बार आरएसएस पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश की थी। सरदार वल्लभभाई पटेल सहित उसी कांग्रेस सरकार को बिना शर्त प्रतिबंध हटाना पड़ा था।

बिहार में इंडिया गठबंधन की जीत हुई तो सभी पद मिलेंगे: शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

इस बात पर चर्चा चल रही है कि क्या उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने यह कहकर हथियार डाल दिए हैं कि अगर बिहार में कांग्रेस गठबंधन जीतती है और सत्ता में आती है, तो उन्हें सभी पद मिलेंगे।

बेंगलूरु में बिहारी समुदाय के साथ एक चर्चा के दौरान, बिहार मूल के एक प्रमुख व्यक्ति ने डी.के. शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनते देखने की इच्छा व्यक्त की। इस पर उतनी ही विनम्रता से प्रतिक्रिया देते हुए, डी.के. शिवकुमार ने कहा कि अगर बिहार विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के नेतृत्व वाला महागठबंधन जीतता है, तो उन्हें सभी प्रकार के पद दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री पद को लेकर काफी चर्चाएं चल रही हैं। बताया जा रहा है कि डी.के. शिवकुमार ने कांग्रेस आलाकमान को इस महीने की 21 तारीख तक सत्ता सौंपने की धमकी दी है। इस संदर्भ में, राज्य कांग्रेस में नवंबर क्रांति को लेकर व्यापक चर्चाएं चल रही हैं। डी.के. शिवकुमार के मुख्यमंत्री बनने की अटकलें तेज हैं। समर्थक तरह-तरह की व्याख्याएं करके भ्रम पैदा कर रहे हैं। हाल ही में लालबाग में एक जनसभा के दौरान, कई लोगों ने डी.के. शिवकुमार को मुख्यमंत्री बनाने की मांग की। तब भी, डी.के. शिवकुमार ने सिर्फ जनता की समस्याओं पर ही बात की और आवाज उठाने वालों को यह कहकर चुप करा दिया कि उनके बारे में कोई चर्चा नहीं होनी चाहिए। उन्होंने पार्टी विधायकों को कई बार सत्ता के बंटवारे पर बात न करने की हिदायत देकर भी सबको चुप करा दिया है। शिवकुमार का दृढ़ विश्वास है कि पार्टी कार्यालय उनके लिए मंदिर के समान है और कोई भी अवसर वरिष्ठों द्वारा ही प्रदान किया जाना चाहिए। इसी कारण, वे राजनीतिक चर्चाओं को बढ़ावा नहीं देते।

शिवकुमार ने बिहारी समुदाय की एक बैठक में हथियार डालने के अंदाज में बोलकर भी उत्सुकता जगाई है। सत्ता के बंटवारे को लेकर अंदरूनी तौर पर खूब चर्चाएं चल रही हैं। राज्य की राजनीति में हालात जले हुए अंगारे जैसे हैं। हालांकि, यह जानने की उत्सुकता बढ़ गई है कि डी.के. शिवकुमार आलाकमान को अप्रत्यक्ष संदेश देकर किस तरह की जानकारी दे रहे हैं कि वे मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार नहीं हैं। इस बात पर संशय उठने लगा है कि क्या नवंबर क्रांति वैसी ही होगी जैसी कांग्रेस के अंदरूनी सूत्रों में कही जा रही है या फिर सब कुछ सिर्फ जुबानी है।

इस बीच मंत्री जमीर अहमद खान ने सिद्धरामैया को मेढ़े जैसा बताया। उन्होंने डी.के. शिवकुमार के समर्थकों पर तंज कसते हुए कहा कि उन्हें कोई नहीं हरा सकता।

सरकार से किसानों की समस्याओं पर ध्यान देने का आग्रह

आज बेलगावी में गन्ना किसानों के संघर्ष में होंगे शामिल: बी.वाई. विजयेंद्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेंद्र ने कहा कि वह मंगलवार को बेलगावी जाएंगे और गन्ना किसानों के संघर्ष में शामिल होंगे। उन्होंने भारतीय विद्या भवन में भाजपा थिंक टैंक में शामिल मीडिया से बात की। उन्होंने विभिन्न सवालों के जवाब भी दिए। राज्य में कई ज्वलंत समस्याएं हैं। उन्होंने आपत्ति जताई कि राज्य सरकार इन पर गंभीरता से विचार नहीं कर रही है। कल्याण कर्नाटक और कित्तूर कर्नाटक में भारी बारिश के कारण किसान संकट में हैं। हम भी गए थे। हमने उनके ध्यान में लाया था कि जिला प्रभारी लापता हैं। विभागीय अधिकारी भी कोई परवाह नहीं कर रहे हैं। हमने तुरंत मुआवजा जारी करने की मांग की है। हालांकि, बेंगलूरु में बैठे मंत्री ने सिर्फ यह कहने तक सीमित रखा कि केंद्र सरकार ने मुआवजा नहीं दिया है। उन्होंने इस बात पर आपत्ति जताई कि कांग्रेस सरकार ने संकटग्रस्त किसानों को मुआवजा नहीं दिया है।

बेलगावी, बागलकोट, बीजापुर और उत्तर कन्नड़ में गन्ना उत्पादक पिछले कुछ दिनों से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने राज्य सरकार और मंत्रियों पर उनकी मांगें पूरी न करने का आरोप लगाया। उन्होंने घोषणा की कि वह बेलगावी जाएंगे और गन्ना किसानों के संघर्ष में शामिल होंगे। कांग्रेस सरकार को सत्ता में आए ढाई साल हो गए हैं और वहां के किसान चामराजनगर जिले की झीलों में पानी न भरने को लेकर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने शिकायत की कि राज्य सरकार भी इस मुद्दे पर ध्यान नहीं दे रही है। कुल मिलाकर, देश के किसानों की समस्याओं को लेकर कोई मुद्दा न उठाने वाली यह कांग्रेस सरकार किसानों के मुद्दों के प्रति कोई चिंता नहीं दिखा रही है। उन्होंने कहा कि यह ठीक नहीं है। कांग्रेस के भीतर मुख्यमंत्री की कुर्सी के लिए होड़ मची हुई है, सड़कों पर मारपीट और हाथापाई हो रही है। देखते हैं नवंबर में क्या होता है। हालांकि, उन्होंने मांग की कि मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, कृषि मंत्री, राजस्व मंत्री को गन्ना उत्पादकों और किसानों की समस्याओं पर जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह सरकार का कर्तव्य है। प्रियांक खड़गे अपने विभाग की नहीं, बल्कि दुनिया, देश और संघ परिवार की बात कर रहे हैं। हमारे गृह मंत्री और संघ परिवार के वरिष्ठ लोगों ने भी इस सवाल का जवाब दिया है।

जनजातीय गौरव दिवस 15 को

भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष्य में 15 नवंबर को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। विजयेंद्र ने कहा कि पार्टी द्वारा आयोजित सभी कार्यक्रमों को सफल बनाया जाना चाहिए। उन्होंने पार्टी के प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में भगवान बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाली गतिविधियों पर एक प्रारंभिक बैठक में भाग लेने के बाद यह बात कही। बिरसा मुंडा ने आदिवासी समुदायों की ओर से अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी और स्वतंत्रता के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। इस अवसर पर प्रदेश सचिव एवं विधायक बसवराज मुट्टीमाडु, अनुसूचित जनजाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष बंगारू हनुमंतु और पार्टी पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने मैसूरु में डी. देवराज उर्स की प्रतिमा का किया अनावरण

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने सोमवार को मैसूरु के बन्नूर रोड स्थित उपायुक्त कार्यालय परिसर में पिछड़े वर्गों के मसीहा माने जाने वाले पूर्व मुख्यमंत्री डी. देवराज उर्स की प्रतिमा का अनावरण किया। इस प्रतिमा का अनावरण लंबे समय से लंबित था और भाजपा ने इस देरी के लिए कांग्रेस सरकार की आलोचना की थी। भाजपा नेताओं और समर्थकों ने मूर्ति के अनावरण की मांग को लेकर कर्नाटक राज्योत्सव के दिन उपायुक्त कार्यालय का घेराव करने की भी कोशिश की थी। प्रतिमा का अनावरण करते हुए सिद्धरामैया ने कहा कि यह कार्यक्रम अधिक जनभागीदारी के साथ बड़े पैमाने पर आयोजित किया जा सकता था, लेकिन जिला प्रशासन ने सोमवार को उनके मैसूरु दौरे के कारण अनावरण को आगे बढ़ाने

का फैसला किया। इस अवसर पर बोलते हुए, मुख्यमंत्री ने देवराज उर्स को सामाजिक न्याय का मसीहा बताया और कहा कि राज्य के लिए उनका योगदान अतुलनीय है। सिद्धरामैया ने घोषणा की कि मैसूरु जिले के हुंसूर तालुक में देवराज उर्स के पैतृक गांव कल्लाहल्ली स्थित उनके घर को दिवंगत नेता के सम्मान में एक स्मारक के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रतिमा के अनावरण से क्षेत्र के लोगों की लंबे समय से चली आ रही इच्छा पूरी हुई है। उन्होंने कहा मैसूरु, जो उर्स का गृह जिला था, के कई लोग चाहते थे कि उनकी प्रतिमा यहां स्थापित की जाए। आज उनकी यह इच्छा पूरी हो गई है।

सिद्धरामैया ने उर्स को सभी दलों के राजनेताओं के लिए एक आदर्श बताते हुए कहा कि दिवंगत नेता एक महान समाज सुधारक थे जिन्होंने समाज में असमानता को मिटाने के लिए अथक प्रयास किया। उन्होंने कहा उन्होंने यह सुनिश्चित किया कि कर्नाटक में प्रतिनिधित्व से वंचित समुदायों की पहचान की जाए और उन्हें राजनीतिक प्रतिनिधित्व दिया जाए, जिससे हाशिए पर पड़े लोगों के लिए अवसर पैदा हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि उर्स ने सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक रूप से वंचित वर्गों को अवसर प्रदान किए, जिससे उनमें से कई लोगों को सार्वजनिक जीवन में आगे बढ़ने में मदद मिली। सिद्धरामैया ने कहा देवराज उर्स, जिन्होंने आठ वर्षों तक राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में कार्य किया, ने असमानता को दूर करने और कई सुधार लाए। उन्होंने आगे कहा कि उनकी अपनी सरकार ने असमानता को दूर करने और संविधान की सच्ची भावना को साकार करने के लिए इन प्रयासों को जारी रखा है। उन्हें और उनके योगदान को याद करना हमारा कर्तव्य है। उन्होंने याद दिलाया कि देवराज उर्स के कार्यकाल के दौरान ही राज्य का नाम मैसूरु से बदलकर कर्नाटक कर दिया गया था। मैसूरु जिले के प्रभारी मंत्री एच. सी. महादेवप्पा, विधायक तनवीर सैत, विधान पार्षद ए. एच. विश्वनाथ, के. शिवकुमार, थिम्मैया, कर्नाटक गारंटी योजना कार्यान्वयन प्राधिकरण की उपाध्यक्ष पुष्पा अमरनाथ, देवराज उर्स की पुत्री भारती उर्स सहित कई अन्य लोग इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

जंगली जानवरों के जंगलों से बाहर आने के कारणों में रिसॉर्ट और सफारी भी शामिल: सीएम

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने कर्नाटक के वन क्षेत्रों में रिसॉर्ट्स और सफारी को जंगली जानवरों के जंगलों से बाहर आने के कारणों में से एक बताया। पिछले कुछ दिनों में क्षेत्र में बाघों के लगातार हमलों पर मैसूरु में पत्रकारों द्वारा पूछे गए सवालों के जवाब में, सिद्धरामैया ने कहा कि रिसॉर्ट्स और जंगल सफारी की संख्या में वृद्धि के कारण वन क्षेत्रों में मनुष्यों की आवाजाही बढ़ी है। इसके अलावा, उन्होंने कहा कि जंगली जानवरों को पानी और चारे की कमी का सामना करना पड़ रहा है। इसलिए, बड़ी संख्या में हाथी, बाघ, तेंदुए, जंगली सूअर और हिरण जंगलों से बाहर आ रहे हैं। इस संबंध में चामराजनगर में वन मंत्री ईश्वर खंड्रे और चामराजनगर तथा मैसूरु जिलों के प्रभारी मंत्रियों - क्रमशः के. वेंकटेश और एच. सी. महादेवप्पा - की एक बैठक पहले ही हो चुकी है। सिद्धरामैया ने कहा कि वह भी जल्द ही इस संबंध में एक बैठक बुलाएंगे। उन्होंने अवैध रिसॉर्ट्स के खिलाफ कार्रवाई का आश्वासन दिया, जिन्हें उन्होंने मानव-पशु संघर्ष के कारणों में से एक बताया, और कहा कि जंगल सफारी की संख्या कम करने के निर्देश पहले ही जारी किए जा चुके हैं। राज्योत्सव पुरस्कारों के संबंध में सिद्धरामैया ने कहा कि कर्नाटक सरकार ने इस वर्ष बिना कोई आवेदन प्राप्त किए ही पुरस्कारों के लिए उपलब्धि हासिल करने वालों की पहचान कर ली थी। सरकार ने पुरस्कार विजेताओं की पहचान करते समय सामाजिक न्याय और क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया था।

मेंगलूरु में बनेगा मेगा टेक पार्क 11,000 नौकरियां पैदा होंगी

8 अन्य जिलों में बड़े निवेश की योजना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक की 'बेंगलूरु से परे' पहल को बढ़ावा देते हुए, राज्य सरकार ने मेंगलूरु में एक अत्याधुनिक टेक पार्क स्थापित करने के लिए सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल के तहत बोलियां आमंत्रित की हैं। कर्नाटक राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम (केओनिक्स) द्वारा संचालित इस परियोजना से लगभग 11,000 लोगों के लिए रोजगार सृजित होने और मेंगलूरु को राज्य के अगले प्रमुख तकनीकी केंद्र के रूप में बदलने की उम्मीद है।

परियोजना के लिए निविदा प्रक्रिया चल रही है और दिसंबर तक इसके अंतिम रूप दिए जाने की उम्मीद है। इस पार्क का विकास 'डिजाइन, निर्माण, वित्त, संचालन और हस्तांतरण' (डीबीएफओटी) मॉडल के तहत किया जाएगा। प्रस्तावित टेक पार्क डेरेबेल में ब्लूबेरी हिल्स रोड के पास 3.285 एकड़ भूमि पर बनेगा, जो राष्ट्रीय राजमार्ग 66 से एक किलोमीटर से भी कम दूरी पर है।

यह स्थल, जहां पहले से ही सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया (एसटीपीआई) परिसर स्थित है, एक प्रमुख स्थान के रूप में पहचाना गया है। नियमित टेक पार्कों के विपरीत, इस सुविधा में आधुनिक सुविधाओं से युक्त ग्रेड-ए कार्यालय स्थान होंगे जिनमें मीटिंग रूम, कैफेटेरिया, मनोरंजन क्षेत्र और कॉन्फ्रेंस हॉल शामिल होंगे। कुल निर्मित क्षेत्र का लगभग 75 प्रतिशत हिस्सा व्यावसायिक कार्यालय स्थानों के लिए समर्पित होगा, जबकि शेष 25 प्रतिशत में फूड कोर्ट, रिटेल आउटलेट, होटल और सर्विस्ड अपार्टमेंट शामिल होंगे। इस परियोजना में 3.52 लाख वर्ग फुट क्षेत्रफल के निर्माण की अनुमति है, जिसमें प्रीमियम एफएआर और हस्तांतरणीय विकास अधिकार (टीडीआर) के तहत विस्तार की गुंजाइश है। विकास में लगभग तीन साल लगने की उम्मीद है। आईटी-बीटी मंत्री प्रियांक खड़गे ने कहा कि नया टेक पार्क पूरे कर्नाटक में एक मजबूत नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र के निर्माण के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि राज्य मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित यह परियोजना, स्थानीय आर्थिक त्वरण कार्यक्रम (एलईएपी) के तहत मेंगलूरु को एक उच्च-विकास गलियारे के रूप में उभरने में मदद करेगी। वर्तमान में, मेंगलूरु कर्नाटक के सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) में लगभग 5.5 प्रतिशत का योगदान देता है और आईटी, फिनटेक और समुद्री प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में तेजी से विकास देख रहा है। एनआईटीके सूरथकल, मणिपाल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी और कस्तूरबा मेडिकल कॉलेज जैसे प्रमुख संस्थानों के साथ, इस शहर में प्रतिभाओं का एक मजबूत आधार भी है। बंदरगाहों, राष्ट्रीय राजमार्गों, रेलवे और एक अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के माध्यम से उत्कृष्ट संपर्क इसकी क्षमता को और बढ़ाता है। हवाई अड्डे के रनवे विस्तार, रिंग रोड और बेंगलूरु-मेंगलूरु एक्सप्रेसवे जैसी आगामी परियोजनाओं से क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को और मजबूती मिलने की उम्मीद है। मेंगलूरु परियोजना के अलावा, राज्य सरकार ने विभिन्न जिलों में 11 कंपनियों द्वारा 27,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश को मंजूरी दी है, जिससे लगभग 9,000 रोजगार सृजित होने की उम्मीद है। इनमें से, एसएफएक्स इंडिया बेंगलूरु ग्रामीण में 9,298 करोड़ रुपये (806 रोजगार), क्यूपीआईएआई इंडिया 1,136 करोड़ रुपये (200 रोजगार) और जेएसडब्ल्यू की बल्लारी में दो परियोजनाओं में 8,402 करोड़ रुपये (1,171 रोजगार) का निवेश करेगी।

तेरापंथ दर्शन कार्यशाला का आयोजन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। युगप्रधान आचार्यश्री महाश्रमण जी के निर्देशानुसार भिक्षु चेतना वर्ष में आराध्य को ज्ञानात्मक श्रद्धांजलि अर्पित करने हेतु साध्वी श्री पुण्ययशाजी के सान्निध्य एवं महासभा के तत्वावधान में तेरापंथी सभा, राजराजेश्वरी नगर द्वारा तेरापंथ दर्शन कार्यशाला का आयोजन रविवार को प्रातः 8:30 बजे से किया गया। साध्वीश्री के मुखारविन्द से नमस्कार महामंत्र एवं भिक्षु जप से कार्यशाला का शुभारंभ हुआ।

साध्वीश्री जी ने श्रावकों की अनेक जिज्ञासाओं का समुचित समाधान किया तथा कहा आचार्य भिक्षु के विचार आज भी प्रासंगिक है। आवश्यकता है उन्हें गहराई से जानकर-समझकर ग्रहणकर अपनाने की। स्वामीजी ने धर्मसंघ में जिन मर्यादाओं और अनुशासन का बीजारोपण किया उसी का परिणाम है कि आज तेरापंथ अन्यों के लिए मिसाल बन गया है।

चेन्नई से पधारे प्रशिक्षक प्रवक्ता उपासक पदमचंद आंचलिया ने सभी बिन्दुओं को स्पर्श करते हुए धर्म की कसौटी एवं धर्म करने का अधिकारी कौन विषयों का विस्तृत विश्लेषण किया। उन्होंने बताया कि सब जीवों में मनुष्य जीवन श्रेष्ठ है क्योंकि उसमें ही मोक्ष जाने की योग्यता है। मनुष्य में त्याग मूलक प्रवृत्ति एवं चिंतन करने की क्षमता है। दान एवं दया के लौकिक-लोकोत्तर दोनों पक्षों को विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा आचार्य भिक्षु ने कभी भी दान का निषेध नहीं किया किन्तु लौकिक-लोकोत्तर की भेद रेखा को स्पष्ट किया।

हृदय परिवर्तन में धर्म है, बलप्रयोग अथवा प्रलोभन में नहीं। तेरापंथी सभा के सदस्यों ने 'प्रभो यह तेरापंथ महान' गीत द्वारा मंगलाचरण प्रस्तुत किया गया। श्रावक निष्ठा पत्र का वाचन उपासिका मधु कटारिया द्वारा करवाया गया। सभाध्यक्ष राकेश छाजेड़ ने समागत का स्वागत करते हुए इस आयोजन के महत्व पर प्रकाश डाला। साध्वी वर्धमानयशाजी ने आचार्य भिक्षु एवं तेरापंथ के उद्भव पर जानकारी दी। साध्वी बोधिप्रभाजी ने तेरापंथ धर्मसंघ की मूर्तिपूजा संबंधित सटीक जानकारी प्रस्तुत की तथा जनमानस में व्याप्त शंकाओं का निवारण किया। प्रवक्ता उपासिका कंचन छाजेड़ ने दान एवं दया तथा उपासिका लता बाफणा ने मर्यादा तथा व्यवस्था विषय पर प्रस्तुति दी। मंच संचालन कार्यशाला संयोजक उपासिका सरोज आर बैद ने किया। सभा के मंत्री गुलाब बाँठिया ने आभार व्यक्त करते हुए साध्वीवृन्द के प्रति मंगलभावना कार्यक्रम एवं विहार संबंधित सूचना दी। किशोर वय के बालक-बालिकाओं एवं युवा वर्ग की अच्छी उपस्थिति ने कार्यशाला का प्रयोजन सिद्ध किया।

तटीय कर्नाटक में कल से बारिश होने की संभावना

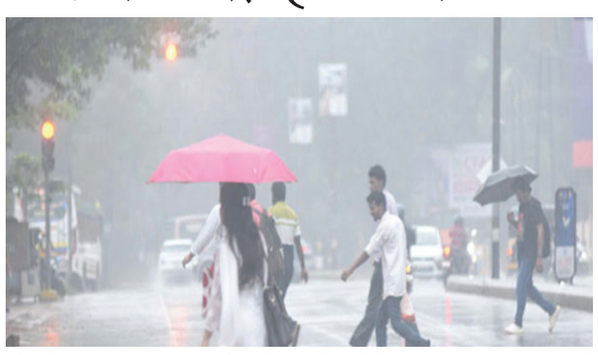

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बंगाल की खाड़ी के ऊपर कम दबाव का क्षेत्र बनने के संकेतों के बाद, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 5 नवंबर से तटीय क्षेत्र में बारिश की संभावना जताई है। आईएमडी बुलेटिन के अनुसार, 4 नवंबर के बाद कुछ दिनों तक तटीय क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश और तेज हवाएं चलने की संभावना है। विभाग ने 5 से 7 नवंबर तक तटीय कर्नाटक के लिए येलो अलर्ट भी जारी किया है, जिससे इस दौरान मध्यम बारिश की संभावना जताई गई है। रविवार को, तटीय क्षेत्रों में बारिश की तीव्रता कम हो गई थी और मौसम आंशिक रूप से बादल छाए रहे, बीच-बीच में धूप और गर्मी भी रही। उडुपी जिले के कुछ इलाकों में गर्म और उमस भरी परिस्थितियों के बीच हल्की बूंदाबांदी हुई। मौसम साफ रहने के कारण पिछले दो दिनों से किसान धान की कटाई में सक्रिय रूप से लगे हुए हैं। हालांकि, फिर से बारिश होने से कटाई का काम प्रभावित हो सकता है।

बेंगलूरु के बाइकर ने हेलमेट की जगह फ्राइंग पैन पहना

पुलिस ने दी चेतावनी

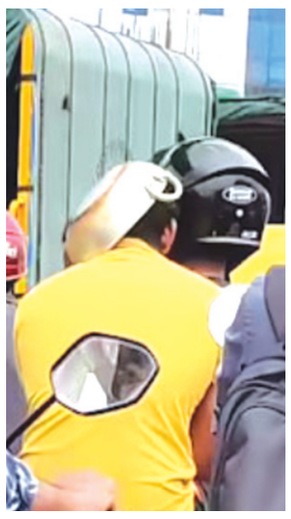

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। ट्रैफिक पुलिस को चकमा देने की एक अजीबोगरीब कोशिश में, बेंगलूरु के एक बाइकर को हेलमेट की बजाय सिर पर फ्राइंग पैन रखकर बाइक चलाते देखा गया और यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। इस स्टंट ने जहां इंटरनेट पर लोगों को हंसा दिया, वहीं यह बाइकर की सड़क सुरक्षा के प्रति घोर ला-परवाही को भी दर्शाता है। यह असामान्य घटना रूपेना अग्रहारा के पास हुई, जहां बाइकर ने कथित तौर पर अपने सिर पर फ्राइंग पैन बांधकर जुर्माने से बचने की कोशिश की। इस दृश्य को देखने वाले वाहन चालक और राहगीर अपनी हंसी नहीं रोक पाए, यहां तक कि ट्रैफिक पुलिस भी एक पल के लिए अचंभित रह गई। लेकिन बाइकर ने हिम्मत नहीं हारी और पूरे आत्मविश्वास के साथ फ्राइंग पैन को ऐसे पकड़े रहा जैसे वह कोई असली हेलमेट हो। हालांकि इस फुटेज ने ऑनलाइन कई लोगों को हंसाया है, लेकिन इसने ट्रैफिक सुरक्षा पर एक बहस भी छेड़ दी है। इंटरनेट पर लोगों ने तुरंत यह कहना शुरू कर दिया कि हेलमेट जीवन रक्षक उपकरण हैं, न कि वायरल कंटेंट के लिए।

कुछ लोगों ने मजाकिया अंदाज में सुझाव दिया कि फ्राइंग पैन रसोई में ही रहने चाहिए, बाइकर के सिर पर नहीं।

इस घटना पर टिप्पणी करते हुए, कर्नाटक राज्य पुलिस ने एक चेतावनी नोट पोस्ट कर कहा कि सभी वाहन चालकों से विनम्र अनुरोध है, यातायात नियमों का पालन करें। जुगाड़ या मूर्खतापूर्ण स्टंट करके जुर्माना से बचने की कोशिश स्वीकार्य नहीं है। हमेशा हेलमेट पहनें।

बेंगलूरु का यातायात कठिन है, और गिरने पर आपका सिर भी उतना ही नाजुक होता है। अपने फ्राइंग पैन रसोई में रखें, सिर पर नहीं।

होशियार रहें, सुरक्षित रहें। हालांकि इस घटना ने व्यापक मनोरंजन पैदा किया है, यह यातायात नियमों का पालन करने और व्यक्तिगत सुरक्षा के लिए हेलमेट पहनने के महत्व की एक गंभीर याद दिलाता है।

महावीर कुंदुर राज्योत्सव पर धीमंतश्री सम्मान से सम्मानित

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो। समाज सेवा के क्षेत्र में पिछले कई वर्षों से सतत सक्रिय रहकर उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षाविद् एवं समाजसेवी महावीर कुंदुर को कर्नाटक राज्योत्सव के शुभ अवसर पर हुब्बली धारवाड़ महानगर पालिका द्वारा 'धीमंतश्री' सम्मान से सम्मानित किया गया। महावीर कुंदुर, समाजसेवी महेंद्र सिंघी के नेतृत्व में दिव्यांग सेवा के क्षेत्र में सक्रिय ऑल इंडिया जैन यूथ फेडरेशन महावीर लिंब सेंटर में सह मंत्री पद पर सेवाएं दे रहे हैं। पिछले 25 वर्षों में आयोजित 300 प्लस निःशुल्क शिविरों के माध्यम से 55,000 से अधिक दिव्यांगजनों को कृत्रिम पैर एवं हाथ प्रदान कर उन्हें स्वावलंबी जीवन की दिशा में प्रेरित करने में संस्था का महत्व-पूर्ण योगदान रहा है।

कुंदुर संस्कार स्कूल के अध्यक्ष, जैनिज्म फिलाटेलिक सोसायटी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष तथा लायंस क्लब ऑफ हुब्बली परिवार के पूर्व अध्यक्ष के रूप में भी उल्लेखनीय सेवाएं प्रदान कर चुके हैं और सामाजिक तथा शैक्षणिक गतिविधियों में निरंतर सक्रिय रहे हैं।

हाल ही में देश की वीरांगनाओं को श्रद्धांजलि देने की श्रृंखला में एक ऐतिहासिक कदम उठाते हुए, उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हाथों दिल्ली स्थित राष्ट्रपति भवन के गोदावरी हॉल में आयोजित भव्य समारोह में जैन समाज की गौरव रानी चेन्नभैरदेवी के सम्मान में स्मारक डाक टिकट जारी करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

संघ गुण, गुणवान और गुणानुरागी का त्रिवेणी संगम: साध्वी

दावणगेरे/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री सौधर्म बृहत्तपोगच्छीय शंखेश्वर पार्श्व राजेन्द्र सूरि गुरुमंदिर संघ काईपेट दावणगेरे में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी भव्यगुणा श्री ने कहा कि चतुर्विध संघ को तीर्थंकरों ने पच्चीसवां तीर्थंकर कहा है। इस संघ की महिमा तो देखो कि जिस चतुर्विध संघ का प्रवर्तन स्वयं तीर्थपति करते हैं, उसी कल्याणकारी संघ को देशना से पूर्व नमस्कार करते हुए वे कहते हैं नमो तित्थस्स। नम्रता जीवन का वह सोपान है, जिस पर चढ़कर ही अनन्त गुणों का खजाना पाया जा सकता है। संघ की गरिमा एवं महिमा, साधक की साधना स्थली है। एक तरह से संघ गुण, गुणवान् और गुणानुरागी का त्रिवेणी संगम है। सम्यगज्ञान-दर्शन-चारित्र आदि गुणों का समूह संघ कहलाता है। संघ वह वटवृक्ष है, जिसकी शीतल छाया में जीव गुणों का उपार्जन करता है और आत्म-विकास के सोपानों पर आरोहण करता हुआ परम सुख में स्थित होता है। साधना की वह पवित्र स्थली, जहां साधु, साध्वी, श्रावक और श्राविका एकबद्ध होकर आत्म-आराधना हेतु प्रयत्नशील बनते हैं, उसे संघ कहते हैं। ऐसे प्रकृष्ट-प्रशस्त वचन, जो जिनेन्द्रों के द्वारा उपदिष्ट हैं, उन्हें प्रवचन कहा जाता है और प्रवचन का अर्थ द्वादशांगी होता है।

जिस उपाय से जीव संसार-सागर को पार करता है अथवा भव-समुद्र से उत्तीर्ण होता है, उसे तीर्थ कहते हैं। द्वादशांगी का आधार संघ है। संघ के अभाव में द्वादशांगी का अस्तित्व नहीं हो सकता क्योंकि तीर्थंकर स्वयं संघ में से ही होते हैं। बेंगलूरु से पधारे जयेश, जिनेश का बहुमान किशोरमल जैन और वसंता हस्तीमल सुराणा का बहुमान मधु, सुरेश कुमार संघवी, निलु विक्की जैन ने किया।

बेंगलूरु टनल रोड के लिए निविदा अवधि फिर बढ़ाई गई

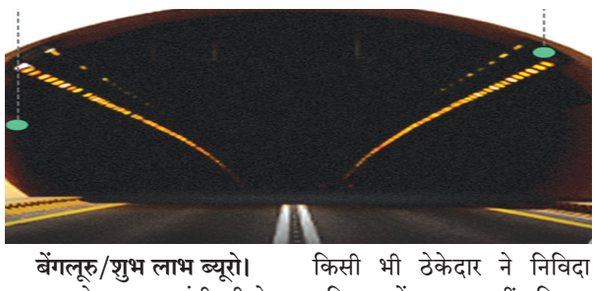

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। राज्य के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के सुरंग सड़क निर्माण के ड्रीम प्रोजेक्ट पर ग्रहण लगता नहीं दिख रहा है। राज्य सरकार ने सुरंग सड़क निर्माण कार्य के लिए निविदा जमा करने की अवधि फिर से बढ़ा दी है। हालांकि निविदाएं पहले ही दो बार आमंत्रित की जा चुकी हैं, लेकिन किसी भी ठेकेदार ने निविदा प्रक्रिया में भाग नहीं लिया, इसलिए अनुबंध अवधि को फिर से 11 नवंबर तक बढ़ा दिया गया है। सुरंग सड़क के निर्माण के लिए दो पैकेजों में निविदाएं आमंत्रित की गई हैं। पहले चरण में शहर के हेब्बल जंक्शन से सिल्क बोर्ड जंक्शन तक 8770 करोड़ रुपये की लागत से 17 किलोमीटर लंबी सुरंग सड़क का निर्माण प्रस्तावित है। इसी प्रकार, दूसरे पैकेज में, रेसकोर्स जंक्शन से सिल्क बोर्ड जंक्शन तक 8.8 किलोमीटर लंबी तीन लेन वाली सुरंग सड़क का निर्माण 8928 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से करने का निर्णय लिया गया है। दोनों पैकेजों के लिए 50 महीने की अवधि दी गई है। ठेकेदारों द्वारा निविदा अवधि बढ़ाने का अनुरोध करने के कारण अनुबंध अवधि बढ़ा दी गई है। सुरंग सड़क के निर्माण के विरोध के कारण फिलहाल कोई भी ठेकेदार निविदा प्रक्रिया में भाग लेने में रुचि नहीं ले रहा है।

राज्योत्सव पुरस्कार से सम्मानित पेन्ना ओबलैया का निधन

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। गत शनिवार को आयोजित 70वें कन्नड़ राज्योत्सव के दौरान कन्नड़ राज्योत्सव पुरस्कार से सम्मानित पेन्ना ओबलैया (103) का निधन हो गया। मदुरै के पास डोड्डबल्लापुरा तालुका के सिमपदीपुर निवासी, वे पारंपरिक वीणाएँ बनाकर पूरे देश में पहुंचाते थे। सैकड़ों लोगों ने उनसे वीणा बनाना सीखा है। इस उपलब्धि के सम्मान में 103 वर्षीय पेन्ना ओबलैया को राज्योत्सव पुरस्कार देने की घोषणा की गई। पुरस्कार ग्रहण करने आए पेन्ना ओबलैया अस्वस्थ थे। उनके बच्चों ने उनकी ओर से पुरस्कार ग्रहण किया। पिछड़ा वर्ग कल्याण, कन्नड़ एवं संस्कृति मंत्री शिवराज तंगडगी ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए कहा कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि पुरस्कार ग्रहण करने के अगले ही दिन उनका निधन हो गया। मंत्री ने कहा कि वह पेन्ना ओबलैया के परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करना चाहते हैं, जिन्होंने अपनी वीणा के माध्यम से सिम्पादिपुरा का नाम राष्ट्र के सामने प्रस्तुत किया, तथा उनकी सांस्कृतिक सेवाओं को याद किया।

कुर्सी की लड़ाई में किसानों को भूल गई सरकार: आर. अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। सत्ता की लड़ाई में किसानों को पूरी तरह भूल चुकी सरकार को बेलगावी, बागलकोट और उत्तर कन्नड़ जिलों के गन्ना उत्पादक किसानों के सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करने के बावजूद कोई परवाह नहीं है। खाद्य मजदूरों की दुर्दशा पर ध्यान न देने वाली यह किसान-विरोधी कांग्रेस सरकार जब तक रहेगी, तब तक चलती रहेगी। विधानसभा में विपक्ष के नेता आर. अशोक ने मांग की है कि वे इस्तीफा देकर कर्नाटक को बचाएं। उन्होंने कहा, महोदय, किसान अपनी दुर्दशा किसे बताएँ? यह भंडार कब तक आपका रहेगा? एक ओर सूरजमुखी, उड़द, सोयाबीन और अन्य दालें उगाने वाले किसान अपनी फसल न बेच पाने के कारण संकट में हैं, वहीं दूसरी ओर गन्ना उत्पादक कीमतों में गिरावट से परेशान हैं। अपनी कुर्सी की अस्थिरता से हताश मुख्यमंत्री सिद्धरामैया अपना आपा खो बैठे हैं और सभी पर बरस रहे हैं। उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि नेतृत्व परिवर्तन को लेकर असमंजस की स्थिति के कारण मंत्री और विधायक अपने घरों से बाहर नहीं निकल रहे हैं।

उपराज्यपाल ने फर्जी पत्रकारों को हटाने का आदेश दिया

जम्मू, 03 नवंबर (ब्यूरो)। उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने अधिकारियों को जम्मू कश्मीर में सक्रिय फर्जी पत्रकारों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने और यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि सरकारी विभागों द्वारा केवल प्रामाणिक मीडिया पेशेवरों को ही मान्यता दी जाए और उनकी नियुक्ति की जाए।

कल श्रीनगर में उपराज्यपाल की अध्यक्षता में हुई उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में फर्जी पत्रकारों के मुद्दे पर चर्चा हुई। बैठक से जुड़े अधिकारियों के अनुसार, यह मामला, जो हाल ही में संपन्न जम्मू कश्मीर विधानसभा के शरदकालीन सत्र में भी उठा था, ने प्रशासन की गंभीर चिंता को जन्म दिया। बैठक में मौजूद एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उपराज्यपाल ने स्पष्ट रूप से कहा कि पत्रकारिता के नाम का दुरुपयोग करने वालों को कानून का सामना करना होगा। उन्होंने सभी उपायुक्तों और एसएसपी को ऐसे तत्वों की पहचान करने और उन्हें

व्यवस्था से बाहर करने के लिए ठोस कदम उठाने का निर्देश दिया।

बताया जा रहा है कि उपराज्यपाल ने अधिकारियों को प्रत्येक जिले में मान्यता प्राप्त और सक्रिय पत्रकारों का एक सत्यापित डेटाबेस तैयार करने के लिए मिलकर काम करने का भी निर्देश दिया है। विभागों को यह भी कहा गया है कि वे केवल उन्हीं मीडिया प्रतिनिधियों को नियुक्त करें जिनकी साख डीआईपीआर द्वारा विधिवत सत्यापित हो। उपराज्यपाल ने आगे निर्देश दिया कि पत्रकारिता के नाम पर फेसबुक पेज, आनलाइन समाचार पोर्टल या सोशल मीडिया हैंडल चलाने वाले व्यक्तियों या समूहों को सूचना एवं जनसंपर्क विभाग (डीआईपीआर) द्वारा विधिवत पंजीकृत और सत्यापित किया जाना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि ऐसे डिजिटल मीडिया प्लेटफार्म को उनके द्वारा प्रकाशित सामग्री के लिए जवाबदेह बनाया जाना चाहिए और उन्हें मीडिया नैतिकता और वैध रिपोर्टिंग के दायरे में रहकर काम करना चाहिए।

अधिकारियों ने बताया कि यह कदम बढ़ती शिकायतों के बीच उठाया गया है कि कुछ लोग पत्रकारों के रूप में मीडिया पहचान पत्रों या सोशल मीडिया प्लेटफार्म का दुरुपयोग करके अधिकारियों को डरा रहे हैं और उनसे लाभ प्राप्त कर रहे हैं। हाल ही में हुए विधानसभा सत्र में कई विधायकों ने भी इस चिंता को उठाया था और इस समस्या पर अंकुश लगाने के लिए एक तंत्र की मांग की थी। एक अन्य वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि सरकार उन सच्चे पत्रकारों की भूमिका को महत्व देती है जो ईमानदारी और ज़िम्मेदारी के साथ रिपोर्टिंग करते हैं। हालांकि, इस पेशे को बदनाम करने वालों के खिलाफ कार्रवाई अपरिहार्य है।

कश्मीर की सबसे महंगी फसल पर संकट

पंपोर में केसर का उत्पादन 90 फीसद घटा

जम्मू, 03 नवंबर (ब्यूरो)। कश्मीर का प्रसिद्ध केसर क्षेत्र एक बार फिर गंभीर संकट से जूझ रहा है जबकि उत्पादकों ने चेतावनी दी है कि इस साल उत्पादन लगभग 90 प्रतिशत तक गिर गया है। कश्मीर का केसर कटोरा कहे जाने वाले पंपोर के किसानों का कहना है कि इस सीजन में उत्पादन सामान्य स्तर का बमुश्किल 10-15 प्रतिशत ही है, जिससे हजारों परिवार आर्थिक संकट में हैं।

उत्पादकों ने चिंता व्यक्त की कि अगर तुरंत सुधारात्मक उपाय नहीं किए गए, तो सदियों से कश्मीर की पहचान रही यह फसल लुप्त हो सकती है। केसर उत्पादक संघ, जम्मू कश्मीर के अध्यक्ष अब्दुल मजीद वानी ने कहा कि इस साल कंदों में ठीक से अंकुरण नहीं हुआ है। वे कहते हैं कि उत्पादन मुश्किल से 15 प्रतिशत है। यह पिछले साल की फसल का आधा भी नहीं है, जो सामान्य फसल का लगभग 30 प्रतिशत ही था। हर साल यह घट रहा है, और सरकार इस क्षेत्र की सुरक्षा के प्रति गंभीर नहीं दिखती। मुख्य समस्या बार-बार लंबे समय तक सूखे, प्रभावी सिंचाई की कमी और हाल के वर्षों में उपलब्ध कंदों की खराब गुणवत्ता है।

किसानों ने मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और कृषि मंत्री से व्यक्तिगत रूप से हस्तक्षेप करने और आपातकालीन कदम उठाने की अपील की है। उन्होंने तत्काल सिंचाई सुविधाओं, केसर के मैदानों की नियमित निगरानी, कंदों की अवैध निकासी और बिक्री को रोकने के उपाय, और नए सिरे से रोपाई के लिए उच्च गुणवत्ता वाले कंदों की उपलब्धता की मांग की। कश्मीर में केसर की खेती का रकबा 1996-97 में 5,707 हेक्टेयर से घटकर 2019-20 में केवल 2,387 हेक्टेयर रह गया है, 65 प्रतिशत की कमी। जबकि सरकारी आंकड़ों से पता चलता है कि उत्पादन 2021 में 17.33 मीट्रिक टन से घटकर 2022 में 14.87 मीट्रिक टन रह गया और 2023 में मामूली रूप से बढ़कर 14.94 मीट्रिक टन हो गया।

हालांकि, पिछले वर्ष का उत्पादन सामान्य उत्पादन का केवल लगभग 30 प्रतिशत ही बताया गया है। हालांकि, उत्पादकों का तर्क है कि ये आंकड़े जमीनी स्तर पर वास्तविकता को नहीं दर्शाते हैं। उनके अनुसार, पिछले वर्ष का वास्तविक उत्पादन औसत फसल का बमुश्किल 20 प्रतिशत था और इस वर्ष उन्हें समान या उससे भी कम उत्पादन की उम्मीद है।

डॉ गोपाल मोर एसोचैम की प्रबंध समिति के सदस्य नियुक्त

नई दिल्ली, 03 नवंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। वेयरहाउसिंग उद्योग की हैदराबाद स्थित स्केलर ग्रुप के निदेशक डॉ. गोपाल मोर को हाल में देश की सबसे पुरानी एवं शीर्ष उद्योगपतियों की संस्था एसोसियेटिड चैबर्स ऑफ कामर्स एण्ड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया की मैनेजिंग कमेटी का सदस्य नियुक्त किया गया है।

एसोचैम की सहायक महासचिव डॉ. अंबिका शर्मा ने यह जानकारी देते हुये कहा कि डॉ गोपाल मोर को एसोचैम की 105 वी वार्षिक महासभा की बैठक में प्रबंध समिति का

सदस्य नियुक्त करने का निर्णय लिया गया। श्री मोर का कार्यकाल एसोचैम की अगली वार्षिक बैठक तक है।

एसोचैम ने डॉ मोर का प्रबंध समिति के सदस्य के रूप में स्वागत करते हुये कहा कि आपके नेतृत्व और बहुमूल्य योगदान से आर्थिक विकास में निरंतरता और व्यापार एवं उद्योग को उन्नत बनाने में एसोचैम के उद्देश्य को हासिल करने में मदद मिलेगी।

डॉ. मोर हाल ही में वेयरहाउसिंग ओनर्स एसोसियेशन ऑफ इंडिया (थ-ख) के भी निदेशक चुने गए है।

डॉ गोपाल मोर एक सामाजिक नेता होने के नाते अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के राष्ट्रीय वरिष्ठ महामंत्री एवं भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के भी राष्ट्रीय वरिष्ठ महामंत्री भी है। इन प्रमुख संगठनों के अतिरिक्त डॉ मोर अनेक समाजिक संगठनों के साथ जुडे हुए है।

अनियंत्रित डम्पर की चपेट में आने से 11 लोगों की मौत, कई घायल

जयपुर, 03 नवम्बर (एजेंसियां)। राजस्थान में जयपुर के हरमाड़ा थाना क्षेत्र में सोमवार को एक अनियंत्रित डम्पर ने कई वाहनों को टक्कर मार दी जिसमें 11 लोगों की मौत हो गयी और कई लोग घायल हो गये। पुलिस सूत्रों ने बताया कि दोपहर करीब एक बजे लोहा मंडी में जब ट्रैफिक सामान्य था, अचानक एक तेज रफ्तार से आ रहे डम्पर ने अनियंत्रित होकर एक कार को टक्कर मार दी। रफ्तार इतनी अधिक थी कि इसके बाद उसने कई वाहनों और मोटर साइकिलों को चपेट में ले लिया। बाद में वह डिवाइडर से टकराकर पलट गया। थाना प्रभारी पुलिस निरीक्षक उदयसिंह ने 11 लोगों की मरने की पुष्टि की है। इस घटनामें कई लोग घायल हुए हें। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और राहत दल मौके पर पहुंच गये और घायलों को निकालकर कांवटिया पहुंचाया जहां से गंभीर घायलों को एसएमएस अस्पताल भेज दिया गया। पुलिस ने बताया कि घटना के बाद चालक मौके से फरार हो गया। हादसे के बाद आसपास के लोगों में आक्रोश है और स्थानीय लोगों ने क्षेत्र में भारी वाहनों की आवाजाही पर रोक लगाने की मांग की है।

जम्मू में चार साल बाद फिर से सजा मुख्यमंत्री का दरबार

जम्मू, 03 नवंबर (ब्यूरो)। कश्मीरियों की आशंका के बीच जम्मू कश्मीर की शीतकालीन राजधानी जम्मू में आज सोमवार सुबह दरबार सज गया। अब छह महीने के लिए नागरिक सचिवालय और अन्य चलंत कार्यालय जम्मू में ही काम करेंगे। जम्मू में दरबार-मूव समारोह में शामिल होने पहुंचे मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला का गर्मजोशी से स्वागत किया गया और उन्हें गार्ड आफ आनर दिया गया। समारोह के बाद सीएम उमर ने जम्मू स्थित सचिवालय परिसर का भी निरीक्षण किया।

इस अवसर पर जम्मू कश्मीर के उप-मुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी ने खुशी जताई और इस परंपरा को जम्मू के महाराजा की विरासत से जुड़ा बताया। वे कहते थे कि लोग खुश हैं, सभी खुश हैं। भाजपा वाले कहते थे कि नेशनल कांफ्रेंस जम्मू विरोधी है। आज उमर अब्दुल्ला सरकार ने दिखा दिया है कि जिस दरबार मूव को आपने रोका था, उसे उमर अब्दुल्ला सरकार ने शुरू किया है। अब जम्मू के लोगों को तय करना है कि भाजपा उनके हित में है या उमर अब्दुल्ला सरकार या नेशनल कांफ्रेंस उनके हित में है। यह महाराजा की विरासत है, जिसकी शुरुआत हमने आज की है और सही मायने में हमने

महाराजा साहब को श्रद्धांजलि दी है।

दरबार मूव का तात्पर्य जम्मू कश्मीर के सचिवालय और अन्य सभी सरकारी कार्यालयों के एक राजधानी शहर से दूसरे राजधानी शहर में अर्धवार्षिक स्थानांतरण से है। मई से अक्टूबर तक, सरकारी कार्यालय ग्रीष्मकालीन राजधानी श्रीनगर में संचालित होते थे, जबकि शेष छह महीने वे शीतकालीन राजधानी जम्मू में कार्य करते थे। इस परंपरा को आधिकरिक तौर पर वर्ष 2021 से 'बंद' किया जा चुका था जबकि उसके प्रति सच्चाई यह थी कि यह गैर सरकारी तौर पर लगभग 500 कर्मियों के साथ जारी था। ये कर्मी उपराज्यपाल, मुख्य सचिव और वित्त विभाग के वित्त आयुक्त, सामान्य प्रशासनिक विभाग के आयुक्त सचिव तथा पुलिस महानिदेशक के कार्यालयों में लिप्त कर्मी हैं जो दोनों राजधानियों में आ-जा रहे थे।

पारंपरिक दरबार मूव की बहाली पर मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा, दरबार मूव पर रोक लगना जम्मू के लिए एक बड़ा झटका था। मैंने इसे बहाल करने का वादा किया था और आज हमने वह वादा पूरा कर दिया है। इससे जम्मू की अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। लेकिन हर चीज को पैसे से नहीं जोड़ा जाना चाहिए, जिसे इस प्रथा को खत्म करने का एक कारण बताया गया था।

जम्मू कश्मीर में दरबार मूव की शुरूआत महाराजा रणवीर सिंह ने 1872 में बेहतर शासन के लिए की थी। कश्मीर, जम्मू से करीब 300 किमी दूरी पर था, ऐसे में डोगरा शासक ने यह व्यवस्था बनाई कि दरबार गर्मियों में कश्मीर व सर्दियों में जम्मू में रहेगा। 19वीं शताब्दी में दरबार को 300 किमी दूर ले जाना एक जटिल प्रक्रिया थी व यातायात के कम साधन होने के कारण इसमें काफी समय लगता था। अप्रैल महीने में जम्मू में गर्मी शुरू होते ही महाराजा का काफिला श्रीनगर के लिए निकल पड़ता था। महाराजा का दरबार अक्तूबर महीने तक कश्मीर में ही रहता था। जम्मू से कश्मीर की दूरी को देखते हुए डोगरा शासकों ने शासन को ही कश्मीर तक ले जाने की व्यवस्था को वर्ष 1947 तक बदस्तूर जारी रखा। जब 26 अक्टूबर 1947 को राज्य का देश के साथ विलय हुआ तो राज्य सरकार ने कई पुरानी व्यवस्थाएं बदल ले लेकिन दरबार मूव जारी रखा। राज्य में 148 साल पुरानी यह व्यवस्था आज भी जारी है। दरबार को अपने आधार क्षेत्र में ले जाना कश्मीर केंद्रित सरकारों को सूट करता था, इस लिए इस व्यवस्था में कोई बदलाव नहीं लाया गया था।

उत्तराखंड देवभूमि से अध्यात्म और शौर्य की परंपराएं प्रवाहित होती रही हैं : राष्ट्रपति

देहारादून, 03 नवम्बर (एजेंसियां)। देश की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को कहा कि उत्तराखंड की देव-भूमि से अध्यात्म और शौर्य की परम्पराएं प्रवाहित होती रही हैं। भारत का यह पवित्र भूखंड अनेक ऋषि-मुनियों की तपस्थली रहा है। कुमाऊं रेजिमेंट तथा गढ़वाल रेजिमेंट के नाम से ही यहां की शौर्य परंपरा का परिचय मिलता है।

उत्तराखंड राज्य गठन के रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित विधानसभा के विशेष सत्र को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि यहां के युवाओं में भारतीय सेना में सेवा करके मातृ-भूमि की रक्षा करने के प्रति उत्साह दिखाई देता है। उत्-ाराखंड की यह शौर्य परंपरा सभी देशवासियों के लिए गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि भारत की लोकतान्त्रिक परंपरा को शक्ति प्रदान करने में उत्तराखंड के अनेक जन-सेवकों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

श्रीमती मुर्मू ने अपने अभिभाषण में कहा कि उत्तराखंड राज्य की स्थापना की रजत जयंती के ऐतिहासिक अवसर पर, लोकतन्त्र के इस मंदिर में, विधान सभा के विशेष सत्र में आप सबके बीच आकर बहुत प्रसन्नता हो रही है। उन्होंने इस अवसर पर राज्य विधान सभा के पूर्व और वर्तमान सदस्यों तथा राज्य के सभी निवासियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी जी के प्रधानमंत्री के कार्यकाल के दौरान, यहां के जनमानस की आकांक्षा के अनुरूप, बेहतर प्रशासन और संतुलित विकास की दृष्टि से, वर्ष 2000 के नवंबर महीने में इस राज्य की स्थापना की गई।

राष्ट्रपति ने कहा, यह बहुत प्रसन्नता की बात है कि विगत पच्चीस वर्षों की यात्रा के दौरान उत्तराखंड के लोगों ने विकास के प्रभावशाली लक्ष्य हासिल किए हैं। पर्यावरण, ऊर्जा, पर्यटन, स्वास्थ्य-सेवा और शिक्षा के क्षेत्रों में राज्य ने सराहनीय प्रगति की है। उन्होंने कहा, डिजिटल और फिजिकल कनेक्टविटी तथा इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के क्षेत्रों में भी विकास हुआ है। विकास के समग्र प्रयासों के बल पर राज्य में ह्यूमन डेवलपमेंट इंडिसेज के कई मानकों पर सुधार हुआ है।

श्रीमती मुर्मू ने कहा, मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई है कि राज्य में साक्षरता बढ़ी है, महिलाओं की शिक्षा में विस्तार हुआ है।

मातृ एवं शिशु-मृत्यु-दर में कमी आई है तथा स्वास्थ्य सेव-ाओं को सुलभ बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, महिला सशक्तीकरण की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की मैं विशेष सराहना करती हूं। उन्होंने कहा, महिला सशक्तीकरण के प्रयासों से सुशीला बलूनी, बछेन्द्री पाल, गौरा देवी, राधा भट्ट और वंदना कटारिया जैसी असाधारण महिलाओं की गौरवशाली परंपरा आगे बढ़ेगी।

राष्ट्रपति ने कहा कि श्रीमती ऋतु खंडूरी भूषण को राज्य की पहली महिला विधान सभा अध्यक्ष नियुक्त करके उत्तराखंड विधान सभा ने अपना गौरव बढ़ाया है। उन्होंने कहा, मैं चाहूंगी कि सभी हितधारकों के सक्रिय प्रयास से उत्तराखंड विधान सभा में महिलाओं की संख्या में बढ़ोतरी हो।

राजग की सरकार में बिहार में जंगलराज इतिहास बन चुका है : अमित शाह

सीतामढ़ी, 03 नवम्बर (एजेंसियां)। केन्द्रीय गृह मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह ने सोमवार को कहा कि बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार में जंगलराज इतिहास बन चुका है और राज्य में विकास के नए कीर्तिमान बन रहे हैं।

श्री शाह ने आज सीतामढ़ी जिले में राजग प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित रैली को संबोधित करते हुये कहा कि राजग की सरकार में जंगलराज इतिहास बन चुका है, अब राज्य में में इंफ्रास्ट्रक्चर, इनो-वेशन से विकास के नए कीर्तिमान बन रहे हैं।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि बेलसंड का आज़ादी के आंदोलन में बहुत बड़ा योगदान था। बेलसंड के 24 स्वतंत्रता सेनानियों को अंग्रेजों ने काला पानी की सजा दी थी। उन्होंने कहा कि लालू एंड कंपनी ने उन्हें भुला दिया है। उन्होंने

कहा कि राजग सरकार इन 24 स्वतंत्रता सेनानियों का स्मारक बनाएगी।

श्री शाह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का अपमान करते-करते अब छठी मैया का अपमान कर दिया है। उन्होंने कहा कि जब-जब इन लोगों ने श्री मोदी मोदी का अपमान किया है, जनता ने उसका जवाब उन्हें हराकर दिया है। आने वाले चुनाव में सीतामढ़ी वालों को इसे याद रखना है।उन्होंने कहा कि राजद-कांग्रेस वाले लोग राम मंदिर के विरोधी हैं। श्री मोदी ने अयोध्या में भव्य राम मंदिर बनवाया। अब हम सीता जी का भव्य राम मंदिर बनाने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जिस दिन सीतामढ़ी में सीता माता के मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा होगी, उसी दिन सीतामढ़ी से लेकर अयोध्या तक वंदे भारत ट्रेन भी चालू कर दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि जो अयोध्या आयेगा, वह सीतामढ़ी भी आयेगा और बिहार के टूरिज्म को बहुत फायदा होगा।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और प्रधामनंत्री नरेन्द्र मोदी ने सभी जीविका दीदियों के खातों में 10 हजार रुपए डाले हैं। उन्होंने कहा कि राजद वाले चुनाव आयोग के पास जाकर कह रहे हैं कि यह दस हजार रुपए वापस ले लो। उन्होंने कहा कि वह जीविका दीदियों से कहना चाहते हैं कि उन्हें चिंता करने की जरूरत नहीं है, किसी में दम नहीं जो महिलाओं को मिलने वाले पैसे रोक ले। यह यहीं नहीं रुकेगा आने वाले समय में हम उन्हें दो लाख रुपए देंगे।

केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि महाठगबंधन में न नेता है, न नीति है। मालूम ही नहीं है कि कौन, किस सीट से लड़ रहा है,जबकि राजग की पांचों पार्टियां, पांडव की भांति एकमुश्त होकर बिहार की सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ रही हैं। उन्होंने कहा कि वह बिहार चुनाव का परिणाम अभी बता रहे हैं। उन्होंने कहा कि 14 नवंबर को आठ बजे मतपेटी खुलेगी और दोपहर एक बजे तक लालू-राहुल की पार्टी का सूपड़ा साफ हो जाएगा। भारी बहुमत से बिहार में राजग की सरकार बनेगी।

खबरें जो सोच बदल दे शुभ लाभ हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

ब्रिटिश नागरिक बन चुके मौलाना पर यूपी में एफआईआर

कट्टरपंथ को बढ़ावा देने का मामला, पाकिस्तान से लिंक

लखनऊ, 03 नवंबर (एजेंसियां)।

भारतीय मूल के ब्रिटिश नागरिक मौलाना शम्सुल हुदा खान के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। एटीएस की विस्तृत जांच रिपोर्ट के आधार पर उत्तर प्रदेश के संत कबीर नगर जिले के खलीलाबाद थाने में मामला दर्ज किया गया है। मौलाना पर कथित तौर पर इस्लामी कट्टरपंथ को बढ़ावा देने और धार्मिक शिक्षा की आड़ में अवैध रूप से विदेशी धन इकट्ठा करने के आरोप में मामला दर्ज किया गया है। उत्तर प्रदेश एटीएस के अनुसार मौलाना विदेशी व्यक्तियों और संगठनों से धन इकट्ठा कर रहा था और उसे अनधिकृत माध्यमों से भारतीय मदरसों में भेज रहा था। उसने

कथित तौर पर विदेशी चंदे के लिए बिचौलिए की भूमिका निभाई और अपने एनजीओ, रज़ा फाउंडेशन का इस्तेमाल करके कानूनों का उल्लंघन करते हुए वित्तीय हस्तांतरण की सुविधा प्रदान की। रिपोर्ट में यह भी खुलासा हुआ है कि मौलाना ने दो मदरसे स्थापित किए थे। एक मदरसा आजमगढ़ और दूसरा संतकबीर नगर में बनाया गया था। एटीएस की जांच के बाद योगी सरकार ने दोनों की मान्यता रद्द कर दी है। उसके एनजीओ का रजिस्ट्रेशन भी रद्द कर दिया गया है। एटीएस ने पाया कि मौलाना अक्सर पाकिस्तान जाता था और उस देश के साथ-साथ जम्मू-कश्मीर में भी कट्टरपंथी मौलवियों और संदिग्ध व्यक्तियों के संपर्क में था। एटीएस की रिपोर्ट में कहा गया है कि वह चरमपंथी विचारधारा फैलाने और अपने प्रभाव नेटवर्क का विस्तार करने के लिए कश्मीर में लोगों से संपर्क बनाए रखने के लिए अपने कंप्यूटर और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल कर रहा था।

मौलाना के बारे में यह भी पता चला कि ब्रिटिश नागरिकता हासिल करने के बावजूद मौलाना लगातार भारत और पाकिस्तान का दौरा करता रहा। वह अलग-अलग इस्लामी समूहों के साथ संबंध स्थापित करता रहा और कथित तौर पर संवेदनशील क्षेत्रों में अपनी पैठ मजबूत करने की कोशिश करता रहा।

अल्पसंख्यक कल्याण विभाग ने उत्तर प्रदेश मदरसा शिक्षा बोर्ड के रजिस्ट्रार को कानूनी कार्यवाही शुरू करने का निर्देश दिया, जिसके कारण धोखाधड़ी और विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम (एफईआरए) के उल्लंघन के आरोपों के तहत एफआईआर दर्ज की गई। अधिकारी अब मौलाना के नेटवर्क के वित्तीय और डिजिटल लिंक का पता लगा रहे हैं, जिसके बारे में एटीएस का मानना है कि यह शिक्षा की आड़ में विदेशी धन को कट्टरपंथी धार्मिक गतिविधियों में लगाने की एक बड़ी कोशिश का हिस्सा था।

पद्मविभूषण गिरिजा देवी का आवास बनेगा सांस्कृतिक केंद्र

वाराणसी, 03 नवंबर (एजेंसियां)।

पद्मविभूषण गिरिजा देवी का आवास संस्कृति का नया केंद्र बनेगा। इसके लिए देश-दुनिया में विख्यात संस्था रूपवाणी ने पद्मविभूषण से सम्मानित गायिका गिरिजा देवी का वाराणसी स्थित आवास खरीदा है। पद्मविभूषण गिरिजा देवी का संजय नगर कॉलोनी स्थित आवास अब संस्कृति का नया केंद्र बनेगा। संगीत की पुण्यभूमि पर अब रंगकर्म की नई पौध तैयार होगी। गिरिजा देवी की पुत्री सुधा दत्ता ने रंगमंच की संस्था रूपवाणी को यह आवास बेचा है। आवास को संस्कृति केंद्र के रूप में विकसित करने की दिशा में काम भी शुरू हो चुका है।

राम की शक्तिपूजा और कामायनी समेत अपने अनेक नाटकों के लिए देश-दुनिया में विख्यात संस्था रूपवाणी ने पद्मविभूषण से सम्मानित पूरब अंग की शीर्ष स्थानीय गायिका गिरिजा देवी का वाराणसी स्थित

आवास खरीदा है। यह वही घर है जिसमें सुनंदा शर्मा, मालिनी अवस्थी, रीता देव और राहुल-रोहित मिश्र समेत अप्पाजी के शिष्य-शिष्याओं की कई पीढ़ियां रियाज, प्रशिक्षण व आशीर्वाद से तैयार हुई हैं और अब दुनिया भर में बनारस अंग की उपशास्त्रीय गायकी का परचम लहरा रही हैं।

रंग निर्देशक और रूपवाणी के प्रमुख व्योमेश शुक्ल ने बताया कि रूपवाणी के इस नए ठिकाने को विदुषी अप्पाजी (गिरिजा देवी) के सांस्कृतिक अवदान के अनुरूप गतिविधियों का एक प्रधान केंद्र बनाया जाएगा। यहां नियमित रूप से रूपवाणी के नाटकों का पूर्वाभ्यास और अभिनय की कार्यशाला तो होगी ही, समय-समय पर मूर्धन्य संगीतकारों के सानिध्य में पूरब अंग और बनारस घराने की विविध विधाओं की बैठकी भी आयोजित की जाएगी। संगीत के सूक्ष्म और गूढ़ माने जानेवाले विषयों पर संगोष्ठियों व व्याख्यानों का आयोजन भी होगा और भिन्न-भिन्न विषयों पर विशेषज्ञों के साथ संवाद का अभिलेखन होगा। इस केंद्र में तकनीक की सुविधा से संपन्न एक पॉडकास्ट स्टूडियो भी होगा।

पिछले दिनों गिरिजा देवी की एकमात्र संतान, उनकी बेटी और जानी-मानी ओडिसी नृत्यांगना सुधा दत्ता कोलकाता से काशी आई हुई थीं। तभी दोनों पक्षों ने विक्रय अभिलेख पर हस्ताक्षर किए। सुधा दत्ता ने बताया कि मां की विरासत को सही हाथों में सौंपकर मन को बेहद सुकून है। पद्मविभूषण गिरिजा देवी को ठुमरी सम्रज्ञी भी कहा जाता है। उन्हीं के नाम पर सांस्कृति संकुल भी है।

हापुड़ के गांव में गिरा सेना का विशालकाय ड्रोन

हापुड़, 03 नवंबर (एजेंसियां)।

यूपी के हापुड़ स्थित बाबूगढ़ थाना क्षेत्र के अन्तर्गत बहरामपुर बाढ़ली गांव में सोमवार की सुबह एक विशालकाय ड्रोन खेत में पड़ा मिला।

खेत पर जा रहे लोगों ने ड्रोन देखा तो इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर वहां से ग्रामीणों को दूर रहने की हिदायत दी, फोरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया। बाद में पता चला कि ड्रोन सेना का था। टोपोग्राफिकल सर्वे के दरम्यान सेना का ड्रोन रेंज से बाहर चला गया और खेत में जा गिरा। सेना ने मौके से ड्रोन को बरामद कर लिया है।

ग्रामीणों ने रविवार की देर रात करीब साढ़े 10 बजे एक बड़ा ड्रोन गांव में उड़ता देखा था। इससे गांव में दहशत भी हो गई थी।

सोमवार की सुबह ग्रामीणों ने उस विशालकाय ड्रोन को खेत में गिरा देखा। ड्रोन करीब 50 किलो वजन का था। मौके पर जांच के लिए फोरेंसिक टीम को भी बुलाया गया और ड्रोन को कब्जे में लेकर इसकी पूरी जांच की गई। कुछ समय बाद ही बाबूगढ़ छावनी से सेना ने लोकेशन लोकेट कर ड्रोन को हस्तगत किया।

माटीकला मेलों में 4.20 करोड़ की बिक्री का रिकॉर्ड

लखनऊ, 03 नवंबर (एजेंसियां)।

उत्तर प्रदेश माटीकला बोर्ड द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में आयोजित माटीकला मेलों में प्रदेश के कारीगरों व हस्तशिल्प उत्पादों के विपणन में उल्लेखनीय उछाल दर्ज किया गया है। इस अवधि में बोर्ड ने 10 दिवसीय माटीकला महोत्सव, 07 दिवसीय क्षेत्रीय माटीकला मेले और 03 दिवसीय लघु माटीकला मेले आयोजित किए। इन सभी मेलों में कुल 691 दुकानें लगाई गईं और 4,20,46,322 की बिक्री हुई। यह पिछले वित्तीय वर्ष 2024-25 में दर्ज कुल बिक्री 3,29,28,410 की तुलना में 91,17,912 अधिक है, जो लगभग 27.7 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाती है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सबसे ज्यादा फोकस परंपरागत शिल्पों व उद्य-ोगों में कार्यरत कारीगरों की उन्नति पर है। प्रदेश समेत देश-विदेश में उनके उत्पादों को वृहद स्तर पर खरीदार मिलें, इसके लिए विभिन्न प्रकार के प्रयास

किए जा रहे हैं और माटीकला बोर्ड इसमें महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है।

लखनऊ के खादी भवन में 10 से 19 अक्टूबर 2025 तक आयोजित 10 दिवसीय माटीकला महोत्सव में 56 दुकानों द्वारा 1,22,41,700 की बिक्री हुई। गोरखपुर, आगरा, कानपुर देहात और मुरादाबाद में 13 से 19 अक्टूबर तक आयोजित 07 दिवसीय क्षेत्रीय मेलों में 126 दुकानों ने 78,84,410 का विक्रय किया। इसी क्रम में प्रदेश के 70 जनपदों में 17 से 19 अक्टूबर तक आयोजित 03 दिवसीय लघु माटीकला मेलों में 509 दुकानों के माध्यम से 2,19,20,212 की बिक्री दर्ज की गई।

वित्तीय वर्ष 2024-25 में आयोजित मेलों में कुल 878 दुकानों द्वारा 3,29,28,410 की बिक्री हुई थी। यद्यपि इस वर्ष कुल दुकानों की संख्या कम रही, फिर भी विक्रय में वृद्धि यह दर्शाती है कि उत्पादों की गुण-वत्ता, प्रदर्शनी की व्यवस्था और विपणन सहयोग अधिक प्रभावशाली रहा। इससे यह भी स्पष्ट हुआ है कि माटीकला उत्पादों के प्रति आमजन में जागरूकता और आकर्षण निरंतर बढ़ रहा है। माटीकला बोर्ड का लक्ष्य है कि निरंतर मेलों, उन्नत प्रदर्शनी प्रबंधन, प्रशिक्षण, डिजाइन विकास व ब्रांडिंग गतिविधियों के माध्यम से कारी-गरों को दीर्घकालिक आर्थिक सशक्तिकरण प्रदान किया जाए। आने वाले सत्रों में अधिक उपभोक्ता आधारित कार्यक्रमों के आयोजन से कारीगरों की उत्पादकता, विपणन दक्षता तथा आय वृद्धि सुनिश्चित की जाएगी।

परंपरागत कारीगरों और शिल्पियों की कला को संरक्षित व संवर्धित करने, उनकी सामाजिक सुरक्षा, आर्थिक सुदृढ़ता, तकनीकी विकास और विपणन सुविधा बढ़ाने तथा नवाचार के माध्यम से रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से योगी सरकार ने उत्तर प्रदेश माटीकला बोर्ड का गठन किया है।

इस पहल के माध्यम से न केवल पारंपरिक माटीकला को नई पहचान मिली है, बल्कि हजारों परिवारों को आत्मनिर्भरता का नया आधार भी प्राप्त हुआ है।

योगी सरकार ने प्रजापति समुदाय के उन सभी लोगों के लिए, जो माटीकला उद्योग से जुड़े हैं, एक महत्वपूर्ण सुविधा प्रदान की है कि गांव के तालाबों से मिट्टी निकालने की व्यवस्था निःशुल्क कर दी गई है। इससे कारीगरों को उत्पादन की मूल सामग्री सुलभ हुई है और उनकी लागत में उल्लेखनीय कमी आई है। ये कदम दर्शाते हैं कि योगी सरकार परंपरागत शिल्प को केवल संरक्षित ही नहीं कर रही, बल्कि उसे आधुनिक विपणन, प्रशिक्षण और नवाचार के माध्यम से वैश्विक मंच तक पहुंचाने का लक्ष्य लेकर चल रही है।

सीईओ खादी एवं ग्रामोद्योग माटीकला बोर्ड के महाप्रबंधक ने बताया कि योगी सरकार के समग्र समर्थन और बोर्ड के लक्षित प्रयासों के परिणामस्वरूप कारी-गरों को सीधे उपभोक्ताओं से जुड़ने का अवसर मिला है। उन्होंने कहा कि मेलों में आए खरीदारों ने स्थानीय शिल्प व पारंपरिक उत्पादों को उत्साहपूर्वक अपनाया, जिससे कारीगरों की आय में वृद्धि हुई है तथा माटीकला उत्पादों की ब्रांड वैल्यू मजबूत हुई है। उन्होंने यह भी बताया कि आगामी वर्षों में इन मेलों के दायरे का विस्तार कर और अधिक जिलों में इस तरह के आयोजन किए जाएंगे, ताकि प्रदेश के माटीकला उत्पाद राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों से जुड़ सकें।

वैश्विक मंच तक पहुंची यूपी के पारंपरिक शिल्प और कला की गूंज

लखनऊ, 03 नवंबर (एजेंसियां)।

यूपी के पारंपरिक शिल्प और कला की गूंज अब वैश्विक स्तर पर सुनाई दे रही है। लखनऊ स्थित उत्तर प्रदेश डिजाइन एवं शोध संस्थान में रविवार को सेंट्रल एवं दक्षिणी अमेरिकी देशों तथा कैरेबियन द्वीप समूहों के लगभग 47 सदस्यीय विदेशी प्रतिनिधिमंडल ने भ्रमण किया। इस प्रतिनिधिमंडल में डिजाइन, शिक्षा, कला एवं फैशन उद्योग से जुड़े अनेक अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञ शामिल थे।

उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में मजबूत कदम बढ़ा चुका है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में संचालित विश्वकर्मा श्रम सम्मान एवं वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) जैसी योजनाओं ने प्रदेश के लाखों कारीगरों को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में प्रेरित किया है। भ्रमण के दौरान संस्थान की ओर से पारंपरिक भारतीय कला एवं हस्तशिल्प पर आधारित विशेष प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में बोन कार्विंग, जरी-जरदोजी,

चिकनकारी, बाटिक प्रिंटिंग, ब्लॉक प्रिंटिंग, टेराकोटा और लोक कलाओं का लाइव प्रदर्शन किया गया। प्रसिद्ध शिल्पगुरु माधुरी मिश्रा (बाटिक प्रिंटिंग), राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता जलाल-ुद्दीन (बोन कार्विंग), राज्य पुरस्कार विजेता अकील अख्तर (बोन कार्विंग) और विनोद मिश्रा (बाटिक प्रिंटिंग) सहित कई कुशल शिल्पकारों ने अपनी कला का प्रदर्शन किया।

विदेशी अतिथियों ने भारतीय शिल्प की बारीकियों को नजदीक से देखा और सराहना करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश के शिल्पकारों की निपुणता अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रेरणादायक है। प्रतिनिधियों ने संस्थान के पुस्तकालय और म्यूजियम का भी अवलोकन किया, जहां डिजाइन, कला और फैशन से जुड़ी 100 से 150 वर्ष पुरानी दुर्लभ पुस्तकें एवं कलाकृतियाँ संरक्षित हैं। इसके अलावा उन्होंने ओडीओपी उत्पादों की आर्ट गैलरी एवं डिजाइन स्टूडियो का भी दौरा किया, जहाँ संस्थान में प्रशिक्षित लाभार्थियों द्वारा तैयार उत्पाद प्रदर्शित किए गए थे। विदेशी विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों के रचनात्मक कार्यों की प्रशंसा करते हुए कहा कि भारत की पारंपरिक कला और फैशन इंडस्ट्री में अपार संभावनाएँ हैं। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के सांस्कृतिक और शैक्षणिक आदान-प्रदान कार्यक्रम विश्व स्तर पर डिजाइन नवाचार को नई दिशा प्रदान करते हैं।

संस्थान की अध्यक्ष क्षिप्रा शुक्ला ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि यह भ्रमण अंतरराष्ट्रीय सहयोग, कला आदान-प्रदान और डिजाइन शिक्षा में साझेदारी को प्रोत्साहन देगा।

उन्होंने कहा कि इस तरह की पहल से प्रदेश की पारंपरिक हस्तशिल्प परंपरा को वैश्विक पहचान मिलेगी और प्रधानमंत्री के लोकल फॉर ग्लोबल विजन को साकार किया जा सकेगा।

प्रतिनिधिमंडल में कई देशों के प्रतिनिधि शामिल रहे। इनमें एंटीगुआ एंड बरबूडा, अर्जेंटीना, बहामास, बारबाडोस, ब्राज़ील,कैरीकॉम सेक्रेटेरिएट, कोलंबिया, त्रिनिदाद एवं टोबैगो, कॉमनवेल्थ ऑफ डोमिनिका, कोस्टा रिका, क्यूबा, डोमिनिकन रिपब्लिक, एल साल्वाडोर, गुयाना, हैती, होंडुरास, जमैका, पनामा, पैराग्वे, पेरु, सूरीनाम, सेंट किड्स एंड नेविस और वे-नेजुएला के प्रतिनिधि शामिल थे। इस अवसर पर एमएसएमई विभाग के संयुक्त आयुक्त सुनील कुमार, संस्थान के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन संस्थान द्वारा स्मृति चिन्ह प्रदान करने एवं विदेशी अतिथियों को ओडीओपी उत्पादों के विशेष उपहार भेंट करने के साथ हुआ।

341 करोड़ की जीएसटी चोरी मास्टरमाइंड अबतक फरार

मुरादाबाद, 03 नवंबर (एजेंसियां)।

मुरादाबाद में 341 करोड़ की टैक्स चोरी के मामले में राज्य कर विभाग की टीमें मास्टर माइंड के ईमेल और मोबाइल नंबरों को खंगालने में जुटी है। किन-किन नंबरों पर ओटीपी जनरेट हुए, इनका ब्यौरा जुटाया जा रहा है। ऐसे में टैक्स चोरी 341 करोड़ से अधिक होने की आशंका जताई जा रही है। दो मोबाइल नंबरों पर देशभर में 122 बोगस फर्म बनाकर 341 करोड़ की जीएसटी चोरी की जांच एसआईटी कर रही है। लखनऊ निवासी मास्टर माइंड लोहा कारोबारी अंकित कुमार ने इन फर्जी फर्मों पर 1811 करोड़ का व्यापार किया है।

पंजीयन के लिए उसने सीज-ीएसटी के सरल नियमों का फायदा उठाते हुए फर्जी अभिलेखों का प्रयोग किया है। फर्जी ई वे बिल और अभिलेखों के आधार पर केंद्र और राज्य सरकार को करोड़ों का चूना लगाया है लेकिन मुरादाबाद राज्य कर की टीम ने लोहे के लदे दो ट्रकों को पकड़कर प्रदेश की एक बड़ी जीएसटी चोरी का खुलासा किया। इस मामले में

राज्य कर विभाग ने सिविल लाइंस थाने में दो केस भी दर्ज कराया है। राज्य कर की टीमें मास्टर माइंड के ईमेल और मोबाइल नंबरों की जांच पड़ताल करने में जुटी है। जांच में लगी टीमें यह देख रही हैं कि किन नंबरों पर ओटीपी जनरेट हुए हैं। ऐसे नंबरों को एक स्थान पर इकट्ठा किया जा रहा है।

राज्य कर अधिकारी अब अंकित कुमार के साथ उसके साथी मुजफ्फरनगर के सौरभ मिश्रा की जांच कर रही है। प्राथमिक जांच में सौरभ का पता फर्जी पाया गया है। इस मामले में ई- मेल के आधार पर राज्य कर अधिकारी जांच रही है। इस मामले में राज्य कर अधिकारियों ने विभाग के तकनीकी विशेषज्ञों को भी लगाया है। मुख्यालय स्तर से भी जांच की प्रतिदिन की प्रगति रिपोर्ट ली जा रही है। अधिकारियों का मानना है कि सोमवार या मंगलवार तक इस मामले में प्रगति आने की संभावना है। जांच अधिकारियों का मानना है कि टर्नओवर का दायरा भी बढ़ेगा।

जीएसटी की कार्रवाई के कारण बोगस फर्मों पर संचालित गुटका और लोहे से लदे वाहन हाईवे पर इक्का दुक्का ही आए। स्थानीय अधिकारियों का कहना है कि कार्रवाई के डर के चलते जीएसटी चोरी करने वालों ने रास्ता बदल दिया है। राज्य कर विभाग द्वारा जीएसटी चोरी के मामले में लगातार कार्रवाई के चलते बोगस फर्मों के माध्यम से कारोबार करने वाले लोहे के व्यवसायी भयभीत हो गए हैं। सभी को अपने रिफंड की चिंता सताने लगी है। इसके पहले गुटका और सुपारी की खेप लेकर वाहन चालक झारखंड और बिहार से दिल्ली की तरफ जाते थे।

इस प्रकार के वाहनों के आवागमन में तीन दिनों से कमी आ गई है। राज्य कर अधिकारियों का मानना है कि बोगस फर्मों के सहारे चलने वाले चालकों ने रास्ता बदल दिया है। पहले सुपारी लदे वाहनों की भरमार रहती थी लेकिन सुपारी की बोगस फर्मों के खिलाफ कार्रवाई के चलते चालकों ने रास्ता बदलना ही उचित समझा है। राज्य कर विभाग लोहा के पहले लकड़ी की बोगस फर्मों के खिलाफ अभियान चला चुका है। लकड़ी की 128 बोगस फर्मों को चिन्हित कर उनको निरस्त कराया गया है। अब नंबर एक में काम करने वाले व्यवसायियों के वाहन लखनऊ-दिल्ली हाईवे से गुजरे हैं।

संपादकीय

घुसपैठिए हैं तो भगाओ उन्हें

बिहार में प्रथम मतदान तीन दिन बाद है। माहौल खूब तप चुका है। प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने इस चुनाव में भी घुसपैठियों का मुद्दा शिद्दत से उठाया है। देश के प्रथम गृहमंत्री एवं लौह पुरुष सरदार पटेल की जन्म जयंती 31 अक्तूबर को थी। उसे हम 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के तौर पर मनाते हैं। उसी दिन प्रधानमंत्री मोदी ने घुसपैठ या अवैध प्रवास को 'राष्ट्रीय एकता और सुरक्षा के लिए खतरा' करार दिया। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि वोट बैंक के लिए सरकारों ने घुसपैठ के प्रति आंखें मूंद रखी हैं और देश की जनसांख्यिकी बदल रही है। उन्होंने प्रत्यक्ष तौर पर मुसलमानों को लक्षित नहीं किया, लेकिन गृहमंत्री ने कहा कि मुस्लिम आबादी 24.6 फीसदी हो गई है। अर्थात देश में मुसलमान 35-36 करोड़ से अधिक हैं। गृहमंत्री ने तल्खी से कहा कि भारत कोई धर्मशाला नहीं है। मुस्लिम आबादी ही घुसपैठिए हैं, यकीन नहीं होता, क्योंकि बीते दिनों नाइजीरिया, युगांडा, रवांडा, नेपाल आदि देशों के भी अवैध प्रवासियों को उनके देश वापस भेजा गया है। बांग्लादेशी घुसपैठियों का आंकड़ा हम 1975-76 से सुनते आ रहे हैं कि करीब 2 करोड़ बांग्लादेशी हमारे देश में हैं। यह आरएसएस और जनसंघ का बुनियादी, वैचारिक, राजनीतिक मुद्दा रहा है। 2016 में केंद्रीय मंत्री किरन रिजिजू ने एक सवाल के जवाब में संसद को बताया था कि घुसपैठियों की संख्या 2 करोड़ से अधिक है। उनकी गणना मुश्किल है, क्योंकि उनके पास वैध, सरकारी दस्तावेज हैं, बेशक अवैध तरीके से हैं। 2004 में यूपीए सरकार के गृह राज्यमंत्री श्रीप्रकाश जायसवाल ने संसद में खुलासा किया था कि देश में 1.2 करोड़ बांग्लादेशी अवैध प्रवासी हैं। गौरतलब है कि तत्कालीन भारत सरकार ने उन्हें 'घुसपैठिए' करार नहीं दिया था। मौजूदा गृह मंत्रालय का यह भी डाटा है कि देश में 40,000 से अधिक रोहिंग्या मुसलमान भी हैं, जो जम्मू-कश्मीर, हरियाणा, दिल्ली-एनसीआर, उप्र, राजस्थान और तेलंगाना आदि राज्यों में फैले हैं। रोहिंग्या की अधिकतर घुसपैठ म्यांमार और बांग्लादेश से होती रही है। सवाल यह है कि यदि देश में इतने घुसपैठिए हैं और प्रधानमंत्री अलग-अलग चुनावों में, बार-बार, यह मुद्दा उठाते रहे हैं, स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से 'नेशनल डेमोग्राफी मिशन' की घोषणा भी की थी, तो इन घुसपैठियों को देश से बाहर निकालने में सरकार अभी तक नाकाम क्यों रही है? घुसपैठ एक राष्ट्रीय समस्या है अथवा सियासी संग्राम है या देश की सुरक्षा के लिए वे वाकई खतरा हैं, यथार्थ क्या है? प्रधानमंत्री मोदी का बार-बार इस मुद्दे पर चिंता और सरोकार जताना तार्किक नहीं लगता, जबकि मोदी सरकार का घुसपैठियों को उनके देश वापस भेजने का आंकड़ा 'ऊंट के मुंह में जीरा' समान ही रहा है। मोदी सरकार ने 2017 में 1175, 2018 में 1118, 2019 में 1351, 2023 में 1547, 2024 में 1694, 2025 में अभी तक 723 कथित घुसपैठियों को पकड़ा है। मान लेते हैं कि सभी को उनके मूल देश वापस भेज दिया जाएगा, तो सरकारी आंकड़ों का कुल 10,000 भी नहीं हुआ। खुद सरकार ने संसद में स्वीकार किया है कि देश में 2 करोड़ से अधिक घुसपैठिए हैं। सरकार की जवाबदेही क्या है? इन आंकड़ों से तो स्पष्ट है कि देश कभी भी घुसपैठिया-मुक्त नहीं होगा! गृहमंत्री अमित शाह ने यह भी खुलासा किया है कि पश्चिम बंगाल में ही मुस्लिम आबादी वृद्धि 40 फीसदी है, जबकि सीमावर्ती इलाकों में यह बढ़ोतरी 70 फीसदी तक जाती है। क्या मुस्लिम आबादी की इस बढ़ोतरी को ही 'घुसपैठिए' मान लिया जाए? यह न्यायिक नहीं होगा। चूंकि बिहार में चुनाव है, लिहाजा सवाल किया जाना चाहिए कि सीमांचल क्षेत्र के तहत किशनगंज संसदीय सीट पर करीब 68 फीसदी मुस्लिम आबादी क्यों है? इन सवालों के जवाब प्रधानमंत्री और गृहमंत्री ही दे सकते हैं।

> प्रधानमंत्री मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने इस चुनाव में भी घुसपैठियों का मुद्दा शिद्दत से उठाया है। देश के प्रथम गृहमंत्री एवं लौह पुरुष सरदार पटेल की जन्म जयंती 31 अक्तूबर को थी। उसे हम 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के तौर पर मनाते हैं। उसी दिन प्रधानमंत्री मोदी ने घुसपैठ या अवैध प्रवास को 'राष्ट्रीय एकता और सुरक्षा के लिए खतरा' करार दिया। प्रधानमंत्री ने यह भी कहा कि वोट बैंक के लिए सरकारों ने घुसपैठ के प्रति आंखें मूंद रखी हैं और देश की जनसांख्यिकी बदल रही है। उन्होंने प्रत्यक्ष तौर पर मुसलमानों को लक्षित नहीं किया, लेकिन गृहमंत्री ने कहा कि मुस्लिम आबादी 24.6 फीसदी हो गई है। अर्थात देश में मुसलमान 35-36 करोड़ से अधिक हैं। गृहमंत्री ने तल्खी से कहा कि भारत कोई धर्मशाला नहीं है। मुस्लिम आबादी ही घुसपैठिए हैं, यकीन नहीं होता, क्योंकि बीते दिनों नाइजीरिया, युगांडा, रवांडा, नेपाल आदि देशों के भी अवैध प्रवासियों को उनके देश वापस भेजा गया है। बांग्लादेशी घुसपैठियों का आंकड़ा हम 1975-76 से सुनते आ रहे हैं कि करीब 2 करोड़ बांग्लादेशी हमारे देश में हैं। यह आरएसएस और जनसंघ का बुनियादी, वैचारिक, राजनीतिक मुद्दा रहा है। 2016 में केंद्रीय मंत्री किरन रिजिजू ने एक सवाल के जवाब में संसद को बताया था कि घुसपैठियों की संख्या 2 करोड़ से अधिक है। उनकी गणना मुश्किल है, क्योंकि उनके पास वैध, सरकारी दस्तावेज हैं, बेशक अवैध तरीके से हैं। 2004 में यूपीए सरकार के गृह राज्यमंत्री श्रीप्रकाश जायसवाल ने संसद में खुलासा किया था कि देश में 1.2 करोड़ बांग्लादेशी अवैध प्रवासी हैं।

कुछ अलग

अपनी बुराई सुनकर परेशान नहीं होना चाहिए

एक लोक कथा के अनुसार पुराने समय में एक संत अपने शिष्य के साथ एक गांव में रुके। कुछ ही दिनों संत की ख्याति आसपास के क्षेत्र में फैल गई। अब उनके प्रवचन सुनने और दर्शन करने के लिए दूर-दूर से लोग आने लगे। ये देखकर उसी गांव का एक अन्य पंडित परेशान हो गया। उसे लगने लगा कि इस संत की वजह से मेरे भक्त कम हो जाएंगे। मेरा जीवन यापन कैसे होगा? पंडित ने संत का दुष्प्रचार करना शुरू कर दिया। वह लोगों के सामने उस संत की बुराई करता था। एक दिन संत के शिष्य को ये सारी बातें मालूम हुईं तो उसे बहुत गुस्सा आया। वह तुरंत ही अपने गुरु के पास पहुंचा और पूरी बात बताई। संत ने शिष्य की बातें सुनी और कहा कि उसे छोड़ों। अगर मैं उस पंडित से वाद-विवाद करूंगा तो इससे ये सब बातें फैलना बंद नहीं होंगी। इसीलिए उसकी बातें पर ध्यान नहीं देना चाहिए। संत ने देखा कि शिष्य का क्रोध शांत नहीं हुआ है। तब उन्होंने कहा कि जब जंगल का हाथी गांव में आता है तो उसे देखकर सभी कुत्ते भौंकने लगते हैं, लेकिन हाथी पर इसका कोई असर नहीं होता है। हाथी अपनी मस्त चाल चलते रहता है। कुत्ते भौंकते हुए थक जाते हैं और वापस अपने इलाके की ओर भाग जाते हैं। हमें भी अपनी बुराई करने वालों के साथ इसी तरह पेश आना चाहिए। हमें सिर्फ अपना काम ईमानदारी से करना चाहिए और सत्य के मार्ग पर आगे बढ़ते रहना चाहिए। हमारे अच्छे काम ही ऐसे लोगों का मुंह बंद कर सकते हैं।

वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में कमी के कारण जीएसटी बचत उत्सव का परिदृश्य दिखाई दिया

घरेलू खपत के दम पर मजबूत अर्थव्यवस्था

डा. जयंती लाल भंडारी

> भारत मजबूत घरेलू खपत के दम पर 6.6 फीसदी विकास दर प्राप्त करते हुए दुनिया की उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं में सबसे अधिक विकास दर की संभावनाएं रखता है। साथ ही भारत की विकास दर चीन से भी अधिक अनुमानित है। इसी तरह एसबीआई कैपिटल मार्केट्स की नई रिपोर्ट में कहा गया है कि इस समय वैश्विक व्यापार की चुनौतियों और ट्रंप के 50 फीसदी उच्च टैरिफ के चलते भारत की अर्थव्यवस्था भी प्रभावित हो रही है। ऐसे में चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही यानी अक्टूबर से मार्च के बीच तेज घरेलू खपत और सरकार के पूंजीगत व्यय भारत की अर्थव्यवस्था के लिए मजबूत सहारे के रूप में हैं। गौरतलब है कि हाल ही में दिवाली के त्योहारी बाजार में बिक्री रिकॉर्ड ऊंचाई पर रही है। ई-कॉमर्स ने दमदार उछाल दर्ज की है।

हाल ही में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने अपनी नई रिपोर्ट में कहा है कि यद्यपि चालू वित्त वर्ष 2025-26 में वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और व्यापार तनाव के बीच वैश्विक वृद्धि दर धीमी है, लेकिन इसके बावजूद भारत मजबूत घरेलू खपत के दम पर 6.6 फीसदी विकास दर प्राप्त करते हुए दुनिया की उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं में सबसे अधिक विकास दर की संभावनाएं रखता है। साथ ही भारत की विकास दर चीन से भी अधिक अनुमानित है। इसी तरह एसबीआई कैपिटल मार्केट्स की नई रिपोर्ट में कहा गया है कि इस समय वैश्विक व्यापार की चुनौतियों और ट्रंप के 50 फीसदी उच्च टैरिफ के चलते भारत की अर्थव्यवस्था भी प्रभावित हो रही है। ऐसे में चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही यानी अक्टूबर से मार्च के बीच तेज घरेलू खपत और सरकार के पूंजीगत व्यय भारत की अर्थव्यवस्था के लिए मजबूत सहारे के रूप में हैं। गौरतलब है कि हाल ही में दिवाली के त्योहारी बाजार में बिक्री रिकॉर्ड ऊंचाई पर रही है। ई-कॉमर्स ने दमदार उछाल दर्ज की है। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में कमी के कारण जीएसटी बचत उत्सव का परिदृश्य दिखाई दिया है। रुपए को मजबूती मिली है। शेयर बाजार और विदेशी मुद्रा भंडार की उंचाई बड़ी है। महंगाई में कमी और जीएसटी की दरें घटना देश के बाजारों की तेज बढ़त के लिए एक बड़ा आधार है। विगत 13 अक्टूबर को राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक सितंबर 2025 के दौरान खुदरा महंगाई घटकर 1.54 प्रतिशत रह गई। यह इससे पिछले महीने 2.07 प्रतिशत थी। यह खुदरा महंगाई दर सितंबर 2024 में 5.49 प्रतिशत थी। इस बार सितंबर 2025 में खुदरा महंगाई दर आठ साल में सबसे कम है और यह आरबीआई के लक्ष्य के निचले स्तर पर पहुंच गई है। इसके साथ-साथ सितंबर माह में थोक महंगाई दर भी तेजी से घटकर 0.13 प्रतिशत के स्तर पर आ गई। महंगाई दर के घटने के साथ-साथ 22 सितंबर से जीएसटी सुधारों के लागू होने से इस बार दिवाली के त्योहारी बाजार में खरीदी को पंख लगते हुए दिखाई दिए हैं। जीएसटी में सरलता और नए

जीएसटी ढांचे के रोडमैप के तहत जीएसटी के चार टैक्स स्लैब में बदलाव करते हुए इन्हें घटाकर 5 फीसदी और 18 फीसदी स्लैब में बदलाव ने त्योहारी बाजार को नई ऊर्जा दी है। जीएसटी की दरों के साथ-साथ आयकर में कटौती से लोगों को लगभग 2.5 लाख करोड रुपए की बचत प्राप्त हुई है। इससे देशवासी बचत से हुई खुशी के साथ खरीदी का बचत उत्सव मनाते हुए दिखाई दिए हैं। यह भी महत्वपूर्ण है कि अक्टूबर 2025 में भारत का फाइनेंशियल वेलबीइंग इंडेक्स (एफडब्ल्यूबीआई) 110.3 तक पहुंच गया है, जो वैश्विक औसत 103.6 से ज्यादा है। इसके साथ ही उपभोक्ता विश्वास भी पिछले साल से 8 अंक बढ़ा है, जो 2022 के बाद का सबसे ऊंचा स्तर है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के मुताबिक जहां वर्ष 2023 में दिवाली के त्योहारी बाजार में 3.75 लाख करोड़ रुपये और वर्ष 2024 में 4.25 लाख करोड़ रुपये की खरीददारी हुई थी, वहीं इस बार त्योहारी सीजन के तहत खरीददारी पांच लाख करोड़ रुपये के अभूतपूर्व स्तर पर पहुंच गई। इस बार दिवाली पर देश में लोगों की क्रय शक्ति बढने और अमेरिका में डॉलर की वैल्यू घटने से इस साल त्योहारी सीजन में चांदी और सोने के भाव भी रिकॉर्ड स्तर पर रहे हैं। डॉलर की तुलना में रुपया मजबूत हुआ है। शेयर बाजार का ग्राफ बढ़ा है। विदेशी मुद्रा भंडार 700 अरब डॉलर के स्तर पर रहा है। इन सबके परिणामस्वरूप इस समय औद्योगिक उत्पादन बढ़ रहा है और मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर से लेकर सर्विस सेक्टर तक मांग का बढ़ता हुआ नया अध्याय दिखाई दे रहा है। मांग व उत्पादन बढने से रोजगार के अवसरों में भी वृद्धि हो रही है। निःसंदेह भारत की अर्थव्यवस्था के लिए घरेलू खपत के साथ-साथ कुछ और आर्थिक अनुकूलताएं उभरकर दिखाई दे रही हैं। यह कोई छोटी बात नहीं है कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनॉल्ड ट्रंप द्वारा भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाए जाने के बाद भारत ने रूस और चीन के साथ आर्थिक, वैश्विक कूटनीति और नए निर्यात बाजारों में आगे बढने की जो रणनीति अपनाई, वह कारगर दिखाई दे रही है। इस नीति से ट्रंप के टैरिफ के बीच पिछले अगस्त और सितंबर माह में अमेरिका को छोडक़र अन्य देशों में भारत के निर्यात बढ़े हैं। यह भी महत्वपूर्ण है कि ट्रंप ने 14 अक्टूबर को मिस्र में आयोजित वैश्विक नेताओं के शिखर सम्मेलन में कहा कि भारत एक महान देश है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनके एक बहुत अच्छे दोस्त हैं और उन्होंने शानदार काम किया है। साथ ही उन्होंने भारत से अच्छे कारोबार संबंधों का संकेत दिया। इसी परिप्रेक्ष्य में हाल ही में अमेरिका के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने के लिए भारत के अधिकारियों के एक उच्च स्तरीय दल ने अमेरिका में प्रभावी चर्चा की है। यह भी कोई छोटी बात नहीं है कि हाल ही में रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने भारत को ट्रंप के ऊंचे टैरिफ से हो रहे नुकसान की पूर्ति के लिए भारत के साथ रूस के व्यापार असंतुलन को कम करने के लिए अपने कैबिनेट मंत्रियों को निर्देश दिए हैं। इन सबके साथ-साथ विभिन्न देशों के साथ तेजी से आकार लेते हुए दिखाई दे रहे भारत के मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) भारत के निर्यात के मद्देनजर मील का पत्थर बनते हुए दिखाई दे रहे हैं। निश्चित रूप से इस समय भारत मजबूत घरेलू खपत और नई वैश्विक आर्थिक अनुकूलताओं की उम्मीदों के साथ आगे बढ़ रहा है, लेकिन देश को वर्ष 2047 तक दुनिया का विकसित देश बनाने के मद्देनजर कई अहम बातों पर ध्यान देना होगा। जीएसटी के बाद अब देश को विकसित भारत के लक्ष्य के लिए ऊंची आर्थिक विकास दर के मद्देनजर नई पीढ़ी-अगली पीढ़ी के सुधारों के लिए आगे बढने की जरूरत है। इन सुधारों के तहत जीवन में आसानी, कारोबार सुगमता, बुनियादी ढांचा सुधार, प्रशासन को सशक्त बनाने और अर्थव्यवस्था को मजबूती देने संबंधी सुधार शामिल हैं। ऐसे में देश को कृषि, बैंकिंग, श्रम, बीमा, परिवहन और दूरसंचार, बिजली, परमाणु ऊर्जा, अंतरिक्ष और रक्षा, पेट्रोलियम, कोयला और अन्य खनिज आदि सुधारों की डगर पर आगे बढना होगा। उम्मीद करें कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वोकल फॉर लोकल के मंत्र से प्रेरणा लेते हुए पूरे देश में और अधिक करोड़ों लोग स्वदेशी और स्थानीय उत्पादों के उपयोग को जीवन का मूलमंत्र बनाएंगे तथा इससे देश मजबूत घरेलू खपत के साथ आत्मनिर्भरता की डगर पर तेजी से आगे बढ़ते हुए दिखाई देगा। उम्मीद करें कि आर्थिक अनिश्चितताओं के बीच लगातार आगे बढ़ रहे भारत में घरेलू खपत तथा प्रति व्यक्ति आय में और तेजी से वृद्धि होगी और इससे अर्थव्यवथा के साथ आम आदमी की मुस्कुराहट भी बढ़ती हुई दिखाई देगी।

देश दुनिया से

दो राज्य, अलग-अलग रास्ते

वर्ष 1966 में पंजाब और हरियाणा के जन्म को याद करते हुए, मेरे विचार 1947 में हुए पंजाब के पहले विभाजन की ओर चले जाते हैं, जब भयानक सांप्रदायिक हिंसा, आगजनी, लूटपाट, बलात्कार और हत्याओं ने पूरे लाहौर को अपनी चपेट में ले लिया था, उस शहर में हमारा परिवार दशकों से बसा था। बंटवारे के बाद, हमें अपना घर-बार छोड़कर भागना पड़ा और भारत की सरहद में पहुंचने से पहले अनगिनत खतरों का सामना करना पड़ा। हालांकि, मरने वालों की सही संख्या का पता नहीं है, लेकिन अनुमान है कि 20 लाख से ज़्यादा लोग मारे गए और लगभग पांच गुना ज़्यादा बाशिंदे बेघर होकर शरणार्थी बन गए। नए देश को गंभीर समस्याएं निरंतर त्रस्त करती रहीं, सरकारी खजाना खाली था और पूर्वी पंजाब (बाद में पंजाब, भारत कहलाया) में अकाल जैसी स्थिति थी; सीमा पार करके आए लाखों-लाख लोगों के भोजन के लिए पर्याप्त अनाज नहीं था। अगले दो दशकों तक, पंजाब में एक के बाद एक बनी सरकारों ने, एक समर्पित नौकरशाही के मज़बूत समर्थन से, मानव इतिहास में शायद सबसे बड़े जबरन नागरिक पलायन के बाद पैदा हुई अनगिनत चुनौतियों का बखूबी सामना किया। रेडक्लिफ लाइन (जिसने भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा तय की) स्थापित होने से पहले, सिखों ने एक अलग होमलैंड की मांग उठाई। उनकी आकांक्षाएं पूरी नहीं हुईं। आज़ादी के बाद, शिरोमणि अकाली दल ने इस मांग को फिर से उठाने के लिए ज़ोरदार आंदोलन किया। यह देखते हुए कि भारत के अन्य राज्यों में पुनर्गठन भाषा के आधार पर किया गया था, पंजाबी भाषी राज्य की मांग कोई अपवाद नहीं थी। हालांकि, सिख समुदाय की राजनीतिक आकांक्षाओं के साथ जुड़ने के बाद इसने कुछ अलग रंगत ले ली। राज्यों के भाषाई और प्रशासनिक आधार पर पुनर्गठन की जांच के लिए गठित राज्य पुनर्गठन आयोग (1953-55) ने पंजाब के विभाजन को विशुद्ध भाषा के आधार पर करने को खारिज कर दिया। इसने पंजाब को द्विभाषी (पंजाबी और हिंदी) राज्य बनाए रखने का समर्थन किया। सिखों के राजनीतिक प्रभुत्व का विरोध करने की गर्ज से पंजाब हिंदू महासभा ने शिरोमणि अकाली दल की पंजाबी सूबे की मांग का पुरज़ोर विरोध किया और पंजाब को हिंदी-बहुल राज्य बनाए रखने के लिए आंदोलन किया। मुख्यमंत्री प्रताप सिंह कैरों, जोकि एक सक्षम किंतु अपने अधिनायकवादी रवैये के लिए जाने जाते नेता थे, उन्होंने अपने कार्यकाल (1956-64) के दौरान शिरोमणि अकाली दल और हिंदू महासभा के आंदोलनों से प्रभावी ढंग से निबटा। दिल्ली में, प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू किसी भी ऐसे फैसले के खिलाफ थे जिसके परिणामस्वरूप हिंदू-सिख सांप्रदायिक तनाव बढ़ सकता हो। उक्त दोनों पक्षों के आंदोलन 1950 के दशक से लेकर 1960 के दशक तक चलते रहे, जब तक कि केंद्र सरकार भाषा के आधार पर पंजाब का फिर से गठन करने की मांग पर सहमत नहीं हो गई। साल 1966 में, पंजाब में 18 जिले थे, जिनमें से लगभग सात मुख्य रूप से हिंदी भाषी माने जाते थे: अंबाला, संगरूर, करनाल, गुड़गांव, रोहतक, हिसार और महेंद्रगढ़ के कुछ हिस्से। ऊपर बताए गए ग्रुप में, अंबाला (जो कि 1947 तक एक महत्वपूर्ण ब्रिटिश छावनी थी) और करनाल को अपेक्षाकृत ज़्यादा विकसित माना जाता था क्योंकि वे ऐतिहासिक ग्रैंड ट्रंक (जीटी) रोड पर स्थित थे। जबकि बाकी जिले तथाकथित भीतरी इलाकों में थे और 'पिछड़े' माने जाते थे। इन जिलों में नियुक्ति को सज़ा के तौर पर देखा जाता था, खासकर राजनीतिक रूप से जुड़े उन अधिकारियों के लिए जो सिर्फ अमृतसर, जालंधर और लुधियाना जैसे 'मेन लाइन' जिलों में ही काम करने के आदी थे, ये सभी जिले ऐन जीटी रोड पर स्थित थे। आम धारणा यह थी कि हरियाणा नामक पूरा इलाका 'पिछड़ा' है और इसे बाकी पंजाब से अलग करने से सिर्फ इसकी और उपेक्षा एवं गिरावट ही होगी। केंद्र सरकार ने कैरों के खिलाफ भ्रष्टाचार और अधिकार के दुरुपयोग के आरोपों की जांच के लिए जस्टिस एस.आर. दास आयोग बनाया था। इस आयोग की रिपोर्ट सामने आने के बाद, 1964 के मध्य में, उभरते राजनीतिक माहौल ने कैरों को इस्तीफा देने पर मजबूर कर दिया। जून 1964 में कैरों के जाने से राज्य प्रशासन के कामकाज पर असर पड़ा। एक और झटका तब लगा जब पाकिस्तान ने अगस्त 1965 में 'ऑपरेशन जिब्राल्टर' शुरू कर दिया, जिसका मकसद जम्मू और कश्मीर में बड़ी संख्या में प्रशिक्षित आतंकवादियों को भेजना था ताकि वहां अराजकता और अव्यवस्था फैलाई जा सके और घाटी पर कब्जा किया जा सके। जम्मू-कश्मीर में पाकिस्तान की नाकाम कोशिश एक बड़े पैमाने के युद्ध में बदल गई, जिसमें पंजाब युद्ध का मुख्य मैदान बन गया। पश्चिमी कमान की सेना ने बहादुरी से लड़ाई लड़ी और पाकिस्तान को करारी हार दी। युद्ध का मुख्य मैदान होने के नाते, पंजाब इस संघर्ष से प्रभावित हुआ। 1965 की लड़ाई के बाद कुछ विवादों ने एक ऐसा राजनीतिक-सैन्य माहौल बनाया, जिसने मेरी याद्दाश्त में, पंजाब के पुनर्गठन को स्वीकार करने के केंद्र सरकार के फैसले को काफी हद तक प्रभावित किया। शिरोमणि अकाली दल और हिंदू महासभा के लंबे समय तक चले आंदोलनों और, बाद में, 1965 के युद्ध ने पंजाब में बेचैनी और अनिश्चितता का माहौल बना डाला था, जिसने प्रशासनिक व्यवस्था के कामकाज को भी प्रभावित किया था। प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री (जून 1964 - जनवरी 1966) और, बाद में, इंदिरा गांधी (1966-77 और 1980-84) दोनों ही पंजाब जैसे सीमावर्ती राज्य में राजनीतिक स्थिरता को तुरंत बहाल करने की ज़रूरत को लेकर गंभीर रूप से चिंतित थे; उन्होंने भाषाई आधार पर इसके पुनर्गठन की ज़रूरत को स्वीकार किया। केंद्र सरकार का रुख तब साफ हो गया जब उसने मार्च 1966 में नए राज्यों की सीमाओं को तय करने और अन्य ज़रूरी सिफारिशें करने के लिए जस्टिस जे.सी. शाह कमीशन नियुक्त किया। शाह कमीशन की रिपोर्ट (मई 1966) ने सितंबर 1966 में पंजाब पुनर्गठन अधिनियम पारित होने का रास्ता साफ कर दिया। इस अधिनियम के पारित होने के बाद, सभी आईएएस, आईपीएस और अन्य सेवाओं के अधिकारियों से उस कैडर की अपनी प्राथमिकता वाली पसंद बताने के लिए कहा गया जिनमें वे नियुक्त होना चाहते थे: पंजाब, हरियाणा या हिमाचल प्रदेश। यह काम जल्दी पूरा हो गया। यह पक्का करने के लिए कि पुनर्गठन से जुड़े सभी मामले कुशलता, पारदर्शिता और निष्पक्षता से तय हों, जुलाई 1966 की शुरुआत में राज्य में यूनिटरी (एकात्मक) शासन लागू किया गया और पूर्व कैबिनेट सचिव और जाने-माने आईसीएस अधिकारी धर्म वीरा को पंजाब और हरियाणा का गवर्नर नियुक्त किया गया। पंजाब पुनर्गठन अधिनियम के मुख्य प्रावधानों में शामिल थे: पंजाब (11 ज़िले, मुख्य रूप से पंजाबी बोलने वाले) और हरियाणा (सात ज़िले, मुख्य रूप से हिंदी बोलने वाले) नामक राज्यों का गठन; चार पहाड़ी ज़िलों और तीन अन्य ज़िलों के कुछ हिस्सों को मिलाकर हिमाचल प्रदेश (तब एक केंद्र शासित प्रदेश) बनाना; चंडीगढ़ को पंजाब से अलग करके एक केंद्र सरकार शासित प्रदेश रखना, जो पंजाब और हरियाणा की संयुक्त राजधानी के रूप में काम करेगा; सभी संपत्ति, राज्य की जमीन-जायदाद, देनदारियां और कर्ज़ 60:40 के अनुपात में बांटे जाएंगे; सिविल और पुलिस अधिकारियों को स्थानीयता (डोमिसाइल) और भाषा में दक्षता के आधार पर तीनों कैडर में बांटा जाएगा; विधायी सीटों के साथ-साथ संसद में प्रतिनिधित्व भी बांटा जाएगा।

आप का नजरिया

कांगड़ा के अभिभावक

सियासत यूं ही छलक जाती है, किश्तियां तूफानों से जब गुजर जाती हैं। छलकती सियासत के दरियाओं का मिलन इस बार कांगड़ा में हुआ, तो पूरी ब्यास नदी को लेकर पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर की गलबहियों में शांता कुमार की खुशी का महासागर देखा गया। यह जाहिर तौर पर इस दशक की बेहतरीन फोटो या फोटोशूट होगा और प्रसन्नता के बाजुओं में पूरा जिला इसमें अपने अभिभावक को तलाश करेगा। सवाल भंवरे की तरह कांगड़ा के राजनीतिक बागीचों की खबर देते हैं, लेकिन खडंहर हो चुके इस जिला की आबरू में अब दांत कहां बचे। बेशक इस मिलन की बरसात में मौसम की खबर है, वरना तपते रेगिस्तान में कांटों के सिवा अब बचा ही क्या। तो क्या हिमाचल भाजपा अपने कांटे चुनने के लिए कांगड़ा के सियासी रेगिस्तान को छान मारेगी। वैसे 'रन फार यूनिटी' में पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर इतना तो दौड़ ही चुके हैं कि कांगड़ा के टेढ़े रास्ते सीधी मंजिल तक पहुंचने की गवाही दे रहे हैं। कांगड़ा पिछले कई दशकों से अपने लिए सही अभिभावक की तलाश में कभी शिमला, कभी मंडी, तो कभी हमीरपुर को देख रहा है। ऐसे में मंडी के सरोकार क्या कांगड़ा के त्योहार बनेंगे। यहां दो पार्टियों के बीच कांगड़ा के सबूत चुनने की प्रतियोगिता में अगर मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू खुद को जिला का अभिभावक मानते हैं, तो प्रश्नों की फसल उगा कर जयराम ठाकुर ने अपने प्रवास की प्रासंगिकता की जमीन हथिया ली। जयराम ने केंद्रीय विश्वविद्यालय के जदरांगल परिसर निर्माण में सुक्खू सरकार की भूमिका का तराजू खड़ा कर दिया है। यह मसला कांगड़ा के बीच कांगड़ा का है, कांगड़ा बनाम हमीरपुर संसदीय क्षेत्र का है या धूमल सरकार से सुक्खू सरकार तक के सफर का है। बहरहाल जयराम ने सुलगते प्रश्नों के बीच से आंच निकालकर सरकार से ही नहीं पूछा, बल्कि कांगड़ा की सियासी मिलकीयत में अपनी कड़छी घुमा दी है। यह इसलिए भी कि विधानसभा का शीतकालीन सत्र तपोवन लौट रहा है और इसके मायने कांगड़ा अपने कानों से सुनेगा। कांगड़ा में अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रांतीय अधिवेशन में अपना जज्बा दिखा रहे 92 वर्षीय शांता कुमार की विरासत में कांगड़ा के पांव यूं तो अपनी शक्ति से नहीं चले, लेकिन वयोवृद्ध नेता के कदम निरंतर चले। कुल मिला कर शांता के बाद कांगड़ा से ऐसा नेता सामने नहीं आया जो प्रदेश की हैसियत में दर्ज हो। भाजपा ने हमीरपुर और मंडी के बीच अपनी सरकारें चला लीं, तो कांग्रेस भी शिमला से नीचे उतर कर हमीरपुर की पैरवी में अपना रुतबा दिखा रही। ऐसे में यह तो मानना पड़ेगा कि कांगड़ा के पास अपना अभिभावक नहीं, इसलिए हमीरपुर और मंडी के रास्ते अब यहां सियासत के टुकड़े अर्जित हो रहे हैं। बावजूद इसके कि शांता कुमार में यह हुनर है कि वह 92 वर्ष तक हिमाचल के राजनीतिक इतिहास के सक्रिय अध्याय नजर आते हैं, उनके प्रश्रय की विरासत में कांगड़ा के नेता तिनका-तिनका बिखरते रहे। वह खिलखिलाते हैं तो सामने जयराम ठाकुर नजर आते हैं। वह तारीफ करते हैं तो कांग्रेस के मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू भी श्रेय पाते हैं। शांता कुमार की राजनीति में कांगड़ा के सुखद एहसास अगर जयराम ठाकुर को दिल से कबूल कर रहे हैं, तो यह आगामी चुनावों की छांव भी हो सकती है। पहले कार्यकाल में बतौर मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर भले ही सत्ता के स्पर्श में कांगड़ा से अपना नाता बना पाए, लेकिन अब जिला का अभिभावक बनने के लिए उन्हें नई पारी की शुरुआत करनी पड़ेगी। कांगड़ा के सियासी वातावरण में शांता कुमार के बाद कौन, यह प्रश्न भाजपा के चेहरों में विपिन सिंह परमार, विक्रम सिंह या पवन काजल से पूछा जाएगा, तो कांग्रेस के वजूद में ऐसा कौन है जो पूरे जिला की तकदीर से नत्थी होगा। क्या सुखविंदर सिंह सुक्खू अपनी नाव को नादौन-देहरा के पत्तन से चलाते हुए धौलाधार की हवाओं को वश में कर लेगी या कांग्रेस से भाजपा में गए सुधीर शर्मा के हिस्से आई पंडित राजनीति के गुल खिल जाएंगे। जो भी हो, शांता कुमार की राजनीतिक जागीर से कांगड़ा के अभिभावक की पहली मंजूरी तो जयराम ठाकुर को मिल रही है, लेकिन परिदृश्य में अनुराग ठाकुर और जगत प्रकाश नड्डा के पदचाप भी सुने जा रहे हैं।

> जाहिर तौर पर इस दशक की बेहतरीन फोटो या फोटोशूट होगा और प्रसन्नता के बाजुओं में पूरा जिला इसमें अपने अभिभावक को तलाश करेगा। सवाल भंवरे की तरह कांगड़ा के राजनीतिक बागीचों की खबर देते हैं, लेकिन खडंहर हो चुके इस जिला की आबरू में अब दांत कहां बचे। बेशक इस मिलन की बरसात में मौसम की खबर है, वरना तपते रेगिस्तान में कांटों के सिवा अब बचा ही क्या। तो क्या हिमाचल भाजपा अपने कांटे चुनने के लिए कांगड़ा के सियासी रेगिस्तान को छान मारेगी। वैसे 'रन फार यूनिटी' में पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर इतना तो दौड़ ही चुके हैं कि कांगड़ा के टेढ़े रास्ते सीधी मंजिल तक पहुंचने की गवाही दे रहे हैं। कांगड़ा पिछले कई दशकों से अपने लिए सही अभिभावक की तलाश में कभी शिमला, कभी मंडी, तो कभी हमीरपुर को देख रहा है। ऐसे में मंडी के सरोकार क्या कांगड़ा के त्योहार बनेंगे। यहां दो पार्टियों के बीच कांगड़ा के सबूत चुनने की प्रतियोगिता में अगर मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू खुद को जिला का अभिभावक मानते हैं, तो प्रश्नों की फसल उगा कर जयराम ठाकुर ने अपने प्रवास की प्रासंगिकता की जमीन हथिया ली। जयराम ने केंद्रीय विश्वविद्यालय के जदरांगल परिसर निर्माण में सुक्खू सरकार की भ

जर्मनी का फ्लोटिंग लेजर, पल भर में मिसाइल भी हो जाएगी खाक

बर्लिन , 04 नवंबर (एजेंसियां) ।

युद्ध का स्वरूप अब बदल चुका है। बंदूकों और मिसाइलों के युग में लेजर हथियारों की दस्तक हो गई है। जर्मनी ने दुनिया को साबित कर दिया कि भविष्य की जंग बिजली की गति से लड़ी जाएगी। राइनमेटाल एजी और एमबीडीए डयूटेकलैंड ने संयुक्त रूप से एक फ्लोटिंग लेजर वेपन सिस्टम विकसित किया है, जो हवा में उड़ते ड्रोनों और मिसाइलों को पलक झपकते पिघला देता है।

यह हाई-एनर्जी लेजर सिस्टम पूरी तरह मॉड्यूलर और कंटेनर-आधारित है। इसे जहाज के डेक या जमीन पर आसानी से स्थापित किया जा सकता है। खासतौर पर ड्रोन, ड्रोन स्वॉर्म्स और छोटे हमलावर जहाजों को रोकने के लिए डिज़ाइन किया गया है। जर्मन नेवी के फ्रिगेट एफजीएस एफ219 पर समुद्र में 100 से अधिक टेस्ट फायरिंग्स हुईं, जिनमें सिस्टम ने हाई-स्पीड ड्रोनों को सेकंडों में नष्ट कर दिखाया।

यह टारगेट पर फोकस कर गर्मी से उसे पिघलाता है, बिना किसी ध्वनि या विस्फोट के। सबसे बड़ी खूबी इसका कम खर्च है - पारंपरिक मिसाइलों से कई गुना सस्ता, रखरखाव आसान और फायरिंग तत्काल। हर शॉट की लागत नगण्य, बारूद या ईंधन की जरूरत नहीं।

2019 से दोनों कंपनियां इस प्रोजेक्ट पर काम कर रही हैं। एमबीडीए जर्मनी ने टारगेट ट्रैकिंग और नेवी कमांड इंटीग्रेशन संभाला, जबकि राइनमेटाल ने बीम गाइडेंस व लेजर सोर्स टेक्नोलॉजी तैयार की। डिज़ाइन एंड मेड इन जर्मनी टैग अब यूरोप की नई रक्षा रणनीति का प्रतीक है। सिस्टम जर्मन फेडरल डिफेंस टेक्नोलॉजी एंड प्रोक्योरमेंट ऑफिस को सौंप दिया गया है। परीक्षण जारी रहेंगे और 2029 तक जर्मन नेवी में पूरी तरह ऑपरेशनल हो जाएगा। भविष्य में अपग्रेड कर सुपरसोनिक मिसाइलें, रॉकेट और तोप के गोले नष्ट करने की क्षमता जोड़ी जाएगी। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद शांतिवादी छवि वाला जर्मनी अब डिफेंस को आधुनिक बना रहा है। 2024 में रक्षा बजट 88.5 अरब डॉलर पहुंचा, जो इसे दुनिया का चौथा सबसे बड़ा रक्षा खर्च वाला देश बनाता है। राइनमेटाल की बिक्री रिकॉर्ड स्तर पर, मुख्यतः डिफेंस सेक्टर से। वैज्ञानिकों का मानना है कि आने वाले दशक में लेजर हथियार ड्रोन-मिसाइल डिफेंस का सबसे सस्ता, भरोसेमंद समाधान साबित होंगे। यह कम लागत में अधिक तबाही का प्रतीक है, जो युद्धक्षेत्र को हमेशा के लिए बदल देगा।

न्यूज ब्रीफ

सर्दियों में महीनों तक सूरज नहीं निकलता 'डिप्रेशन आइलैंड' में

स्वालबार्ड। नॉर्वे का आर्कटिक द्वीप स्वालबार्ड में एक अजीब नियम लागू है। इस द्वीप पर कोई इंसान न तो जन्म ले सकता है और न ही मर सकता है। यह द्वीप 'डिप्रेशन आइलैंड' के नाम से भी जाना जाता है, क्योंकि यहां सर्दियों में महीनों तक सूरज नहीं निकलता, जिससे लोग अवसाद का शिकार हो जाते हैं। स्वालबार्ड उत्तरी ध्रुव के करीब स्थित है और यह नॉर्वे का हिस्सा है। इसे 1920 की स्वालबार्ड संधि के तहत शासित किया जाता है, जिस पर 40 से अधिक देशों ने हस्ताक्षर किए हैं। इस द्वीप पर कोई स्थायी अस्पताल नहीं है और अंतिम संस्कार की अनुमति भी नहीं दी जाती। यही वजह है कि गर्भवती महिलाओं को 36 सप्ताह पूरे होते ही मुख्य नॉर्वे के ट्रॉम्सो शहर भेज दिया जाता है, वहीं गंभीर रूप से बीमार या मृत्यु के करीब पहुंचे लोगों को भी वहीं ले जाया जाता है। यह नियम न केवल स्वास्थ्य सुरक्षा के लिए बनाया गया है, बल्कि स्वालबार्ड की नाजुक पारिस्थितिकी को बचाने के उद्देश्य से भी लागू किया गया है। स्वालबार्ड का मुख्य शहर लॉन्गइयरब्येन है, जहां लगभग 2,500 लोग रहते हैं इनमें अधिकतर वैज्ञानिक, खनिक और पर्यटक शामिल हैं। यहां परिवार बसाना या स्थायी रूप से रहना संभव नहीं है। स्थानीय डॉक्टरों के अनुसार, 'हमारे पास एक छोटा मेडिकल क्लिनिक है, लेकिन न तो जटिल प्रसव की सुविधा है और न ही अंतिम देखभाल की।

मालदीव में 2007 के बाद पैदा हुए हो, तब छोड़ दो स्मोकिंग.....वरना देना होगा मोटा जुर्माना

माले। मालदीव में 2007 के बाद जन्मी पीढ़ी को देश में सिगरेट या तंबाकू उत्पाद खरीदने, बेचने या पीने की अनुमति नहीं होगी। इस तरह मालदीव दुनिया का पहला देश बन गया है, जिसने पूरे देश में इस तरह का कानून लागू किया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्झू की ओर से इस साल की शुरुआत में प्रस्तावित यह नीति 1 नवंबर से लागू हो गई है। मंत्रालय ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य जनस्वास्थ्य की रक्षा करना और तंबाकू-मुक्त पीढ़ी तैयार करना है। नए नियम के तहत साल 2007 के बाद जन्मे किसी भी व्यक्ति को तंबाकू उत्पाद खरीदने, इस्तेमाल करने या बेचने की अनुमति नहीं होगी। दुकानदारों को किसी भी बिक्री से पहले खरीदार की उम्र की जांच करना जरूरी होगा। यह प्रतिबंध केवल स्थानीय लोगों पर ही नहीं, बल्कि घूमने आने वाले लोगों पर भी लागू होगा। मालदीव के 1,191 आइलैंड्स में फैले सैलानियों के स्वर्ग में अब धूम्रपान पर सख्त रोक होगी। इसके अलावा, मालदीव सरकार ने ई-सिगरेट और वेपिंग डिवाइस के आयात, बिक्री, वितरण, रखने और इस्तेमाल पर भी पूरी तरह से प्रतिबंध लगाया है, चाहे व्यक्ति किसी भी उम्र का क्यों न हो। इस कानून के मुताबिक किसी भी नाबालिग को तंबाकू बेचने पर 50,000 रूफिया (करीब 3,200 डॉलर) का जुर्माना लगेगा, जबकि वेपिंग करते पकड़े जाने पर 5,000 रूफिया (लगभग 320 डॉलर) का जुर्माना लगेगा।

गरीब देश के अमीर राष्ट्रपतिः 586 करोड़ के नेटवर्थ वाले टिनूबू, 100 करोड़ के प्राइवेट जेट में होते हैं सवार

अबुजा। अफ्रीकी देश नाइजीरिया के लोग गरीब हैं, उन्हे दो वक्त का खाना भी नसीब नहीं हो रहा है। उनके तन पर कपड़े भी नहीं है। लेकिन यहां के राष्ट्रपति बोला अहमद टिनूबू की शान में कोई कमी नहीं है। वे 100 करोड़ के प्राइवेट जेट से चलते हैं और 586 करोड़ का नेटवर्थ रखते हैं। वे उद्योगपति भी हैं। सिर्फ यही नहीं टिनूबू जिंदगी की कई लग्जरीज इंजॉय करते हैं। टीनूबू राजनीति के अलावा बिजनेस की दुनिया में भी नाम कमा चुके हैं। ब्रिटेन, अमेरिका समेत दुनिया भर के कई देशों में उनकी कई प्रॉपर्टीज हैं, जिनमें हवेलियों से लेकर शॉपिंग मॉल्स तक शामिल हैं। दुनिया के सबसे अमीर राजनेताओं में गिने जाने वाले टीनूबू की लाइफस्टाइल को लेकर खूब चर्चाएं रहती हैं। उन्हें लग्जरी कारों का बहुत शौक हैं और उनके कलेक्शन में 30 महंगी कारें शामिल हैं। वो अबुजा में एक आलीशान मेंशन में रहते हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इस हवेली की कीमत 3 करोड़ रुपए से भी ज्यादा है। टीनूबू की कमाई का मुख्य सोर्स उनके बिजनेस हैं और इसके अलावा उन्हें बतौर राष्ट्रपति भी सैलरी मिलती है, जो कि सालाना 25 लाख रुपए बताई जाती है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो टिनूबू दुनिया भर में फैले अपने बिजनेस के जरिए साल में 300 करोड़ रुपए से भी ज्यादा की कमाई कर लेते हैं।

हमास ने तीन बंधकों के शव इजराइल को सौंपे

गाजा पट्टी, 03 नवंबर (एजेंसियां) ।

आतंकवादी समूह हमास ने रविवार शाम तीन और बंधकों के शव रेडक्रॉस के माध्यम से इजराइल को सौंप दिए। इजराइल के अधिकारी तीनों की पहचान की पुष्टि के लिए प्रयासरत हैं। इनमें से एक शव की पहचान सैनिक ओमर न्यूत्रा के तौर पर हुई है। इस बीच इजराइल ने कहा कि गाजा में हमास के अब ठिकाने बचे हैं।

इस घटनाचक्र से जुड़ी रिपोर्ट के अनुसार, एक शव के बारे में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि यह अमेरिकी-इजराइली सैनिक ओमर न्यूत्रा का है। उन्होंने कहा कि न्यूयॉर्क निवासी इस व्यक्ति के माता-पिता ने इस बात की पुष्टि की। इजराइली अधिकारियों के अनुसार अगर तीनों की पुष्टि बंधक के रूप में हो जाती है तो उन्हें अभी भी आठ बंधकों के शव और मिलने चाहिए।

हमास के बयान के अनुसार, तीन बंधकों के शव रविवार को एक सुरंग से निकाले गए। बयान में, समूह ने एक तस्वीर प्रकाशित की, जिसमें एक शव को बैग में बंद दिखाया गया। इस पर एक मृत बंधक का नाम लिखा था। समूह ने तीन ताबूतों को दक्षिणी गाजा में रेडक्रॉस के प्रतिनिधियों को सौंपा। रेडक्रॉस ने तीनों के ताबूतों को आईडीएफ तक पहुंचाया। इजराइल पहुंचने के बाद शवों को पहचान के लिए तेल अवीव के अबू कबीर फॉरेंसिक संस्थान ले जाया गया।

हमास ने इससे पहले गुरुवार को दो मारे गए बंधकों 84 वर्षीय अमीरम कूपर और 25 वर्षीय सहर बारूक के अवशेष सौंपे थे। इजराइल में दोनों की पहचान के बाद रविवार को उन्हें दफना दिया गया। इजराइल ने आतंकवादी समूह पर 10 अक्टूबर से लागू युद्धविराम के तहत हुई सहमति के अनुसार सभी बंदियों को वापस करने की शर्त पर टालमटोल करने का आरोप लगाया है।

इस समझौते के तहत हमास को 72 घंटों के भीतर सभी 20 जीवित बंधकों को वापस करना था और इसी समय सीमा के भीतर सभी 28 मृत बंधकों का पता लगाना था। इजराइल का आकलन है कि हमास को केवल कुछ ही शवों का स्थान पता था। समूह ने सभी 20 जीवित बंधकों को तो सौंप दिया, लेकिन समय सीमा समाप्त होने तक गाजा में रखे 28 में से केवल चार शव ही लौटाए। उसके बाद से समूह ने धीरे-धीरे 13 और शव लौटाए ।

प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कुछ घंटे पहले कैबिनेट की साप्ताहिक बैठक में कहा कि गाजा में इजराइली नियंत्रण वाले क्षेत्र में हमास के दो ठिकाने बचे हैं। इनमें एक राफाह में और दूसरा खान यूनिस में है। उन्होंने वादा किया, 'उन्हें नष्ट कर दिया जाएगा।' नेतन्याहू ने कहा, ' गाजा में अगर सैनिकों को नुकसान पहुंचाने की कोई कोशिश होती है, हमला जरूर किया जाएगा।

अफगानिस्तान में 6.3 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप, 10 की मौत, 260 घायल

काबुल, 03 नवंबर (एजेंसियां) ।

अफगानिस्तान के उत्तरी शहर मजार-ए-शरीफ के पास सोमवार तड़के आए एक शक्तिशाली भूकंप में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई और करीब 260 लोग घायल हो गए। रिक्टर पैमाने पर भूंकप की तीव्रता 6.3 मांपी गई।

अधिकारियों के मुताबिक भूकंप में मृतकों की संख्या बढ़ सकती है। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (यूएसजीएस) के अनुसार, यह भूकंप मजार-ए-शरीफ के पास 28 किलोमीटर (17.4 मील) की गहराई पर आया जिसकी आबादी लगभग 5.23 लाख है।

इस बीच समंगान प्रांत के स्वास्थ्य विभाग के प्रवक्ता समीम जॉयंदा ने बताया, ' भूकंप के कारण सुबह तक 150 लोगों के घायल होने और सात लोगो की मौत होने की खबरें मिली हैं। घायलों को स्वास्थ्य केंद्रों में भेजा गया है।'

अफगान तालिबान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि भूकंप में बल्ख और समंगान प्रांत सबसे ज्यादा प्रभावित हुए, जहां कई नागरिकों की मौत हुई। मंत्रालय के यहां जारी एक बयान के अनुसार सैन्य बचाव दल और आपातकालीन सहायता टीमें क्षेत्र में पहुंच गई हैं और लोगों को बचाने, घायलों को स्वास्थ्य केंद्रों में भर्ती कराने और प्रभावित परिवारों की मदद के लिए अभियान शुरू कर दिया गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता शरफत जमान ने यहां एक बयान में कहा कि बचाव टीमें सक्रिय हैं । हालांकि मृतकों और घायलों की संख्या बढ़ सकती है। जमान ने कहा, 'स्वास्थ्य टीमें क्षेत्र में पहुंच चुकी हैं, और सभी नजदीकी अस्पतालों को सतर्क कर दिया गया है।'

इस बीच यूएसजीएस ने अपनी 'पेजर' प्रणाली में नारंगी अलर्ट जारी किया है, जो भूकंपों के 'प्रभाव' की जानकारी देता है। इससे संकेत मिलता है कि भूकंप के कारण 'काफी हानि होने और आपदा के बढ़ने की आशंका' है। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर मलबे के नीचे फंसे लोगों को बचाने के प्रयासों के वीडियो और इमारतों के मलबों की तस्वीरें साझा की गईं हैं।

चीन का अनोखा बाजार, जहां समान नहीं रिश्ते तलाशे जाते हैं

बीजिंग । चाइना के शंघाई शहर में एक अनोखा बाजार लगता है जहां आने वाले लोग सामान खरीदने नहीं बल्कि शादी के लिए रिश्ते तलाशने आते हैं। शंघाई स्थित पीपुल्स पार्क में हर शनिवार और रविवार दोपहर का नजारा किसी अनोखे बाजार जैसा होता है। इस 'मैरिज मार्केट' में सैकड़ों माता-पिता अपने अविवाहित बच्चों के लिए जीवनसाथी की खोज में जुटे रहते हैं। अगर कोई युवक या युवती 30 की उम्र पार कर चुका है और अभी तक अविवाहित है, तो माता-पिता का पहला कदम इसी पार्क की ओर होता है। वे अपने बच्चों की तस्वीरें, उम्र, लंबाई, नौकरी, सैलरी, शौक और अपेक्षाओं जैसी जानकारियां ए4 शीट पर लिखकर छातों या बोर्डों पर टांग देते हैं। यह नज़ारा किसी जॉब फेयर या प्रॉपर्टी एक्सपो जैसा होता है, फर्क सिर्फ इतना है कि यहां सौदा होता है जीवनसाथी का। यह परंपरा 1996 में शुरू हुई थी और इसे चीन की 'वन चाइल्ड पॉलिसी' का सामाजिक परिणाम माना जाता है। दशकों बाद यह नीति एक असंतुलन छोड़ गई आज चीन में करीब 4 करोड़ पुरुषों की संख्या महिलाओं से अधिक है। वहीं, 'शेंग नू' यानी 'बची हुई लड़कियों' को समाज में ताने सुनने पड़ते हैं। 2025 में, जब चीन की आबादी लगातार घट रही है और 2024 में 13.9 लाख की कमी दर्ज हुई, तब यह बाजार और भी सक्रिय हो गया। शंघाई के ह्वांगपू जिले में स्थित यह पार्क वीकेंड पर एक खुला वैवाहिक मेला बन जाता है।

ट्रंप हुए नरम! टैरिफ विवादों के बाद एशियाई दोस्तों संग नई दोस्ती की झलक

वाशिंगटन, 03 नवंबर (एजेंसियां) ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में एशिया के तीन देशों (दक्षिण कोरिया, जापान, और चीन) की यात्रा के दौरान अपने सहयोगी देशों के प्रति एक दोस्ताना और भरोसेमंद रुख अपनाया। यह दौरा महीनों तक टैरिफ बढ़ाने की धमकियों और रक्षा खर्च पर दबाव के विपरीत था, जिससे एशियाई देशों को अमेरिका के साथ खड़े होने का आश्वासन मिला। दक्षिण कोरिया में ट्रंप ने अमेरिका के गहराई से जुड़ाव का भरोसा दिया। 350 अरब डालर के निवेश पर चिंताओं पर चर्चा की गई और 20 अरब डालर की वार्षिक निवेश सीमा पर सहमति बनी, जिससे विदेशी मुद्रा बाजार पर असर न पड़े। परमाणु-संचालित पनडुब्बियों की मांग को मंजूरी दी गई। दोनों देशों ने एक नए व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए। वहीं जापान में नई प्रधानमंत्री साने ताकाइची से मुलाकात में ट्रंप ने उन्हें किसी भी मदद के लिए संपर्क करने को कहा। दोनों नेताओं ने अमेरिकी एयरक्राफ्ट कैरियर का दौरा किया। इस दौरान चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ शिखर बैठक में ताइवान को लेकर अमेरिकी प्रतिबद्धता में कोई कमी नहीं आने दी। दोनों देशों ने व्यापारिक तनाव के बीच एक साल के लिए टैरिफ विवाद में संघर्ष विराम पर सहमति जताई। ट्रंप अप्रैल में शी जिनपिंग के निमंत्रण पर चीन की यात्रा पर जाएंगे। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने चीन की नौसैनिक गतिविधियों पर चिंता जताकर भारत के साथ 10 साल की रक्षा साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर किए। अमेरिका ने कम्बोडिया, मलेशिया, थाईलैंड और वियतनाम के साथ नए व्यापारिक समझौते किए। ट्रंप ने अपने दौरे के दौरान सख्त छवि छोड़कर विनम्रता और सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लिया। मलेशिया में पारंपरिक नृत्य में हिस्सा लिया और झंडे लहराए। मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने ट्रंप से बातचीत के बाद कहा, 'यह उम्मीद से कहीं बेहतर रहा - भरोसा, मित्रता और रिश्तों को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता।' ट्रंप ने दक्षिण कोरिया में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी से भी सौहार्दपूर्ण बातचीत की।

विशेषज्ञों का कहना है कि यह दौरा पूर्ण क्षेत्रीय जुड़ाव की श्रेणी में नहीं आता क्योंकि चीन की तुलना में ट्रंप की भागीदारी सीमित रही। ट्रंप ने दो अहम क्षेत्रीय शिखर सम्मेलनों के कुछ सत्रों में हिस्सा नहीं लिया और मलेशिया व दक्षिण कोरिया से एपीईसी नेताओं के सत्रों से पहले ही रवाना हो गए, जबकि शी जिनपिंग उन सत्रों में मौजूद रहे।

नेपाली राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल चार दिवसीय कतर भ्रमण पर रवाना

काठमांडू, 03 नवंबर (एजेंसियां) ।

नेपाल के राष्ट्रपति रामचन्द्र पौडेल क़तर की चार दिन की यात्रा पर यहां से दोहा के लिए रवाना हो गये। कतर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी के निमंत्रण पर गये श्री पौडेल के साथ एक 12 सदस्यीय नेपाली प्रतिनिधिमंडल भी गया है।

राष्ट्रपति पौडेल 3 से 6 नवम्बर तक दोहा में आयोजित होने वाले 'द्वितीय विश्व सामाजिक विकास शिखर सम्मेलन' में भाग लेंगे। वे सम्मेलन के उद्घाटन दिवस पर मुख्य सत्र को संबोधित करेंगे। सम्मेलन के दौरान राष्ट्रपति पौडेल क़तर के अमीर शेख तमीम बिन हमद अल थानी और संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरस सहित कई प्रमुख हस्तियों से मुलाकात करेंगे। त्रिभुवन अंतर्राष्ट्रीय विमानस्थल पर राष्ट्रपति पौडेल को उपराष्ट्रपति राम सहाय प्रसाद यादव, प्रधानमंत्री सुशीला कार्की और गृहमंत्री ओम प्रकाश आर्यल ने विदाई दी। विदाई समारोह में वरिष्ठ सरकारी अधिकारी, सुरक्षा निकायों के प्रमुख तथा राजनयिक समुदाय के सदस्य भी उपस्थित थे। इस अवसर पर नेपाल सेना ने राष्ट्रपति को गार्ड ऑफ ऑनर पेश किया। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, यह शिखर सम्मेलन 30 वर्ष बाद आयोजित किया जा रहा है। इसका पहला संस्करण 1995 में डेनमार्क की राजधानी कोपेनहेगन में हुआ था। इस वर्ष का आयोजन क़तर की मेज़बानी में हो रहा है।

सम्मेलन में वैश्विक विकास असमानता, जनसंख्या असंतुलन, प्रौद्योगिकी के सामाजिक प्रभाव जैसे प्रमुख मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। साथ ही, इस शिखर सम्मेलन में सामाजिक विकास को आगे बढ़ाने के लिए सहयोग और साझीदारी की साझा प्रतिबद्धता की घोषणा भी किये जाने की संभावना है।

दुनिया का सबसे बड़ा म्यूजियम खुला

काहिरा। मिस्र में गीजा के पिरामिडों के पास दुनिया का सबसे बड़ा म्यूजियम ग्रैंड इजिप्शियन आम जनता के लिए खोल दिया है। मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फत्ताह अल-सीसी के साथ दुनिया के कई देशों के नेता उद्घाटन कार्यक्रम में शामिल हुए। इसे बनाने में करीब 1 अरब डॉलर से ज्यादा की लागत आई है। ग्रैंड इजिप्शियन म्यूजियम की सबसे बड़ी खासियत बॉय किंग तूतनखामेन की कब्र है। 1922 में ब्रिटिश पुरातत्वविद हावर्ड कार्टर ने यह कब्र खोजी थी। इसमें 5500 से अधिक वस्तुएं मिली थीं। अब पहली बार यह सब एक ही स्थान पर आम दर्शकों के लिए रखी जा रही हैं। तूतनखामेन सिर्फ 9 साल की उम्र में मिस्र की सत्ता पर काबिज हो गया था और 18-19 वर्ष की आयु में उसकी मृत्यु हो गई थी। उसका शासनकाल 1332-1323 ईसा पूर्व था। यह कब्र लगभग 3,000 वर्षों तक छिपी रही क्योंकि इसे चट्टानों और मलबे से ढक दिया गया था।

चेन्नई एथलेटिक्स में बांदा का 76 वर्षीय धावक मोतीलाल स्पाइक्स पहनकर लगाएंगे दौड़

बांदा, 03 नवंबर (एजेंसियां)।

कहते हैं, 'उम्र सिर्फ़ एक संख्या है, हौसला हो तो पहाड़ भी रास्ता देता है।' इसी जज़्बे को हक़ीक़त में बदलते नज़र आ रहे हैं बांदा के 76 वर्षीय धावक मोतीलाल चौरसिया, जो चेन्नई में आयोजित अंतरराष्ट्रीय मास्टर्स एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करने रवाना हो गए हैं।

शहर में उनकी विदाई किसी उत्सव से कम नहीं थी। फूलों की मालाएं, ढोल-नगाड़े, तालियों की गूंज और हर किसी की आंखों में गर्व की चमक। जैसे ही मोतीलाल चौरसिया ने 'भारत माता की जय' का नारा लगाया, माहौल जोश से भर गया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि 'यह मेरे जीवन का सुनहरा अवसर है। मैं मैदान में उतरूंगा तो हर कदम भारत के सम्मान के लिए होगा।'

छात्र जीवन में तीन बार जिला और विश्वविद्यालय स्तरीय अजेय चैम्पियन रह चुके मोतीलाल चौरसिया ने राज्य स्तरीय नौ और राष्ट्रीय स्तर पर छह बार अपनी रफ्तार से सबको चकित कर चुके हैं। करीब तीस साल पहले उन्होंने दौड़ से संन्यास लिया था, लेकिन रफ्तार उनकी रगों से कभी नहीं उतरी। अपने 70वें जन्मदिन पर उन्होंने पुलिस लाइन मैदान में लगातार 70 मिनट तक दौड़कर एक अनोखा रिकॉर्ड बनाया था। उस दिन तत्कालीन पुलिस अधीक्षक शालिनी और डीआईजी ने उन्हें सम्मानित किया था।

चेन्नई में 4 से 6 नवंबर तक होने वाली इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में वे 5 किलोमीटर दौड़ श्रेणी में उतरेंगे। 76 वर्ष की आयु वर्ग में भारत के इकलौते प्रतिनिधि के रूप में चयनित होना उनके जुनून और अनुशासन की कहानी बयां करता है। इस प्रतियोगिता में 165 देशों के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे जहां अनुभव, हौसला और गति का रोमांचकारी संगम देखने को मिलेगा।

खेल मंत्रालय के पूर्ण खर्च पर प्रयागराज होते हुए चेन्नई रवाना हुए मोतीलाल चौरसिया का कहना है कि 'अब मेरा सपना है कि बांदा का नाम अंतरराष्ट्रीय मंच पर रोशन हो। युवाओं से कहना चाहता हूं कि सपनों की उम्र नहीं होती, बस हौसले की ज़रूरत होती है। 'स्थानीय खिलाड़ियों, खेलप्रेमियों और गणमान्य नागरिकों ने उन्हें फूलों से लादकर शुभकामनाएं दीं। किसी ने कहा कि 'यह दौड़ मोतीलाल जी नहीं, बांदा की आत्मा दौड़ रही है।' तो कोई बोला कि 'ये बुजुर्ग नहीं, बुंदेलखंड की दौड़ती प्रेरणा हैं।' चेन्नई के ट्रैक पर जब यह 76 वर्षीय धावक स्पाइक्स पहनकर दौड़ेंगे, तो यह सिर्फ़ एक खेल नहीं होगा यह साबित करेगा कि जुनून कभी बूढ़ा नहीं होता।

न्यूज ब्रीफ

मंत्री प्रवेश साहिब सिंह 'आईडीसीए 9वीं टी-20 नेशनल डेफ क्रिकेट चैंपियनशिप फॉर द डेफ' के उद्घाटन समारोह में शामिल हुए

नई दिल्ली। दिल्ली के लोक निर्माण विभाग के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह छावला में आयोजित आईडीसीए 9वीं टी-20 नेशनल क्रिकेट चैंपियनशिप फॉर द डेफ के उद्घाटन समारोह में शामिल हुई। उन्होंने यहां सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाएं की। यह टूर्नामेंट 3 से 9 नवंबर तक दिल्ली में आयोजित हो रहा है। इसका आयोजन इंडियन डेफ क्रिकेट एसोसिएशन के अधीन डेफ क्रिकेट सोसाइटी दिल्ली की ओर से किया जा रहा है। मंत्री प्रवेश साहिब सिंह सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि इस टूर्नामेंट में देशभर से कुल 20 टीमें भाग ले रही हैं, जिनमें से 15 खिलाड़ी चयनित होकर राष्ट्रीय टीम का हिस्सा बनेंगे और दुबई में आयोजित वर्ल्ड कप (डेफ टूर्नामेंट) में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र को साकार करते हुए हमारे ये खिलाड़ी देश का गौरव बढ़ाकर साबित कर रहे हैं कि कोई भी चुनौती उन्हें रोक नहीं सकती।

एआईएफएफ का ऐलान- इंडियन विमेंस फुटबॉल लीग 2025-26 दो चरणों में होगी

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने सोमवार को घोषणा की कि इंडियन विमेंस लीग (आईडब्ल्यूएल) 2025-26 को दो चरणों में आयोजित किया जाएगा। यह निर्णय भाग लेने वाले क्लबों के अनुरोध के बाद लिया गया है। एआईएफएफ ने अपने बयान में बताया कि 30 अक्टूबर को आठों क्लबों के साथ हुई बैठक के बाद यह फैसला लिया गया। लीग का पहला चरण 20 दिसंबर 2025 से 6 जनवरी 2026 तक खेला जाएगा, जबकि दूसरा चरण 20 अप्रैल से 10 मई 2026 तक आयोजित होगा। महासंघ ने बताया कि कार्यक्रम में बदलाव इसलिए किया गया है क्योंकि 'काफी संख्या में खिलाड़ी अपने-अपने क्लबों के अंतरराष्ट्रीय मैचों और राष्ट्रीय टीम की प्रतिबद्धताओं में व्यस्त रहेंगे।' गौरतलब है कि ईस्ट बंगाल मौजूदा आईडब्ल्यूएल चैंपियन है।

देश के 550 से ज्यादा जिलों में 07 नवंबर को होंगे 1400 से ज्यादा हॉकी टूर्नामेंट : मांडविया

नई दिल्ली। केंद्रीय खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि सात नवंबर को भारतीय हॉकी के 100 साल पूरे हो रहे हैं। इन 100 वर्षों में हॉकी ने देश को गौरव और सम्मान दिलाया है। उन्होंने बताया कि सात नवंबर को देशभर के 550 से ज्यादा जिलों में 1400 से अधिक हॉकी टूर्नामेंट आयोजित किए जाएंगे, ताकि देश में हॉकी के प्रति व्यापक जागरूकता फैले। सोमवार को यहां मेजर ध्यान चद नेशनल स्टेडियम में मीडिया से बात करते हुए केंद्रीय खेल मंत्री मांडविया ने कहा कि सात नवंबर का दिन हमारे देश के हॉकी के खिलाड़ियों, जिन्होंने देश को सम्मान दिलवाया है, उन्हें याद करने का दिन है। सात नवंबर देश के भविष्य के लिए हॉकी को आगे बढ़ाने का संकल्प करने का अवसर होगा और 100 साल हॉकी को मनाकर देश के नए एथलीट को एक नया संदेश देंगे। भारतीय महिला क्रिकेट टीम के पहली बार वनडे विश्व कप विजेता बनने पर उन्होंने कहा कि मैं भारतीय महिला क्रिकेट टीम को अभिनंदन देता हूं। यह हमारे देश की नारी शक्ति का सम्मान है, नारी शक्ति की विजय है जिन्होंने महिला क्रिकेट में हमको विश्व विजेता बनाया है। मेरी ओर से हार्दिक शुभकामनाएं। भारतीय हॉकी का समृद्ध इतिहासभारतीय हॉकी ने 7 नवंबर, 1925 को अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) से संबद्धता प्राप्त की थी। इसी तारीख ने भारतीय खेल इतिहास में राष्ट्रीय गर्व की कहानी लिखी। पिछले 99 वर्षों में भारतीय हॉकी का सफर वैश्विक खेलों में बेजोड़ विरासत की गाथा है, जिसमें आठ ओलंपिक स्वर्ण पदक, एक रजत और चार कांस्य पदक और एक हॉकी विश्व कप ट्रॉफी, एक रजत और एक कांस्य पदक भी शामिल है।

महिला टीम ने वर्ल्ड कप जीत के साथ तोड़े कई बड़े रिकॉर्ड

मुंबई,03 नवंबर (एजेंसियां)।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने रविवार को डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेले गए फाइनल मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 52 रनों से हराकर इतिहास रच दिया। भारत ने पहली बार महिला वनडे विश्व कप जीतकर न सिर्फ खिताब अपने नाम किया बल्कि कई विश्व रिकॉर्ड भी अपने नाम किए। इस जीत के साथ भारत अब ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड के बाद 50 ओवर के वर्ल्ड कप का खिताब जीतने वाला चौथा देश बन गया है।

आइए जानते हैं इस ऐतिहासिक सफर में भारत द्वारा बनाए गए शानदार रिकॉर्ड्स---

स्मृति मंधाना की बल्लेबाजी का जलवा – 434 रन – स्मृति मंधाना ने मिताली राज का रिकॉर्ड तोड़ते हुए एक वर्ल्ड कप में सबसे ज़्यादा रन बनाने वाली भारतीय खिलाड़ी बन गईं। मिताली ने 2017 में 409 रन बनाए थे।

339 रन का लक्ष्य – सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत ने हासिल किया महिला वनडे इतिहास का सबसे बड़ा सफल रनचेज़। यह किसी भी पुरुष या महिला वर्ल्ड कप नॉकआउट में पहली बार 300+ रन का पीछा था।

167 रनों की साझेदारी – जेमिमा रोड्रिग्स और हरमनप्रीत कौर ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व कप इतिहास की सबसे बड़ी साझेदारी निभाई।

212 रनों की ओपनिंग पार्टनरशिप – स्मृति मंधाना और प्रतिका रावल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ भारत की सबसे बड़ी विश्व कप साझेदारी का नया रिकॉर्ड बनाया।

155 रन बनाम ऑस्ट्रेलिया – स्मृति और प्रतिका की जोड़ी ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे में सबसे बड़ी ओपनिंग साझेदारी की।

स्मृति मंधाना का सुनहरा विश्व कप –वनडे क्रिकेट में 5000 रन पूरे करने वाली दूसरी भारतीय बनीं — और वह भी सबसे तेज़ (112 पारियों) और सबसे कम उम्र (29 वर्ष) में।

बनीं दुनिया की पहली खिलाड़ी, जिन्होंने एक कैलेंडर वर्ष में 1000 रन बनाए।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 1000 रन पूरे करने वाली दूसरी भारतीय — और सबसे तेज़ (21 पारियों) में।

ऋचा घोष का निचले क्रम से धमाका – दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 94 रन की पारी — महिला वनडे में नंबर 8 या नीचे बल्लेबाजी करने वाली खिलाड़ी का सबसे बड़ा स्कोर।

यह पारी किसी भारतीय विकेटकीपर द्वारा वर्ल्ड कप में सबसे बड़ी पारी भी रही।

स्नेह राणा के साथ उनकी 88 रन की साझेदारी — भारत की 8वें विकेट के लिए सबसे बड़ी साझेदारी और विश्व की तीसरी सबसे बड़ी 8वें विकेट साझेदारी बन गई।

दीप्ति शर्मा: ऑलराउंडर की मिसाल – 22 विकेट लेकर बनीं किसी एक वर्ल्ड कप में सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाली भारतीय गेंदबाज।

बनीं पहली खिलाड़ी (पुरुष या महिला) जिन्होंने एक वर्ल्ड कप में 200+ रन और 20+ विकेट दोनों हासिल किए।

सेमीफाइनल में 58 रन और 5/39 के शानदार प्रदर्शन के साथ दीप्ति बनीं पहली क्रिकेटर, जिन्होंने वर्ल्ड कप नॉकआउट मैच में फिफ्टी और पांच विकेट दोनों लिए।

टीम इंडिया की ऐतिहासिक उपलब्धियाँ – भारत ने ऑस्ट्रेलिया की 15 मैचों की वर्ल्ड कप अजेय श्रृंखला को तोड़ा — 2017 से उनका यह पहला वर्ल्ड कप हार था। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भारत ने छठे विकेट के बाद 149 रन बनाए — जो विश्व कप इतिहास में सबसे अधिक हैं।

भारतीय महिला क्रिकेट का स्वर्ण युग शुरू – स्मृति की निरंतरता, दीप्ति की हरफनमौला चमक और ऋचा की साहसी बल्लेबाजी ने इस वर्ल्ड कप को भारत के लिए सपनों से भरी हकीकत बना दिया। यह जीत सिर्फ एक ट्रॉफी नहीं, बल्कि नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा और भारतीय महिला क्रिकेट के नए युग की शुरुआत है।

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज से रिलीज़ हुए कुलदीप यादव

नई दिल्ली,03 नवंबर (एजेंसियां)।

भारतीय क्रिकेट टीम के स्पिनर कुलदीप यादव को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चल रही 5 मैचों की टी20 सीरीज से तीसरे मैच के बाद रिलीज़ कर दिया गया है। इस मैच में भी कुलदीप को खेलने का मौका नहीं मिला।

टीम मैनेजमेंट ने यह फैसला इसलिए लिया है ताकि कुलदीप इंडिया ए टीम से जुड़कर दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ होने वाले दूसरे चार दिवसीय मैच में हिस्सा ले सकें। यह मुकाबला 6 नवंबर से बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में खेला जाएगा। बीसीसीआई ने इस बात की जानकारी अपने आधिकारिक 'एक्स' अकाउंट पर साझा की। कुलदीप को लाल गेंद से अभ्यास दिलाने का मुख्य उद्देश्य उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए तैयार करना है।

अपडेटेड भारत टी20 टीम (चौथे और पांचवें टी 20 के लिए):

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल (उपकप्तान), तिलक वर्मा, नितीश कुमार रेड्डी, शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), रिंकू सिंह, वाशिंगटन सुंदर।

अपडेटेड इंडिया ए टीम (दूसरा चार दिवसीय मैच):

ऋषभ पंत (कप्तान और विकेटकीपर), केएल राहुल, ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), साई सुदर्शन (उपकप्तान), देवदत्त पडिक्कल, रुतुराज गायकवाड़, हर्ष दुबे, तनुष कोटियन, मानव सुथार, खलील अहमद, गुरनूर बरार, अभिमन्यु ईश्वरन, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज, आकाश दीप, कुलदीप यादव।

फ्यूजेनएड स्पोर्ट्स एकेडमी ने जीते छह स्वर्ण सहित 16 पदक

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में फ्यूजेनएड स्पोर्ट्स एकेडमी करेली ने जिला स्तरीय इंटर स्कूल ताइक्वांडो चैम्पियनशिप में शानदार प्रदर्शन करते हुए छह, स्वर्ण, सात रजत एवं तीन कांस्य सहित 16 पदक जीते। फ्यूजेनएड स्पोर्ट्स एकेडमी के चेयरमैन मोहम्मद तल्हा हन्फी के अनुसार वशिष्ठ वात्सल्य पब्लिक स्कूल में 1 से 2 नवम्बर तक आयोजित हुई चैम्पियनशिप में फ्यूजेनएड स्पोर्ट्स एकेडमी के 13 बालक एवं पांच बालिकाओं ने भाग लिया। इसमें बालक वर्ग में इब्राहिम, मोहम्मद जफर, कबीर हुसैन, नजर ने स्वर्ण पदक, मोहम्मद शाह आलम, सुफियान सिद्दीकी, रमजी, आबिद, अब्दुल्ला, मोहम्मद शाबान ने रजत पदक और खालिद ने कांस्य पदक जीता। बालिका वर्ग में फ़िलजा फातिमा व रुमैसा शाहिद स्वर्ण पदक, आकिफा फातिमा ने रजत और हफ्सा बतूल व उमैमा फातिमा ने कांस्य पदक जीता। फ्यूजेनएड स्पोर्ट्स एकेडमी को बेस्ट फेयर प्ले का अवार्ड भी दिया गया। चैम्पियनशिप में प्रदर्शन के आधार पर दस बालक एवं तीन बालिकाओं का चयन केडी सिंह बाबू स्टेडियम लखनऊ में 5 से 8 नवम्बर तक आयोजित होने वाली प्रदेशीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता के लिए किया गया है। इस सफलता पर एकेडमी ने अपनी सीईओ इकरा नवाब' और कोच अभिलाष कुमार का आभार जताया है।

दीप्ति शर्मा ने विश्वकप के फाइनल मैच में 58 रन की पारी खेलकर और 5 विकेट लेकर पीतलनगरी की चमक बढ़ाई

7 पारियों में उन्होंने तीन अर्धशतक के साथ कुल 215 रन बनाए, 22 विकेट हासिल किए

मुरादाबाद,03 नवंबर (एजेंसियां)।

डॉ भीमराव पुलिस अकादमी मुरादाबाद में डिप्टी एसपी का प्रशिक्षण ले रही हैं आगरा निवासी दीप्ति शर्मा ने महिला क्रिकेट विश्वकप के फाइनल मैच भारतीय टीम की ओर से 58 गेंद में 58 रन की पारी खेल कर और 5 विकेट लेकर पीतलनगरी का नाम दुनिया भर में और ज्यादा चमका दिया। दीप्ति शर्मा ने मौजूदा वर्ल्ड कप में उन्होंने अब तक नौ मुकाबले खेले हैं जिनमें 7 पारियों में उन्होंने तीन अर्धशतक के साथ कुल 215 रन बनाए हैं।

गेंदबाजी में उनका प्रदर्शन और भी शानदार रहा। नौ मैचों में उन्होंने 22 विकेट हासिल किए जिनमें एक मैच में चार विकेट भी शामिल हैं। भारतीय टीम को खिताबी दहलीज तक पहुंचाने में दीप्ती ने भी अहम योगदान दिया है। वहीं मुरादाबाद रेल मंडल में कार्यरत देहरादून निवासी स्नेहा राना भी इस महिला क्रिकेट विश्व कप में भारतीय टीम का हिस्सा है।

महिला क्रिकेट विश्वकप में भारतीय टीम में पीतलनगरी मुरादाबाद से जुड़ी दो धुरंधर खिलाड़ी दीप्ती शर्मा और स्नेह राणा शामिल है। भारत ने 2025 के महिला क्रिकेट विश्वकप फाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 298/7 रन बनाकर इतिहास रच दिया। भारत की ओर से दीप्ति शर्मा और शेफाली वर्मा ने अर्धशतकीय पारी खेली। दीप्ति शर्मा ने 58 रन और शेफाली ने 87 रन की पारी खेली। वहीं दीप्ति ने फाइनल मैच में पांच महत्वपूर्ण विकेट लेकर भारतीय क्रिकेट टीम को जीत दिलाई।

एशेज की तैयारी के लिए भारत के खिलाफ चल रही टी 20 सीरीज से बाहर हुए ट्रैविस हेड

मेलबर्न,03 नवंबर (एजेंसियां)।

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ट्रैविस हेड भारत के खिलाफ चल रही टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के अंतिम दो मैचों से बाहर हो गए हैं। वे अब एशेज की तैयारी के तहत अपने राज्य साउथ ऑस्ट्रेलिया की ओर से शेफील्ड शील्ड में खेलने उतरेंगे। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया के अनुसार हेड अगले सप्ताह होबार्ट में तस्मानिया के खिलाफ मैच में हिस्सा लेंगे। यह उनका जुलाई में वेस्टइंडीज दौरे के बाद पहला फर्स्ट क्लास मैच होगा।

हाल ही में सफेद गेंद क्रिकेट में उनका प्रदर्शन अपेक्षित नहीं रहा है — उन्होंने पिछले आठ पारियों में (टी20 और वनडे मिलाकर) केवल एक बार 30 से अधिक रन बनाए हैं। अगस्त में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 142 रन की पारी के बाद से वे बड़ी पारी नहीं खेल पाए हैं।

ट्रैविस हेड टेस्ट टीम के लिए एक अहम खिलाड़ी माने जाते हैं और वे नंबर 5 पर उतरेंगे, जहां उनकी आक्रामक बल्लेबाजी विपक्ष के लिए मैच का रुख बदल सकती है। सूत्रों के अनुसार, उन्हें खुद निर्णय लेने की स्वतंत्रता दी गई थी कि वे इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट से पहले एक चार दिवसीय मैच खेलना चाहते हैं या नहीं।

इस कदम से शेफील्ड शील्ड का आगामी राउंड बेहद आकर्षक हो गया है, क्योंकि लगभग पूरी ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट टीम इसमें हिस्सा लेने वाली है।

जोश हेजलवुड (जिन्होंने मेलबर्न में दूसरे टी20 के बाद टीम छोड़ी थी) और मिचेल स्टार्क न्यू साउथ वेल्स की ओर से विक्टोरिया के खिलाफ खेलेंगे, जहां उनके साथ नाथन लायन भी गेंदबाजी करेंगे। सीन एबॉट भी होबार्ट मैच के बाद टी20 टीम से जुड़कर न्यू साउथ वेल्स के लिए खेलेंगे।

स्टीव स्मिथ, जिन्होंने हाल ही में गाबा में क्वींसलैंड के खिलाफ 118 रन की पारी खेली थी, अपना दूसरा लगातार शील्ड मैच खेलेंगे। विक्टोरिया की टीम में स्कॉट बोलैंड भी शामिल रहेंगे, जिन्हें पिछले मैच में आराम दिया गया था। कैमरन ग्रीन वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया की ओर से क्वींसलैंड के खिलाफ उतरेंगे और उम्मीद है कि वे इस मैच में गेंदबाजी की वापसी करेंगे। मार्नस लाबुशेन भी टेस्ट सीरीज से पहले एक और अभ्यास मैच खेलने के इच्छुक हैं, जबकि मैट रेनशॉ को ओपनिंग स्लॉट के लिए आजमाया जा सकता है।

तस्मानिया की टीम में ब्यू वेबस्टर खेलेंगे, जबकि साउथ ऑस्ट्रेलिया के लिए एलेक्स केरी और ब्रेंडन डॉगेट उपलब्ध रहेंगे।

इस बीच, लेग स्पिनर तनवीर संगा को टी20 टीम से रिलीज कर दिया गया है ताकि वे वन-डे कप में न्यू साउथ वेल्स की ओर से सोमवार को क्वींसलैंड के खिलाफ खेल सकें। वे एडम जंपा की गैरमौजूदगी में कवर के रूप में टीम के साथ थे, जो इस समय अपने दूसरे बच्चे के जन्म की प्रतीक्षा कर रहे हैं। पहले से घोषित योजना के अनुसार, लेफ्ट-आर्म सीमर बेन द्वार्शुइस चोट से उबरकर टी20 टीम में अंतिम दो मैचों के लिए शामिल होंगे। फिलहाल, भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टी20 श्रृंखला 1-1 की बराबरी पर है, जिसमें भारत ने होबार्ट में 5 विकेट से जीत दर्ज की थी।

शुभ लाभ

यस बैंक घोटाला एवं मनी लॉन्ड्रिंग में ईडी की कार्रवाई

अनिल अंबानी की 3000 करोड़ की संपत्ति अटैच

मुंबई, 03 नवंबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने अनिल अंबानी की रिलायंस ग्रुप से जुड़ी 40 संपत्तियां अटैच कर लीं, जिनकी कुल कीमत 3084 करोड़ रुपए है। इसमें मुंबई के पाली हिल स्थित घर, दिल्ली का रिलायंस सेंटर, नोएडा, गाजियाबाद, पुणे, हैदराबाद, चेन्नई समेत कई शहरों की जमीनें, फ्लैट और ऑफिस शामिल हैं। यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट की धारा 5(1) के तहत की गई।ईडी का कहना है कि यस बैंक ने 2017-19 में रिलायंस होम फाइनेंस (आरएचएफएल) में 2965 करोड़ और रिलायंस कमर्शियल फाइनेंस (आरसीएफएल) में 2045 करोड़ निवेश किए, जो बाद में एनपीए बन गए। रिलायंस ग्रुप ने पब्लिक म्यूचुअल फंड का पैसा यस बैंक के जरिए अप्रत्यक्ष रूप से ग्रुप कंपनियों में डायवर्ट किया। जानकारी के मुताबिक, 13600 करोड़ से ज्यादा का लोन एवरग्रीनिंग, 12,600 करोड़ कनेक्टेड पार्टियों को और 1800 करोड़ एफडी/एमएफ में लगाकर फिर ग्रुप में रूट किया गया। कई लोन बिना चेकिंग, एक ही दिन में मंजूर-डिस्बर्स हो गए। सीबीआई की दो एफआईआर के आधार पर जांच चल रही है। ईडी ने कहा, ये रिकवरी जनता के हित में होगी। फिलहाल अनिल अंबानी के विदेश यात्रा पर भी बैन लगा हुआ है और इस मामले में जुलाई से ही जोरदार कार्रवाई चल रही है।

अमेरिकी कंपनी कर सकती है वोडाफोन आइडिया का अधिग्रहण

नई दिल्ली। न्यूयॉर्क की एक प्राइवेट इक्विटी कंपनी टिलमैन ग्लोबल होल्डिंग्स (टीजीएच) भारत की टेलीकॉम कंपनी वोडाफोन आइडिया (वीआई) में 4 से 6 अरब डॉलर का निवेश करने और कंपनी के संचालन पर नियंत्रण लेने की बातचीत कर रही है। एक खबर के मुताबिक यह जानकारी इस मामले से संबंधित अधिकारियों ने दी। हालांकि यह निवेश तभी संभव हो पाएगा जब भारत सरकार कंपनी की सभी वित्तीय जिम्मेदारियों (देय राशि), जिसमें एजीआर और स्पेक्ट्रम से जुड़े बकाया शामिल हैं, को कवर करने वाला एक व्यापक राहत पैकेज देगी। अगर यह सौदा होता है, तो टीजीएच कंपनी का नया प्रमोटर बन जाएगी और मौजूदा प्रमोटर अडिट्या बिड़ला ग्रुप और ब्रिटेन की वोडाफोन कंपनी से संचालन की बागडोर ले लेगी। सरकार, जो 49 फीसदी हिस्सेदारी के साथ कंपनी की सबसे बड़ी शेयरधारक है, एक निष्क्रिय निवेशक बनी रहेगी। निवेशक कंपनी टीजीएच सरकार से सभी बकाया राशि माफ करने की मांग नहीं कर रही है, बल्कि वह इन देयताओं के पुनर्गठन की मांग कर रही है ताकि कंपनी को सांस लेने का मौका मिल सके। इसके लिए उसने सरकार के सामने एक विस्तृत प्रस्ताव रखा है।

न्यूज ब्रीफ

विदेशी फर्मों की दुर्लभ खनिज ऑक्साइड आपूर्ति में रुचि , पीएलआई योजना से मैग्नेट उत्पादन को मिलेगी रफ्तार

मुंबई। भारत सरकार की दुर्लभ स्थायी मैग्नेट उत्पादन को बढ़ावा देने वाली उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना को अंतरराष्ट्रीय खनन और रिफाइनिंग कंपनियों का समर्थन मिला है। ब्रिटेन की रेनबो रेयर अर्थ्स, ऑस्ट्रेलिया की लिनास रेयर अर्थ्स और इलुका रिसोर्सेज जैसी प्रमुख कंपनियों ने आश्वासन दिया है कि वे बोली जीतने वाली भारतीय कंपनियों को दुर्लभ खनिज ऑक्साइड की पर्याप्त मात्रा दीर्घकालिक अनुबंधों के माध्यम से आपूर्ति कर सकती हैं। भारी उद्योग मंत्रालय के अनुसार, योजना के तहत निजी कंपनियों को 7,350 करोड़ के प्रोत्साहन के साथ पांच 6,000 टन वार्षिक उत्पादन क्षमता वाले संयंत्र स्थापित करने होंगे। इन संयंत्रों में कुल 6,000 टन स्थायी मैग्नेट का उत्पादन करने के लिए लगभग 1,500 टन दुर्लभ खनिज ऑक्साइड की आवश्यकता होगी। वर्तमान में इंडियन रेयर अर्थ्स लिमिटेड केवल 500 टन तक आपूर्ति कर सकती है, इसलिए शेष 1,000 टन का आयात करना अनिवार्य है।

अक्टूबर में यूपीआई ने तोड़ा रिकॉर्ड, 27.28 लाख करोड़ के डिजिटल लेनदेन हुए

मुंबई। अक्टूबर माह डिजिटल भुगतान के इतिहास में रिकॉर्ड बनाने वाला साबित हुआ। इस दौरान यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) से 20.7 अरब लेनदेन हुए, जिनका कुल मूल्य 27.28 लाख करोड़ रहा। यह अब तक का सर्वोच्च आंकड़ा है। सितंबर की तुलना में अक्टूबर में लेनदेन की संख्या 5 प्रतिशत और मूल्य 10 प्रतिशत अधिक रहा। इस वृद्धि के पीछे त्योहारी सीजन में बढ़ती खरीदारी और जीएसटी 2.0 सुधारों को प्रमुख कारण माना जा रहा है। त्योहारी सीजन और जीएसटी 2.0 सुधारों से बढ़ी डिजिटल गतिविधियां अन्य प्रणालियों में भी सकारात्मक रुझान दिखा। आईएमपीएस लेनदेन सितंबर के 39.4 करोड़ से बढ़कर 40.4 करोड़ और मूल्य 6.42 लाख करोड़ पहुंच गया। फास्टैग से अक्टूबर में 36.1 करोड़ लेनदेन हुए, जबकि आधार आधारित भुगतान प्रणाली में भी 6 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। भारत अब तेजी से डिजिटल अर्थव्यवस्था की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

टाटा ट्रस्ट्स विवाद में नया मोड़: मेहली मिस्त्री ने बोर्ड बदलावों पर रोक की मांग कर दायर की कैविएट

नई दिल्ली। टाटा ट्रस्ट्स के भीतर उठे मतभेद अब कानूनी मोड़ पर पहुंच गए हैं। उद्योगपति मेहली मिस्त्री, जिन्हें हाल ही में ट्रस्ट्स के बोर्ड में दोबारा नियुक्ति नहीं मिली, ने मुंबई के चैरिटी कमिश्नर के समक्ष कैविएट दाखिल की है। इस कानूनी कदम के तहत उन्होंने अनुरोध किया है कि ट्रस्ट बोर्ड में किसी भी तरह के बदलाव से पहले उन्हें अपनी बात रखने का अवसर दिया जाए। कैविएट एक ऐसा प्रावधान है, जिसके तहत कोई व्यक्ति अदालत या सक्षम प्राधिकारी से यह आग्रह करता है कि बिना उसकी बात सुने कोई आदेश पारित न किया जाए। मिस्त्री ने यह नोटिस सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट, सर रतन टाटा ट्रस्ट और बाई हिराबाई जमसेटजी नवसारी चैरिटेबल इंस्टिट्यूशन के सभी ट्रस्टीज, जिनमें चेयरमैन नोएल टाटा भी शामिल हैं, को भेजा है। पुनर्नियुक्ति से वंचित उद्योगपति ने कहा, बिना मेरी बात सुने ट्रस्ट कोई निर्णय न ले मिस्त्री का तर्क है कि 17 अक्टूबर 2024 को ट्रस्ट्स ने सर्वसम्मति से एक प्रस्ताव पारित किया था, जिसके अनुसार सभी मौजूदा ट्रस्टी अपने कार्यकाल के बाद स्थायी ट्रस्टी के रूप में फिर से नियुक्त किए जाएंगे। वरिष्ठ अधिवक्ता के अनुसार, महाराष्ट्र पब्लिक ट्रस्ट्स एक्ट और ट्रस्ट डीड के तहत यह प्रस्ताव कानूनी रूप से बाध्यकारी है और इसे रद्द करने के लिए नई मीटिंग बुलाना अनिवार्य है। हालांकि, कुछ ट्रस्टीज का कहना है कि वह प्रस्ताव केवल प्रक्रिया का हिस्सा था, बाध्यकारी नहीं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

बांग्लादेश तख्तापलट...

क्योंकि यह दुनिया के किसी भी हिस्से से समुद्री मार्ग द्वारा आसानी से पहुंचा जा सकता है। यह एक प्रमुख जलमार्ग होने के साथ-साथ रणनीतिक रूप से भी अत्यंत संवेदनशील क्षेत्र है। बंगाल की खाड़ी के उत्तर-पूर्वी हिस्से में, बांग्लादेश और म्यांमार की सीमा के करीब स्थित 7.3 किलोमीटर लंबा यह द्वीप समुद्र तल से लगभग 3.6 मीटर की ऊंचाई पर बसा हुआ है।

माना जाता है कि लगभग 5,000 वर्ष पहले यह टेकनाफ प्रायद्वीप का हिस्सा था लेकिन धीरे-धीरे समुद्र में डूब गया। करीब 450 वर्ष पूर्व इसका दक्षिणी भाग फिर से उभरा और अगले 100 वर्षों में उत्तरी और शेष भाग भी समुद्र से ऊपर उठ आए। वर्ष 1900 में ब्रिटिश भारत ने भूमि सर्वेक्षण के दौरान इस द्वीप को अपने नियंत्रण में ले लिया और इसे चटगांव के तत्कालीन डिप्टी कमिश्नर मार्टिन के नाम पर सेंट मार्टिन द्वीप कहा गया। इस द्वीप से बंगाल की खाड़ी और आस-पास के समुद्री इलाकों पर नजर रखी जा सकती है, जिससे यह बांग्लादेश के लिए अत्यधिक महत्वपूर्ण बन जाता है। दक्षिण एशिया के परिप्रेक्ष्य में भी यह द्वीप जियो-पॉलिटिक्स में शक्ति संतुलन बनाए रखने में अहम भूमिका निभाता है। बंगाल की खाड़ी स्वयं दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया के बीच एक सेतु की तरह कार्य करती है और व्यापारिक मार्गों के माध्यम से क्षेत्रीय देशों के बीच संबंधों को मजबूत बनाती है।

किसी आकस्मिक युद्ध की स्थिति में भी यहां से संपर्क और संचालन स्थापित करना आसान होता है, यही कारण है कि शक्तिशाली देश इस द्वीप की ओर आकर्षित हैं। व्यापारिक और सामरिक हितों के कारण चीन और अमेरिका दोनों ही इस क्षेत्र में अपना प्रभाव बढ़ाना चाहते हैं जबकि भारत के लिए भी सेंट मार्टिन द्वीप का रणनीतिक महत्व अत्यधिक है। अमेरिका की रुचि का मुख्य कारण यह है कि यदि उसे इस द्वीप पर प्रभाव जमाने का अवसर मिलता है, तो वह यहां से पूरे क्षेत्र, विशेष रूप से चीन और भारत पर निगरानी रख सकता है।

दीप हलदर का कहना है कि यह खुलासा बांग्लादेश को और बेचैन कर सकता है। उनका कहना है कि जनरल वकार को हसीना ने अपने पद से हटने से ठीक पहले नियुक्त किया था। उन्होंने कहा, पिछले साल और इस साल भी नेशनल सिटिजन्स पार्टी (एनसीपी) के नेताओं द्वारा लगातार यह बयान दिया जाता रहा कि जनरल वेकर भारत के एजेंट हैं। अब यह बड़ा खुलासा हुआ है, जिससे यह सवाल उठता है कि वकार किसकी तरफदारी कर रहे हैं। असदुज्जमां खान ने अपनी बात को समझाने के लिए महाभारत का हवाला भी दिया है। उन्होंने कहा, जैसे अभिमन्यु को चारों तरफ से घेर लिया गया और फिर युद्ध में अपने ही हाथों ढेर कर दिया गया, वैसे ही वकार ने हसीना को गिराने के लिए बांग्लादेश की कट्टरपंथी ताकतों से हाथ मिला लिया। जमात-ए-इस्लामी बांग्लादेश ने इससे पहले भी सभी कट्टरपंथी ताकतों को एक साथ लाया था।

यह भी दावा किया गया है कि पाकिस्तान की जासूसी एजेंसी इंटर-सर्विसेज इंटेलिजेंस (आईएसआई) जमात के साथ मिलकर काम कर रही थी। उन्होंने कहा, कुछ आईएसआई-प्रशिक्षित लोग जमात में घुसपैठ कर चुके थे और जून के अंत में पुलिसकर्मियों की हत्या में उनकी अहम भूमिका थी। उन्होंने दावा किया कि जब अराजकता फैली तो उन्हें शीर्ष पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आईएसआई-प्रशिक्षित लोग जमात में घुसपैठ कर चुके हैं और छात्र प्रदर्शनकारियों के साथ मिल गए हैं। उन्होंने कहा कि वह तत्कालीन प्रधानमंत्री हसीना के पास गए थे लेकिन उन्होंने उन्हें बताया गया कि सेना प्रमुख ने हसीना को आश्वासन दिया है कि वह आंदोलनकारी छात्रों की बढ़ती भीड़ को संभाल लेंगे।

असदुज्जमां ने 4 अगस्त 2024 से पहले वाली शाम को हुई बैठक को लेकर कहा, शेख हसीना के सामने वकार ने मुझसे कहा कि सड़कों पर हो रही हिंसा के कारण लोगों का पुलिस पर से भरोसा उठ गया है और बेहतर होगा कि सेना ही प्रवेश द्वारों पर आंदोलनकारियों को रोके। वकार ने कहा कि इसकी कोई जरूरत नहीं है। वह यह सुनिश्चित करेंगे कि सेना किसी को भी प्रधानमंत्री आवास के पास न आने दे। असदुज्जमां ने कहा कि इस बैठक के अगले दिन क्या हुआ यह सब जानते हैं। दरअसल, हिंसक प्रदर्शनकारियों की भीड़ ने हसीना के आवास पर धावा बोल दिया था और हजारों की संख्या में लोग उनके आवास में दाखिल हो गए थे जिसके कारण उन्हें देश छोड़कर भारत आने को मजबूर होना पड़ा।

एनडीए की...

यह चुनाव बिहार के नौजवानों के बहुत महत्वपूर्ण है।बिहार का यह चुनाव राज्य को विकसित बनाने के लिए काफी महत्वपूर्ण है। विकसित बिहार का मतलब है हर परिवार की समृद्धि है। इसके लिए एनडीए की डबल इंजन सरकार बहुत जरूरी है। केंद्र सरकार गरीबों को पक्के घर बनाने में मदद करती है। जहां-जहां एनडीए की सरकार है, वहां घर बनाने का काम तेजी से चल रहा है। लेकिन, जहां कांग्रेस की सरकार है, वो इस योजना को डिब्बे में बंद कर रहे हैं। वह गरीबों का घर नहीं बनने दे रहे हैं। इसलिए पक्के घर बनाने के लिए एनडीए को आपका आशीर्वाद चाहिए। बिहार में 60 लाख पक्के घर गरीबों को मिल चुके हैं। कटिहार में ही करीब एक लाख पक्के घर गरीबों को मिले हैं। पीएम मोदी ने एनडीए सरकार की विकास योजनाओं को गिनाया। इसके बाद एनडीए प्रत्याशियों को वोट देने की अपील की।

बिहार विधानसभा चुनाव के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सहरसा में भी जनसभा को संबोधित किया। पीएम मोदी ने मंच से कहा कि एनडीए की पहचान विकास से है, जबकि आरजेडी-कांग्रेस की पहचान विनाश से है। पीएम मोदी ने इससे जुड़ी बात भी साझा की। पीएम मोदी ने कहा, कोसी महासेतु प्रोजेक्ट की शुरुआत 2003 में अटल बिहारी बाजपेयी सरकार ने किया। 2004 में राजद के समर्थन वाली दिल्ली में मनमोहन सिंह जी की सरकार बनी। 2005 में नीतीश जी के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनी। बिहार के लोगों ने राजद को साफ कर दिया। ऐसे में बिहार के लोगों से इतना गुस्सा किया कि बिहार के लोगों को बर्बाद करने में जुट गए।

पीएम मोदी ने सनातन धर्म के अपमान और शिक्षा को लेकर राहुल गांधी और लालू प्रसाद यादव को घेरा। उन्होंने छठ से लेकर अयोध्या तक की चर्चा की। राहुल गांधी के बेगूसराय में मछली मारने की खबरों से जोड़ते हुए पीएम मोदी ने कहा कि अयोध्या में निषाद राज का मंदिर बना है। वहां वह कभी नहीं जाते हैं। भगवान राम से अगर तकलीफ है तो निषाद राज जी, सबरी माता और वाल्मिकी जी के मंदिर में ही माथा टेक कर आ जाओ। उन्होंने लालू प्रसाद की हैलोवीन मनाती तस्वीरों पर भी निशाना साधा और घेरते हुए कहा, राजद और कांग्रेस का परिवार दुनियाभर के त्यौहार मनाते हैं। विदेशी त्यौहार मनाने पर इन्हें मजा आता है। लेकिन, अब छठ महापर्व मनाने में इन्हें शर्म आती है। छठी मैया का इनलोगों ने अपमान किया।

पीएम नरेंद्र मोदी ने राहुल गांधी और तेजस्वी यादव पर हमला करते हुए कहा कि कांग्रेस और राजद के नामदार जमीन से भी कटे हुए हैं। यह लोग भांति-भांति के सपने भले देखते हों। अब कांग्रेस के नामदार लोगों को कह रहे हैं जब दिल्ली में उनकी सरकार बनेगी तो बिहार में नालंदा जैसा विश्वविद्यालय बनाएंगे। जब केंद्र में राजद और कांग्रेस की सरकार 10 साल तक थी, तब भी यही कहते थे कि नालंदा में विश्वविद्यालय बनाएंगे। यह लोग सिर्फ 20 करोड़ देकर भूल गए। इतने में तो गांव में भी एक स्कूल नहीं बनता। जब आपने एनडीए सरकार को मौका दिया।

हमने नालंदा विश्वविद्यालय बनाने के लिए 2000 करोड़ रुपए दिए। दो हजार करोड़ लगाकर हमलोगों ने नालंदा विश्वविद्यालय का शानदार कैंपस बनाया। यहां पर 21 से ज्यादा देशों के छात्र पढ़ रहे हैं। जिन लोगों ने स्कूल-कॉलेज में ताले लगा दिए। जिन लोगों के राज में ग्रेजुएशन करने में पांच साल लग जाते थे, वह आज बिहार में शिक्षा पर ज्ञान दे रहे हैं। मैं आपलोगों को विश्वास दिलाता हूं कि बिहार में शिक्षा का गौरव फिर से लौटेगा। उन्होंने कहा कि राजद और कांग्रेस वाले आपस में ही लड़ाई लड़ रहे हैं। विकास की बात इनके मुंह से बेमानी है।

पीएम मोदी ने कहा, दिल्ली में सरकार इनके समर्थन की थी। इन्होंने मनमोहन सिंह और सोनिया गांधी के बगल में बैठकर इन्होंने बिहार की भलाई के प्रोजेक्ट पर ताले लगवा दिए। पैसा रोक दिया। आरजेडी-कांग्रेस ने कोसी महासेतु को लटका दिया। बिहार के लोगों को अपनी हार की सजा दी। पीएम मोदी ने कहा, साल 2014 में मुझे मौका दिया। बदला लेने वालों को हटवाया। मैंने नई योजना बनवाई। नए सिरे से पैसे दिए। आ-खिरकार 2020 में एनडीए सरकार ने ये पुल बनाकर आप लोगों को सौंपा। राजद-कांग्रेस की बदला वाली नीति के चलते बिहार के लोगों को परेशान होना पड़ा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, आरजेडी-कांग्रेस की डिक्शनरी में कट्टा, क्रूरता, कटुता, कुसंस्कार, कुशासन और करप्शन जैसे शब्द भरे पड़े हैं। जंगलराज की पाठशाला में इन्होंने बस यही सीखा है।

पीएम मोदी ने जंगलराज की याद दिलाते हुए कहा, सहरसा के बहादुर डीएसपी सत्यपाल जी जंगलराज वालों पर नकेल कस रहे थे, उन्हें ठीक कर रहे थे। ये बात पटना में बैठे जंगलराज वालों को पसंद नहीं आई। इसकी कीमत उन्हें अपनी जान देकर चुकानी पड़ी। जिन अपराधियों ने ईमानदार अधिकारी की हत्या की, उन्हें खुला छोड़ दिया गया।

आरटीसी बस और...

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने इस त्रासदी पर गहरा सदमा और दुख व्यक्त किया। उन्होंने अधिकारियों को तुरंत दुर्घटनास्थल पर पहुंचने और सभी आवश्यक राहत उपाय करने का निर्देश दिया।

मुख्यमंत्री ने दुर्घटना में घायल हुए लोगों को पर्याप्त उपचार प्रदान करने के लिए हैदराबाद के सरकारी गांधी और उस्मानिया अस्पतालों में विशेष व्यवस्था करने का आदेश दिया।

मुख्यमंत्री ने यह भी आदेश दिया कि गंभीर स्थिति वाले सभी लोगों को बचाने के लिए चिकित्सा दल उपलब्ध कराए जाएँ।

अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि स्वास्थ्य आपातकाल मानते हुए घायलों को बेहतर उपचार प्रदान करने को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने घोषणा की है कि राज्य सरकार दुर्घटना में मारे गए लोगों के परिवारों को 5 लाख रुपये और घायलों को 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि (शु-सीरींळर) प्रदान करेगी। उन्होंने बताया कि घायलों को सर्वोत्तम संभव चिकित्सा देखभाल दी जा रही है।

चेवेल्ला सरकारी अस्पताल में शवों का पोस्टमॉर्टम किया जा रहा है, और अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है कि शवों को बिना किसी देरी के परिवारों को सौंपा जाए। मंत्री ने आश्वासन दिया कि सरकार शोक संतप्त परिवारों को सभी आवश्यक सहायता प्रदान करेगी।

भागने के चक्कर में ...

और अन्य राज्यों में घरेलू सहायकों व दिहाड़ी मजदूरों के तौर पर काम करते हैं। पिछले 3 दिनों में 89 बांग्लादेशी घुसपैठियों को पकड़ा गया है।

उधर, हकीमपुर में 11 बच्चों और 15 महिलाओं समेत कम से कम 45 और बांग्लादेशी घुसपैठियों को अंतरराष्ट्रीय सीमा पार करने की कोशिश करते हुए हिरासत में लिया गया। बशीरहाट के एसपी हुसैन मेहदी रहमान ने बताया कि घुसपैठियों को बीएसएफ कर्मियों ने पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। एसपी ने कहा, वे कोलकाता और राजारहाट इलाकों में काम करते थे और भागने की कोशिश कर रहे थे। सभी बंदियों को बशीरहाट अदालत में पेश किया गया और 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। गौरतलब है कि एसआईआर की घोषणा और हाल ही में अवैध प्रवास की घटनाओं के बाद बीएसएफ ने भारत-बांग्लादेश सीमा पर अपनी गश्त तेज कर दी है।

महागठबंधन में 3...

योगी ने कांग्रेस पर कश्मीर को विवादित करने का आरोप लगाते हुए कहा कि ऐसी क्या मुसीबत आई कि कश्मीर हिंदू विहीन हो गया? एक फिल्म का कलाकार 27 वर्षों बाद अपने ही कश्मीर लौट पाया। कांग्रेस के पाप का परिणाम था कि धारा 370 कश्मीर पर थोपी गई, जिसके कारण बिहार, मिथिला या देश का कोई भी व्यक्ति वहां बस नहीं सकता था। कांग्रेस ने पाप किया, जबकि पाकिस्तानी कश्मीर में लोग बसते गए। लेकिन मोदी जी के आने के बाद धारा 370 समाप्त की गई, अब कश्मीर में मिथिला और बिहार का बेटा भी बस सकता है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने कहा कि माता जानकी की इस धरा को कोटि-कोटि नमन। रामलला विराजमान हो गए हैं, तो मां जानकी का मंदिर पुनौरा धाम, मिथिला में बनना शुरू हो गया है। आपकी आस्था के अनुरूप जानकी मंदिर का निर्माण केंद्र और राज्य सरकार मिलकर कर रही हैं। अयोध्या और पुनौरा धाम को जोड़ने वाली राम-जानकी सड़क भी बनाई जा रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किए गए कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि मखाना बोर्ड और हल्दिया से पटना जलमार्ग जैसी परियोजनाओं से मिथिला की शोभा और महिलाओं के सम्मान में वृद्धि हुई है। योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी और गृह मंत्री अमित शाह की नीतियों से गरीबों के जीवन में बड़े बदलाव आए हैं। जैसे धुएं रहित रसोई का सपना साकार हुआ और कश्मीर से जुड़ा विवाद भी धारा 370 हटाकर समाप्त कर दिया गया। सभा के अंत में योगी आदित्यनाथ ने एनडीए प्रत्याशी डॉ. मुरारी मोहन झा को मंच पर जीत की माला पहनाकर समर्थन जताया और जनता से उनके पक्ष में मतदान करने की अपील की।

योगी आदित्यनाथ ने कहा, जब भी आरजेडी और कांग्रेस सत्ता में आते हैं तो बिहार जलने लगता है। हम अपने बॉर्डर वाले शहरों से घुसपैठियों को बाहर निकाल देंगे, ठीक वैसे ही जैसे हमने आर्टिकल 370 हटाने के बाद जम्मू-कश्मीर से पाकिस्तानी तत्वों को हटाया था। अपने संबोधन में योगी ने कहा राजद के शासन में गरीबों का राशन लूट लिया जाता था, लेकिन आज 8 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन मिल रहा है। अपने संबोधन के अंत में सीएम योगी ने बंटेंगे तो कटेंगे, एक रहेंगे तो नेक रहेंगे का नारा लगाया।

टेक्नोलॉजी से ही...

भागीदारी की सराहना की।

पीएम मोदी ने कहा कि जब विज्ञान का पैमाना मिलता है और जब नवाचार समावेशी हो जाता है, जब प्रौद्योगिकी परिवर्तन को प्रेरित करती है, तब बड़ी उपलब्धियों की नींव रखी जाती है। उन्होंने कहा, हम रिसर्च को आसान बनाने पर फोकस कर रहे हैं ताकि भारत में नवाचार का एक मॉडर्न इकोसिस्टम डेवलप हो सके। ईएसटीआईसी 5 नवंबर तक चलेगा जिसमें एजुकेशन, रिसर्च, उद्योग से जुड़े 3000 से ज्यादा लोग भाग ले रहे हैं। इनमें नोबेल पुरस्कार विजेता, प्रख्यात वैज्ञानिक, इनोवेटर्स और पॉलिसी मेकर्स शामिल हो रहे हैं।प्रधानमंत्री द्वारा लॉन्च किए गए अनुसंधान, विकास और नवाचार (आरडीआई) फंड से उच्च स्तर की तकनीक और जोखिम वाले क्षेत्रों में रिसर्च को बढ़ावा दिया जाएगा। इस फंड को जारी करने के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि रजिस्टर्ड पेटेंट के मामले में भारत में 17 गुना वृद्धि हुई है। स्टार्टअप्स के काम करने के लिए बेहतर वातावरण उपलब्ध कराने के मामले में भारत दुनिया में तीसरे नंबर पर है। यह बताता है कि भारत अपने यहां नवाचार करने वालों और नए उद्यमियों के लिए बेहतर वातारण उपलब्ध करा रहा है।आरडीआई फंड की शुरुआत अनुसंधान और विकास में निजी क्षेत्र की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए की गई है। एक ऐसा फोरम है जो सरकार के विकसित भारत 2047 विजन को आगे बढ़ाने के लिए नीति निर्माताओं और नए इनोवेटर्स को एक मंच पर लाएगा। इसका लाभ देश में अनुसंधान से जुड़े फर्मों को मिलेगा। आरडीआई फंड का प्रबंधन विज्ञान व प्रौद्योगिकी विभाग की दो स्तरीय संरचना के जरिए किया जाएगा। इस योजना के तहत शुरुआती स्तर पर अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (एएनआरएफ) के अंतर्गत एक विशेष निधि बनाई जाएगी। यह निधि 1 लाख करोड़ रुपए की होगी। एएनआरएफ इसकी देखरेख और प्रबंधन करेगी।आरडीआई फंड दूसरे स्तर के फंड मैनेजरों जरिए पूंजी निर्माण की कवायद करेगा। इसमें वैकल्पिक निवेश फंड (एआईएफ), विकास वित्त संस्थान (डीएफआई) और गैर-बैंकिंग वित्त कंपनियां (एनबीएफसी) शामिल हैं। ये प्रबंधक, वित्तीय, व्यावसायिक और तकनीकी विशेषज्ञों वाली स्वतंत्र निवेश समितियों के मार्गदर्शन में, समर्थन के लिए परियोजनाओं की पहचान करेंगे और उनकी सिफारिश करेंगे। पीएम मोदी ने इसकी लॉन्चिंग के दौरान भारत की वैज्ञानिक उपलब्धियों पर प्रकाश डालने वाली एक कॉफी टेबल बुक और देश के भविष्य के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी लक्ष्यों को रेखांकित करने वाला एक विजन दस्तावेज भी लॉन्च किया।

मंगल का वृश्चिक में गोचर

7 दिसंबर तक अपनी स्वराशि वृश्चिक में रहेंगे मंगल

ग्रहों के सेनापति मंगल 27 अक्तूबर 2025 को दोपहर 02:43 मिनट पर तुला से निकलकर अपनी स्वयं राशि वृश्चिक में आ गया है। जब भी कोई ग्रह अपनी स्वराशि में गोचर करता है, तो उसका प्रभाव और भी कई गुना बढ़ जाता है। वैदिक ज्योतिष में हर एक ग्रह का अपना स्वभाव और कारकत्व होता है, जो उसी के साथ फल प्रदान करता है। ज्योतिष में मंगल को उग्र ग्रह माना जाता है। यह साहस, ऊर्जा, उत्साह, रक्त, सेना और युद्ध का कारक ग्रह होता है। मंगल जुनून, महत्वाकांक्षा और दृढ़ता का प्रतीक ग्रह माना जाता है। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि मंगल अगले 41 दिनों तक वृश्चिक राशि में ही रहेंगे। इसके बाद यह वृश्चिक राशि को छोड़कर धनु राशि में प्रवेश करेंगे। मंगल के राशि परिवर्तन का सभी राशि के जातकों पर प्रभाव पड़ेगा। कुछ राशियों पर इस गोचर का शुभ, तो कुछ पर अशुभ प्रभाव होगा। जब नवग्रहों का पूजन किया जाता है, तब मंगल को दक्षिण दिशा में स्थापित किया जाता है। माना जाता है कि मंगल देव भूमि पुत्र हैं। ये पूर्व दिशा में उगता है और पश्चिम में अस्त होता है। इसे भौम भी कहा जाता है। मंगल देव की पूजा से भूमि-भवन से जुड़ी दिक्कतें दूर होती हैं। मंगल का रंग लाल है। इनका वाहन मेष यानी भेड़ है। यह गोचर शीघ्रता से परिणाम देने वाला साबित होगा और देश और दुनिया के विभिन्न क्षेत्रों में गति आएगी।

मंगल को ज्योतिष शास्त्र में सेनापति माना गया है। मंगल समस्त साहसिक कार्य जैसे सेना, अग्निशमन सेवाएं, पुलिस आदि के साथ-साथ प्रशासनिक दक्षता का भी प्रतिनिधित्व करता है। मंगल अग्नि तत्व ग्रह होने के साथ-साथ एक उत्तेजनात्मक ग्रह भी है। मंगल का प्रभाव युद्ध, भूमि, साहस, पराक्रम और बिजनेस पर भी होता है। साथ ही ये ग्रह वैवाहिक जीवन, भौतिक सुख-सुविधाओं और सफलता को भी प्रभावित करता है

मंगल का शुभ-अशुभ प्रभाव

मंगल की वजह से देश में आंदोलन, हिंसा, उपद्रव और आगजनी की स्थितियां बन सकती है। हवाई या पानी से जुड़ी दुर्घटना होने की आशंका है। देश के कुछ हिस्सों में हवा के साथ बारिश रहेगी। भूकंप या अन्य तरह से प्राकृतिक आपदा आने की भी आशंका है। सेना और पुलिस विभाग से जुड़े बड़े मामले सामने आ सकते हैं। जल सेना की ताकत बढ़ेगी। देश की कानून व्यवस्था भी मजबूत होगी। प्राकृतिक प्रकोप एवं रक्त से संबंधित बीमारियों को बढ़ावा देगी, संक्रमण बढ़ने के भी संकेत हैं। लाल वस्तुओं के भाव भी बढ़ेंगे। वर्तमान ग्रहों की स्थितियां मौसम में भी उतार-चढ़ाव लाएंगी। वृश्चिक राशि जल तत्व की राशि है। इसलिए नौसेना से जुड़े बड़े फैसले, विवाद या दुर्घटना होने की आशंका है।

विवाद की आशंका

मंगल के चलते इस अवधि में सेना और पुलिस विभाग से जुड़े हादसे हो सकते हैं। इनसे जुड़ी घटनाएं या बड़े फैसले हो सकते हैं। सेना या सुरक्षा बलों को लेकर जनता में असंतुष्टि या गुस्सा रहेगा। लोगों को अपने काम पूरा करने के लिए भागदौड़ अधिक करना पड़ेगी। राजनीतिक दलों में आपसी विवाद बढ़ेंगे। आरोप-प्रत्यारोप का क्रम जनवरी के पहले पखवाड़े तक चरम पर पहुंचता दिखेगा। साथ ही पड़ोसी देशों के साथ सीमा विवाद भी हो सकते हैं।

करें पूजा-पाठ और दान

ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि मंगल के अशुभ असर से बचने के लिए हनुमानजी की पूजा करनी चाहिए। लाल चंदन या

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

सिंदूर का तिलक लगाना चाहिए। तांबे के बर्तन में गेहूं रखकर दान करने चाहिए। लाल कपड़ों का दान करें। मसूर की दाल का दान करें। शहद खाकर घर से निकलें। हनुमान चालीसा का पाठ अवश्य करें। मंगलवार को बंदरों को गुड़ और चने खिलाएं।

मंगल का वृश्चिक राशि में गोचर का सभी 12 राशियों पर प्रभाव।

मेष राशि–कार्य में सफलता व व्यापार में धन लाभ मिल सकता है। रिश्तों में सुधार होगा और आपकी लव पार्टनर के साथ नजदीकियां बढ़ेंगी। निवेश से अच्छा रिटर्न भी आने की संभावनाएं हैं।

वृषभ राशि – आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। अगर किसी दुकान या मकान के काम को लेकर परेशान थे, तो वह पूरे होंगे। इस दौरान धन के अवसर बढ़ने से नए लोगों से बात भी करेंगे।

मिथुन राशि –आपके लिए सकारात्मक परिणाम से भरा रहेगा। कला के क्षेत्र में आगे आएंगे और कुछ नए लोगों से भी जुड़ेंगे। इस समय कारोबार से धन की प्राप्ति होगी। मिथुन राशि के जो लोग नेटवर्किंग और कम्युनिकेशन के क्षेत्र से हैं, उनके करियर में प्रगति होगी।

कर्क राशि – आपको थोड़ा सतर्क रहना होगा। आप क्रोध पर नियंत्रण रखें। हालांकि, जो लोग मेडिकल और इंजीनियरिंग के सेक्टर से जुड़े हैं, उन्हें आगे आने के नए मौके मिल सकते हैं।

सिंह राशि –इस राशि के लिए यह समय कल्याणकारी रहेगा। आप वाहन, घर या कोई अन्य संपत्ति की खरीदारी करेंगें। आर्थिक स्थिति पहले से बेहतर होगी और कोई बड़ी कारोबारी डील भी इस समय आप कर सकते हैं।

कन्या राशि–ससुराल पक्ष से आर्थिक लाभ मिलने की संभावनाएं हैं। हालांकि, आपको व्यापार में पार्टनरशिप करने से बचना होगा। संतान की प्रगति से संतुष्ट रहेंगे।

तुला राशि – मुश्किलें बढ़ सकती हैं। आपको काम को लेकर तनाव रहेगा। इसके अलावा स्वास्थ्य पर ध्यान देना होगा। आपको बाहर के खाने-पीने से थोड़ा परहेज रखना बेहतर रहेगा।

वृश्चिक राशि – यह समय आपके लिए खास रहेगा। कोर्ट-कचहरी में फंसा हुआ मामला हल होगा। परिणाम आपके पक्ष में आ सकते हैं। छात्रों को परीक्षा में जीत हासिल होगी। कार्यक्षेत्र में सीनियर और जूनियर दोनों का सहयोग और समर्थन मिलेगा।

धनु राशि –समस्याएं बढ़ सकती हैं। आप किसी भी नए काम का प्रारंभ न करें। अगर संभव है, तो व्यापार से जुड़ी कोई भी यात्राएं न करें। प्रेम संबंध में सावधानी के साथ कदम आगे बढ़ाएं।

मकर राशि–इस समय नए वाहन को घर लेकर आएंगे। समय करियर के लिए शुभ रहेगा। यदि कोई योजना में पूर्व में धन निवेश किया था, तो अब लाभ मिलने के योग है। इस समय खरीद-बिक्री में सफलता और मानसिक शांति का एहसास होगा।

कुंभ राशि –कारोबार में नए लोगों से जुडेंगे। इस समय घर और बाहर दोनों जगह तालमेल बिठाने में दिक्कतें आएंगी। धैर्यवान बने रहें। जिम्मेदारियों को समझदारी से निभाना आपके लिए लाभकारी रहेगा।

मीन राशि –आपके लिए यह समय शुभ रहेगा। घर से दूर रहने वाले जातकों को परिवार के सदस्यों के साथ समय बिताने का सुनहरा मौका मिलेगा। नौकरी और व्यापार दोनों में सफलता मिलेगी। इसके अलावा वैवाहिक जीवन में मधुरता आएगी।

फिश पेंटिंग घर की इस दिशा में लगाएं, गुड लक होगा शुरू धन-दौलत में होगी दोगुनी वृद्धि

मछलियों की पेंटिंग अक्सर लोग अपने घरों में लगाते हैं। घर की सुंदरता बढ़ाने के साथ-साथ इसे वास्तुशास्त्र में बहुत शुभ भी माना जाता है। कहते हैं कि घर में मछलियों की पेंटिंग लगाने से आसपास से नकारात्मक ऊर्जा दूर होती है और घर में हमेशा सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इसे घर की सही दीवार पर लगाने से जातक को गृह क्लेश से भी मुक्ति मिलती है और जीवन से बुरा वक्त दूर हो सकता है। लेकिन अगर आपने इस शुभ पेंटिंग को गलत स्थान या दिशा में लगाया है, तो पेंटिंग का विपरीत प्रभाव भी देखने को मिल सकता है।

फिश पेंटिंग सही दिशा में लगाने के लाभ

वास्तुशास्त्र के अनुसार मछलियों की पेंटिंग को सही दिशा में लगाने से जातक को घर की आर्थिक समस्याओं से निजात मिल सकती है और धीरे-धीरे धन लाभ के योग बनने लगते हैं। माना जाता है कि वास्तु के सभी नियमों का ख्याल रखकर अगर कोई व्यक्ति फिश की पेंटिंग लगाता है, तो इससे उसके घर में हमेशा सुख-शांति और समृद्धि बनी रहती है। इससे परिवार के सदस्यों को जीवन और करियर में तरक्की प्राप्त होती है। साथ ही, गुड लक हमेशा साथ रहता है और घर में सौभाग्य आता है। इस एक पेंटिंग को घर में लगाने से परिवार के बीच खुशनुमा माहौल बना रहता है और मानसिक शांति भी महसूस होती है।

इस दिशा में लगाएं फिश पेंटिंग

माना जाता है कि मछलियों की तस्वीर को घर में सही दिशा में लगाना बहुत महत्वपूर्ण होता है। ऐसा न करने से घर में इसका विपरीत प्रभाव देखने को मिल सकता है। वास्तुशास्त्र के मुताबिक, फिश पेंटिंग को हमेशा घर की उत्तर-पूर्व दिशा यानी ईशान कोण में लगाना चाहिए। इसके अलावा, आप इसे उत्तर दिशा में भी लगा सकते हैं। पेंटिंग के लिए इन दिशाओं को सबसे उत्तम माना गया है। इस दिशा में मछलियों की तस्वीर लगाने से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है और नकारात्मकता दूर रहती है।

घर में फिश पेंटिंग लगाने के वास्तु नियम

वास्तु के अनुसार, मछलियों की तस्वीर को घर में कभी भी ऐसे स्थान पर नहीं लगाना चाहिए जहां गंदगी रहती हो। ऐसा करने से अशुभ फल प्राप्त हो सकता है।

फिश पेंटिंग को रसोईघर या बाथरूम या टॉयलेट की पास वाली दीवार पर लगाने की भी मनाही होती है। ऐसा करने से घर में नकारात्मकता आ सकती है।

घर में कभी भी मछलियों की ऐसी तस्वीर नहीं लगानी चाहिए, जिसमें मछलियां धुंधली दिखाई दे रही हों या तस्वीर कहीं से टूटी-फूटी हो। इस प्रकार की फोटो लगाना शुभ नहीं माना जाता है।

वास्तु के अनुसार, मछलियों की तस्वीर के बैकग्राउंड पर भी विशेष ध्यान देना चाहिए। कभी भी ऐसी पेंटिंग न लगाएं जिसमें पीछे तूफान या जल में ज्यादा उथल-पुथल दिख रही हो।

घर में ऐसी लगाएं मछलियों की तस्वीर

माना जाता है कि घर में फिश की ऐसी पेंटिंग लगानी चाहिए जिसमें वे चलती हुईं नजर आ रही हों और पीछे का बैकग्राउंड भी पॉजिटिव होना चाहिए। वास्तु के अनुसार घर में कोइ और सुनहरी मछली की तस्वीर लगाना बहुत शुभ माना जाता है। ऐसा करने से घर में हमेशा संतुलन और प्रेम बना रहता है। आप चाहें तो फिश पेंटिंग को अपने घर के लिविंग रूम में लगा सकते हैं। ऐसा करने से जातक को पैसों की तंगी से भी छुटकारा मिल सकता है।

घर के मंदिर से जुड़े इन वास्तु टिप्स का रखें ख्याल

दूर होगा दुर्भाग्य और खुलने लगेंगे तरक्की के नए रास्ते

मर मनुष्य के घर में मंदिर सबसे पवित्र स्थान होता है, जहां से सकारात्मक ऊर्जा चारों ओर फैलती है। शास्त्रों में घर के मंदिर में दिन में दो बार पूजा करने का नियम बताया गया है। ऐसा करने से मन को शांति महसूस होती है और जीवन में सकारात्मकता आने लगती है। लेकिन अगर वास्तु के अनुसार, घर का मंदिर सही दिशा में न हो या इससे जुड़ी कुछ गलतियां की गई हों, तो इससे विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। ऐसे में पूजा घर बनवाते और पूजा करते समय वास्तु के कुछ विशेष नियमों का ख्याल जरूर रखना चाहिए। इससे घर की परेशानियां दूर हो सकती हैं और परिवार के सदस्यों को जीवन में तरक्की मिल सकती है।

इस दिशा में होना चाहिए घर का मंदिर

वास्तुशास्त्र के अनुसार, घर में मंदिर बनवाते या रखते समय दिशा का ध्यान रखना सबसे जरूरी होता है। इसके लिए सबसे अच्छी दिशा उत्तर-पूर्व मानी गई है। अगर ऐसा संभव न हो तो आप घर के पूर्व या उत्तर दिशा में भी मंदिर रख सकते हैं। लेकिन कभी भी मंदिर को दक्षिण दिशा में स्थान नहीं देना चाहिए। वास्तु के अनुसार, ऐसा करने से घर में नकारात्मक ऊर्जा आकर्षित होती है और परिवार के सदस्यों को समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

मंदिर में मूर्तियां रखते समय इन बातों का रखें ध्यान

पूजा घर में भगवान की प्रतिमा या मूर्तियों को पूर्व या पश्चिम दिशा में रखना चाहिए। साथ ही, इन मूर्तियों को मंदिर की दीवार से कुछ दूरी पर रखना चाहिए। मान्यता है

कि ऐसा करने से धूप की सुगंध और सकारात्मकता मंदिर में चारों ओर फैलती है। वास्तु के नियमों का ख्याल रखकर पूजा घर बनाने से जातक को वास्तु दोष से भी छुटकारा मिल सकता है और घर में खुशनुमा माहौल बना रहता है। वहीं, मंदिर में कभी भी देवी-देवताओं की प्रतिमा को आमने-सामने नहीं रखना चाहिए। ऐसा करना शुभ नहीं माना जाता है।

मंदिर में भूलकर भी न कराएं ऐसे रंग

अपने पूजा घर में पेंट कराते समय या मंदिर घर लाते समय रंग का विशेष ध्यान जरूर देना चाहिए। वास्तु के अनुसार, कभी भी मंदिर में तेज और काले, नीले आदि जैसे डार्क पेंट नहीं करवाना चाहिए। ऐसा करने से घर में नकारात्मकता फैल सकती है। इसकी बजाए आप मंदिर में सफेद, हल्का पीला, आदि कलर करा सकते हैं। इन रंगों से घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है परिवार के बीच शांतिपूर्ण माहौल बना रहता है।

इस स्थान पर रखें पूजा का सामान

घर के मंदिर में पूजा का सामान रखने के लिए भी वास्तु में सही दिशा और स्थान बताया गया है। इसका ख्याल जरूर रखना चाहिए। मान्यता है कि धूप, दीपक, तेल, धार्मिक किताबें आदि को मंदिर में पश्चिम दीवार की ओर रखना चाहिए। लेकिन भूलकर भी कोई भी सामान मूर्तियों के ऊपर वाले स्थान पर नहीं रखना चाहिए। साथ ही, मंदिर को ऐसे स्थान पर रखना चाहिए जहां से पर्याप्त मात्रा में धूप की रोशनी अंदर पड़ती हो। इस प्रकार घर में मंदिर रखने से आपके जीवन से दुर्भाग्य दूर हो सकता है और कार्यों में आ रही बाधाएं भी धीरे-धीरे नष्ट हो सकती हैं।

पूजा घर की नियमित सफाई है बेहद जरूरी

वास्तु के अनुसार, कभी भी पूजा घर में गंदगी नहीं जमा होनी चाहिए। इससे जातक को विपरीत प्रभावों का सामना करना पड़ सकता है। ऐसे में मंदिर और भगवान की प्रतिमा को नियमित रूप से साफ करना चाहिए। साथ ही, पूजा घर में गलती से भी खंडित मूर्तियों को नहीं रखना चाहिए। ऐसा करना शुभ नहीं माना जाता है। अगर आप घर के मंदिर से जुड़े इन वास्तु नियमों का ख्याल रखते हैं, तो इससे गृह क्लेश से मुक्ति मिलती है, परिवार के बीच प्रेम बना रहता है और जीवन में तरक्की के नए रास्ते भी खुल सकते हैं।

हाथ की इन तीन रेखाओं के बारे में जानने वाला, समझने लगता है भविष्य के संकेत

जब तक कोई अनुभव हमारी इंद्रियों या अंतर्मन से न जुड़ जाए, तब तक उस पर विश्वास करना कठिन होता है, यही कारण है कि दुनिया में आस्तिक और नास्तिक जैसी दो विचारधाराएं हैं। ये दोनों विचारधाराएं एक-दूसरे से भिन्न होते हुए भी गहराई में जाकर देखे जाएं तो एक-दूसरे पर अन्योन्याश्रित हैं। मानव की जिज्ञासा और उसकी आस्था तथा निराशा के बीच ज्योतिष शास्त्र, हस्तरेखा विज्ञान एक अनोखा सेतु है।हथेली की रेखाएँ व्यक्ति की प्रवृत्तियों, क्षमताओं और स्वभाव की गुप्त चाबी हैं। जैसे जन्मकुण्डली में ग्रह संकेत रूप में व्यक्ति के बारे में सब कुछ बता देते हैं, उसी प्रकार से हाथों की लकीरें बहुत सारे रहस्यों का पर्दाफाश करती हैं। इसलिए प्राचीन ऋषियों से लेकर आधुनिक विद्वानों तक, हर युग में ज्योतिष शास्त्र के अन्तर्गत हस्तरेखा तथा जन्मकुण्डली विज्ञान, मानव स्वभाव और नियति को समझने का एक सशक्त माध्यम है।

अध्यात्मिकवेत्ताओं के अनुसार ब्रह्मांड के सारे नियम मनुष्य के जीवन पर भी लागू होते हैं। ज्योतिष शास्त्र कार्य-कारण सिद्धांत के अनुसार चलता है। जैसे किसी बीज में भविष्य का पेड़ छिपा होता है, वैसे ही किसी व्यक्ति की हथेली और उसकी जन्मकुण्डली में उसका भविष्य और व्यक्तित्व की दिशा अंकित होती है।ज्योतिष शास्त्र, हस्तरेखा, जन्मकुण्डली इत्यादि के द्वारा दिए गए मार्गदर्शन को केवल भविष्यवाणी तक ही सीमित नहीं करना चाहिए, बल्कि ये प्रकृति द्वारा जीवन में दी गई अनन्त संभावनाओं को पहचानने का माध्यम है। अनन्त सम्भावनाओं में से व्यक्ति अपने लिए, अपनी सफलता के लिए सम्भावनाओं का चयन कर उस पर दृढ़ विश्वास के साथ आगे बढ़ अपना भविष्य बना सकता है।

मस्तिष्क रेखा है व्यक्ति की मानसिकता का दर्पण - मस्तिष्क रेखा हथेली में व्यक्ति की बुद्धि, विचार शक्ति और मानसिक प्रवृत्ति को दर्शाती है।

हृदय रेखा है स्नेह और भावनाओं की पहचान - हृदय रेखा प्रेम, करुणा और भावनात्मक जुड़ाव का प्रतीक है।

जीवन रेखा है जीवन शक्ति और आयु का संकेत - जीवन रेखा व्यक्ति की आयु, जीवनशक्ति और स्वास्थ्य को दर्शाती है।

हथेली की तीन रेखाओं को विस्तार से जानने वाला भविष्य की दिशा समझने लगता है।

सपने में दिख रही सुंदर महिला तो पलटने वाली है आपकी किस्मत, जानें शुभ होगा या अशुभ?

रात के वक्त सोते समय नींद में लोगों को अकसर कई तरह के सपने आते हैं। सुबह उठने के बाद कुछ लोगों को सपने याद रहते हैं और कुछ लोग इसे भूल जाते हैं। स्वप्न शास्त्र के अनुसार नींद में आने वाले हर सपने का कुछ न कुछ अर्थ जरूर होता है। ये सपने सिर्फ हमारी कल्पना भर नहीं होते, बल्कि हमारे भविष्य से जुड़े गहरे संकेत भी होते हैं। वहीं, इनमें से कुछ सपने किसी के लिए शुभ तो किसी के लिए अशुभ हो सकते हैं। सपनों में दिखाई देने वाले व्यक्ति और घटनाएं हमारे भविष्य और वर्तमान से गहराई से जुड़ी होती हैं। कुछ सपने शुभ फल देने वाले होते हैं, जो आने वाले समय में सफलता और धन लाभ का संकेत देते हैं, जबकि कुछ सपने विपरीत परिस्थितियों और संकट की ओर इशारा करते हैं। जैसे सपने में खुद को दुल्हे के रूप में देखना आने वाली किसी बड़ी विपत्ति की ओर इशारा करता है।

रात को आने वाले सपने शुभ या अशुभ?

स्वप्न शास्त्र कहता है कि सपनों में दिखाई देने वाली चीजें हमारे वर्तमान और आने वाले समय से जुड़ी होती हैं। इसलिए सपनों को कभी भी हल्के में नहीं लेना चाहिए। ये सपने हमारे जीवन में घटने वाली घटनाओं के पूर्व संकेत हो सकते हैं। वहीं, इनमें से कुछ सपने किसी के लिए शुभ तो किसी के लिए अशुभ हो सकते हैं। कुछ सपने सीधे तौर पर भविष्य से जुड़े होते हैं, जबकि ज्यादातर सपने आपकी दिनचर्या या तनाव का प्रतिबिंब हो सकते हैं।

सुबह आने वाले सपनों का मतलब?

सपनों के माध्यम से जीवन में आने वाली खुशियों या परेशानियों का पहले से ही अंदाजा लगाया जा सकता है। यदि इन संकेतों को समय रहते समझ लिया जाए तो कई तरह की कठिनाइयों से बचा जा सकता है। माना जाता है कि सुबह 4 बजे से 6 बजे के बीच आने वाले सपने सच होते हैं और उनका आपके जीवन पर अच्छा या बुरा प्रभाव पड़ सकता है।

सपने में सुंदर महिला को देखना?

स्वप्न शास्त्र के अनुसार, सपने में सुंदर और सजी-धजी महिला का दिखना शुभता और समृद्धि का संकेत माना जाता है। यह संकेत देता है कि आपके जीवन में जल्द ही धन, सुख और समृद्धि आने वाली है। माना जाता है कि आपके घर पर जल्द ही मां लक्ष्मी का आगमन होने वाला है।

सपने में आभूषण धारण किए महिला को देखना?

अगर सपने में कोई महिला आभूषण धारण किए हुए दिखती है, तो इसका अर्थ है कि आपके रुके हुए काम पूरे होने वाले हैं। स्वप्न शास्त्र के अनुसार यह सपना बताता है कि आपको जल्द ही सफलता मिलने वाली है। अगर दीवाली के आसपास आप ये सपना देखते हैं तो ये आपके लिए सोने पर सुहागा होने वाला है।

टीम इंडिया की जीत पर झूमे सेलेब्स, श्रद्धा कपूर बोलीं

1983 वाला पल देने के लिए शुक्रिया

2 नवंबर 2025 देशवासियों के लिए बहुत खास रहा। ये दिन भारतीय क्रिकेट इतिहास में हमेशा के लिए अंकित हो गया है, क्योंकि इसी दिन महिला क्रिकेट टीम ने अपना पहला खउउ महिला विश्व कप ट्रॉफी जीत लिया है। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारत ने नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेले गए फाइनल में साउथ अफ्रीका को 52 रनों से हराकर विश्व कप जीता और 52 साल का लंबा इंतजार खत्म किया। इस खास मौके पर बॉलीवुड सेलेब्स भी जश्न में डूब गए हैं। अनुष्का शर्मा से लेकर प्रियंका चोपड़ा, श्रद्धा कपूर और कियारा आडवाणी तक, सभी ने सोशल मीडिया पर बधाई दी है।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की इस ऐतिहासिक जीत से बॉलीवुड में गर्व की लहर दौड़ गई। फेमस हस्तियों ने सोशल मीडिया पर टीम इंडिया की इस शानदार उपलब्धि का जश्न मनाया।

अभिषेक बच्चन ने कहा– शाबाश लेडीज

अभिषेक बच्चन सबसे पहले रिएक्शन देने वालों में से थे, उन्होंने लिखा, 'कम ऑन!!!! इंडिया!!! विश्व चैंपियन। शाबाश देवियों।' प्रियंका चोपड़ा ने एक भावुक नोट साझा करते हुए कहा, 'मैं नीले रंग के नायकों को देखते हुए बड़ी हुई हूं... आज रात, वे सभी उनकी तरह दिख रहे हैं। विश्व चैंपियन। बधाई हो टीम इंडिया।'

अनुष्का शर्मा ने दी बधाई

अनुष्का शर्मा लिखती हैं, 'आप चैंपियन!! कितनी महत्वपूर्ण उपलब्धि।' कियारा आडवाणी ने भी इसी भावना को दोहराते हुए कहा, 'क्या अविश्वसनीय क्षण है, आपने इतिहास रच दिया!!! हमारी महिला खिलाड़ियों को बधाई।'

श्रद्धा कपूर का पोस्ट

श्रद्धा कपूर की भावुक पोस्ट लाखों लोगों की भावनाओं को दर्शाती है। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, दशकों से, सिर्फ माता-पिता सुनते हैं कि 1983 कैसा लगा। हमें हमारा ये वाला पल देने के लिए शुक्रिया लड़कियों। यह पीढ़ियों के लिए है।'

अजय देवगन ने कहा– ऐसी रात कभी नहीं भूलेंगे

अजय देवगन ने टीम के साहस और दृढ़ संकल्प की सराहना करते हुए कहा, 'एक ऐसी रात जिसे हम कभी नहीं भूलेंगे। शुक्रिया, चैंपियंस। इस टीम ने दुनिया को दिखा दिया है कि सच्चा साहस और विश्वास क्या कर सकता है!'

सुनील शेट्टी ने कहा– पसीना, हौसला और हिम्मत

सुनील शेट्टी ने लिखा, 'पसीना। हौसला। हिम्मत। निश्छल दिल। और इसी तरह इतिहास को एक नई चमक मिली! हमारी महिलाएं गौरव के पीछे नहीं भागीं, बल्कि उसे अपना लिया। हर छोटी बच्ची जिसके पास सपने हैं, और हर एक भारतीय जो जोर से कह रहा है – हम विश्व विजेता हैं।'

राजामौली को भी गर्व

फिल्म निर्माता एसएस राजामौली ने एक्स पर अपनी खुशी व्यक्त करते हुए लिखा, 'विश्व की चैंपियन! हमारी महिला खिलाड़ियों ने कर दिखाया! दीप्ति की हरफनमौला प्रतिभा और शैफाली की विस्फोटक बल्लेबाजी ने गौरव की राह प्रशस्त की। हर भारतीय का दिल गर्व से भर गया है!'

'इतिहास रच दिया'

अभिनेता-फिल्म निर्माता फरहान अख्तर भी जश्न में शामिल हुए और उन्होंने पोस्ट किया, 'इतिहास रच दिया! हमारी नीली जर्सी वाली लड़कियों को बधाई। चैंपियन की तरह बल्लेबाजी और गेंदबाजी की और अब... वे विश्व चैंपियन हैं! क्या खेल था! एक बेहतरीन टीम प्रदर्शन। चलिए, जश्न शुरू करते हैं...।'

टिस्का चोपड़ा के वो किरदार, जिन्होंने दर्शकों के दिलों पर छोड़ी गहरी छाप

अभिनेत्री और निर्देशक टिस्का चोपड़ा खूबसूरती के साथ-साथ मजबूत किरदारों के लिए भी जानी जाती हैं। एक्ट्रेस ने बहुत सारी फिल्मों और वेब सीरीज में काम किया है, लेकिन उनके कुछ किरदार ऐसे थे जिन्होंने दर्शकों के दिलों पर अपनी छाप छोड़ दी। आइए टिस्का के बेमिसाल और यादगार किरदारों के बारे में जानते हैं। 2023 में आई 'हिट: द थर्ड केस' एक तेलुगु क्राइम थ्रिलर फिल्म है, जिसमें लीड रोल में सुपरस्टार नानी को देखा गया। फिल्म में उन्होंने एडीजीपी कर्णिका आहूजा का रोल प्ले किया था, जिसमें वो खौफनाक और हत्यारे गैंग को पकड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इस रोल में टिस्का की संजीदगी से भरी एक्टिंग को खूब पसंद किया गया था।

2022 में आई टीवी सीरीज 'दहन: रकन का रहस्य' में आईएएस ऑफिसर अवनि राउत का किरदार निभाया था। अवनि राउत एक जिद्दी और अपने फर्ज को मानने वाली ऑफिसर हैं और विज्ञान पर यकीन करती हैं, लेकिन सुपरनेचुरल ताकतों से सामना होने के बाद उनका नजरिया बिल्कुल बदल जाता है।

करीना कपूर और अक्षय कुमार स्टारर कॉमेडी फिल्म 'गुड न्यूज़' (2019) में टिस्का चोपड़ा ने फर्टिलिटी डॉक्टर डॉ. संध्या जोशी का रोल निभाया था। फिल्म में उनकी कॉमेडी टाइमिंग और ह्यूमर को काफी पसंद किया गया था, लेकिन फिल्म के आखिर में उनका किरदार बेहद संजीदा हो गया।

2015 में आई फिल्म 'रहस्य' में टिस्का चोपड़ा ने आरती महाजन नाम की महिला का रोल प्ले किया है, जिन्हें अपनी ही बेटी के मर्डर केस में फंसाने की कोशिश की जाती है। इस फिल्म में टिस्का का अभिनय इतना जोरदार था कि उन्हें बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड मिला था। 2007 में आई फिल्म 'तारे जमीन पर' ने बॉक्स ऑफिस के सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए थे। फिल्म में आमिर खान भी थे और टिस्का ने ईशान की मां माया अवस्थी का रोल प्ले किया था। फिल्म में एक्ट्रेस ने सामाजिक स्तर के दबाव और मानसिक बीमारी से जूझ रहे बच्चे के संघर्ष के बीच पुल बनने वाली मां का रोल प्ले किया, जो सभी मां के लिए प्रेरणादायक है।

ए.आर. रहमान के संगीत पर फिल्ममेकर ईशा छाबड़ा ने किया कमाल, गुलिस्तान चले से जीता दिल

अमेरिका में फिल्म मेकिंग की पढ़ाई कर रहीं युवा फिल्ममेकर ईशा छाबड़ा ने अपने नवीनतम प्रोजेक्ट, 'गुलिस्तान चले' म्यूजिक वीडियो के साथ सिनेमा की दुनिया में एक शानदार दस्तक दी है। इस विजुअली स्टनिंग वीडियो में ईशा ने न केवल निर्देशन किया है, बल्कि इसमें अभिनय भी किया है। इस प्रोजेक्ट को दिग्गज संगीतकार ए.आर. रहमान ने कंपोज किया है, उन्होंने ही इसे गाया है और इसके बोल लिखे हैं। यह म्यूजिक वीडियो अब ग्लोबल ग्लो फिल्म्स के यूट्यूब चैनल पर स्ट्रीम हो रहा है और अपनी कलात्मक परिपक्वता और भावनात्मक गहराई के लिए खूब प्रशंसा बटोर रहा है। 'गुलिस्तान चले' वीडियो में ईशा छाबड़ा की परिष्कृत सिनेमाई संवेद-नशीलता और रहमान के भावपूर्ण साउंडस्केप का अद्भुत मेल देखने को मिलता है। ईशा की सबसे खास बात उनकी दृश्य कविता (तर्ळीरिश्र झेशीी) के माध्यम से कच्चे मानवीय भावों को व्यक्त करने की क्षमता है। एक स्टूडेंट फिल्ममेकर होने के बावजूद, उनका निर्देशन और ऑन-स्क्रीन प्रदर्शन उल्लेखनीय आत्मविश्वास, सौंदर्यपरक सटीकता और दृश्य कहानी कहने में लय की गहरी समझ को दर्शाता है। यह प्रोजेक्ट ईशा की अंतर्राष्ट्रीय ट्रेनिंग और दिल को छू लेने वाली भारतीय कहानी कहने की कला का मिश्रण है। अपनी प्रेरणा के बारे में बात करते हुए, ईशा छाबड़ा ने कहा: यह प्रोजेक्ट संवाद के बजाय भावनात्मक तरीके से कहानियाँ कहने की मेरी इच्छा से पैदा हुआ था। कैमरे के पीछे और सामने दोनों जगह काम करना एक पुरस्कृत चुनौती थी।

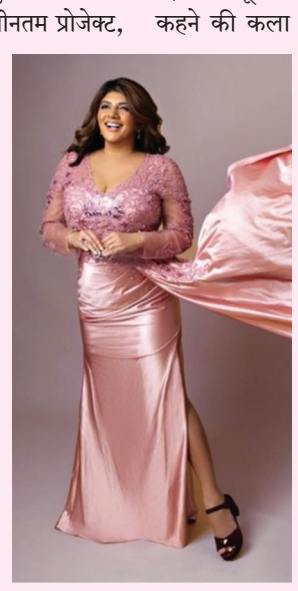

ए.आर. रहमान के संगीत ने हर फ्रेम को जीवंत कर दिया, जिसने इस अनुभव को अविस्मरणीय बना दिया। मैं ए.आर.आर. के मार्गदर्शन के लिए आभारी हूँ और ग्लोबल ग्लो फिल्म्स द्वारा निर्मित इस खूबसूरत गीत का हिस्सा बनकर धन्य हूँ। संगीत ारशीी ए.आर. रहमान ने इस प्रोजेक्ट में अपनी सिग्नेचर भावनात्मक गहराई लाई है। उनकी खूबसूरत धुनें और आत्मनिरीक्षण वाले बोल फिल्म में आत्मा भरते हैं, इसे एक साधारण म्यूजिक वीडियो से उठाकर एक चलती-फिरती सिनेमाई अनुभव बनाते हैं। 'गुलिस्तान चले' ईशा छाबड़ा को एक रोमांचक युवा फिल्ममेकर-अभिनेत्री के रूप में स्थापित करता है, जो वैश्विक सौंदर्यशास्त्र को भारतीय सिनेमा के भावनात्मक सार के साथ जोड़ती हैं।

46 की उर्वशी ढोलकिया ने ढाया कहर

कोमोलिका के नाम से घर-घर फेमस हुईं उर्वशी ढोलकिया 46 की उम्र में भी कहर बरपाती हैं। भले ही वह 27-28 साल के बेटों की मां हैं लेकिन ग्लैमर में कोई कमी नहीं। उनकी दिलकश अदा का हर कोई दीवाना है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक बार फिर से पारा बढ़ा दिया है। सर्दी में गर्मी का एहसास करा दिया है। उनकी लेटेस्ट बिकिनी फोटोज तेजी से वायरल हो रही हैं।

उर्वशी ढोलकिया ने इंस्टाग्राम पर 2 नवंबर को अपनी कुछ फोटोज शेयर कीं, जो कि समंदर किनारे की थीं। वहां वह बिकिनी में अलग-अलग पोज देती दिखाई दीं। साथ ही उनके पेट पर वो स्क्रैच मार्क्स ने भी सबका ध्यान खींचा। कभी वह कुर्सी पर इठलाती दिखीं तो कभी पानी में आग लगाती नजर आईं।उर्वशी ढोलकिया ने कैप्शन में खुद को वॉटर बेबी बताया है। उनकी फोटोज पर उनके बेटे क्षितिज ढोलकिया ने कमेंक किया, 'ये स्ट्रेच मार्क्स ताकत, जीवन और प्यार की कहानी बयां करते हैं। मुझे उस महिला पर गर्व है जो इन्हें खूबसूरती से पहनती है।' वहीं अरिजीत तनेदा, रोहित वर्मा, निशा रावल समेत अन्य ने रेड हार्ट और फायर इमोजी के जरिए एक्ट्रेस की तारीफ की है।

वहीं फैंस ने भी वाहवाही की। एक ने लिखा, 'कौन बो-लेगा इनके इतने बड़े बेटे हैं ये तो अपनी बहुओं को भी कॉम्प्लेक्स दे दे।' एक ने लिखा, 'मैं तुम्हें देखते हुए बड़ा हुआ, मैं बूढ़ा हो गया और तुम अभी भी जवान हो।' एक ने लिखा, 'क्या खुद को मेंटन किया है।' एक ने लिखा, 'वो स्ट्रेज मार्क्स कहता है हे मम्मा।' एक ने लिखा, 'आपने इस सडे को तो एकदम गर्म बना दिया।

फराह खान की यूट्यूब से हो रही छप्परफाड़ कमाई, बोलीं

मैंने सबसे ज्यादा पैसा दिलीप के साथ व्लॉगिंग से कमाया

फराह खान ने कुछ महीने पहले अपना यूट्यूब चैनल शुरू किया था और कुक दिलीप के साथ व्लॉगिंग करने लगीं। देखते ही देखते उनके व्लॉग्स फेमस हो गए और दिलीप भी स्टार बन गया। अब तो फराह के यूट्यूब चैनल पर 2.4 मिलियन सब्सक्राइबर्स हैं। फराह के व्लॉग्स न सिर्फ पॉपुलर हुए हैं, बल्कि उनसे वह छप्परफाड़ कमाई कर रही हैं। फराह ने हाल ही सानिया मिर्जा के पॉडकास्ट में इस बारे में बात की।

फराह खान ने बताया कि कंटेंट क्रिएशन ने उनकी कमाई को और अधिक बढ़ा दिया है। बल्कि उन्होंने फिल्में डायरेक्ट करके इतना पैसा नहीं कमाया, जितना यूट्यूब से कमाया। जब सानिया मिर्जा ने फराह से कोरियोग्राफी, कंटेंट क्रिएशन और डायरेक्शन में से किसी एक को चुनने को कहा, तो फराह बोलीं, 'मुझे तो बस एक ही चुनना है? तो, सबसे ज्यादा पैसा कंटेंट क्रिएशन में है।'

फराह खान ने डायरेक्ट कीं ये फिल्में, पिछली फिल्म ने कमाए थे 383 करोड़ रुपये

यह सुनकर सानिया हैरान रह गईं और कहा कि ये वो बोल रही हैं, जिन्होंने 300 करोड़ रुपये की फिल्म बनाई है। मालूम हो कि फराह की पिछली डायरेक्टेड फिल्म 'हैप्पी न्यू ईयर' थी, जिसने बॉक्स ऑफिस पर 383 करोड़ रुपये कमाए थे। यह 2014 में आई थी। उससे चार साल पहले फराह ने अक्षय कुमार और कटरीना कैफ स्टारर 'तीस मार खां' डायरेक्ट की थी, जो बुरी तरह फ्लॉप रही। फराह ने 'ओम शांति ओम' और 'मैं हू ना' भी डायरेक्ट कीं, जो हिट रहीं।

11 साल से नहीं डायरेक्ट की फिल्म, फिर भी बंपर कमाई कर रहीं फराह

फराह ने 11 साल से कोई फिल्म डायरेक्ट नहीं की है। वह रियलिटी शोज और अब यूट्यूब चैनल से बंपर कमाई कर रही हैं। फराह ने फिर 300 करोड़ की फिल्म की बात सुनकर कहा, 'नहीं, पर्सनली मैंने कंटेंट क्रिएशन में सबसे ज्यादा पैसा कमाया है। लेकिन अगर आप मुझसे पूछें कि मैं क्या करना चाहती हूं, तो मैं डायरेक्शन करना चाहूंगी। यही मेरा काम है।'

फराह ने राखी को दिखाया था अपना घर, दिलीप की कमाई पर यह थीं बोली

फराह खान के लेटेस्ट व्लॉग की बात करें, तो उसमें राखी सावंत नजर आई थीं। फराह ने राखी को घर बुलाया था और साथ में डिश बनाई। तब फराह ने अपना अपार्टमेंट दिखाते हुए बताया था कि यह तीन मंजिला है, जिसमें सात बेडरूम, एक पर्सनल लिफ्ट और एक स्विमिंग पूल है। जो पर्सनल लिफ्ट है, वह सीधे उनके घर में खुलती है।'

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज के दिन आराम करना ज़रूरी साबित होगा, क्योंकि आप हाल के दिनों में भारी मानसिक दबाव से गुज़रे हैं। घर के किसी सदस्य के व्यवहार की वजह से आप परेशान रह सकते हैं। आपको उनसे बात करने की जरुरत है। आप अनुभव करेंगे कि आपके प्रिय का आपके प्रति प्यार वाक़ई बहुत गहरा है। यह दूसरे देशों में व्यावसायिक सम्पर्क बनाने का बेहतरीन समय है। अपने जरुरी कामों को निपटाकर आज आप अपने लिए समय तो अवश्य निकालेंगे लेकिन इस समय का उपयोग आप अपने हिसाब से नहीं कर पाएंगे। जीवनसाथी की मासूमियत आपके दिन को ख़ास बना सकती है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

दूसरों को प्रभावित करने के लिए ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्चा न करें।
बहन का स्नेह आपको प्रोत्साहन देगा। लेकिन छोटी–मोटी बातों पर आपा खोने से बचें, क्योंकि इससे आपके हितों को नुक़सान पहुँचेगा। अपने प्रिय के बिना समय बिताने में दिक़्क़त महसूस करेंगे। अगर आप सीधा जवाब नहीं देंगे तो आपके सहयोगी आपसे नाराज़ हो सकते हैं। हितकारी ग्रह कई ऐसे कारण पैदा करेंगे, जिनकी वजह से आज आप ख़ुशी महसूस करेंगे। अलग–अलग नज़रिए के चलते आपके और आपके जीवनसाथी के बीच वाद–विवाद हो सकता है।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ङ,छ,के,को,ह

आपका कोई पुराना मित्र आज कारोबार में मुनाफा कमाने के लिए आपको सलाह दे सकता है, अगर इस सलाह पर आप अमल करते हैं तो आपको धन लाभ जरुर होगा। आपको अपनी हार से कुछ सबक़ सीखने की ज़रूरत है, क्योंकि आज अपने दिल की बात ज़ाहिर करने से नुक़सान भी हो सकता है। आपके मानवीय मूल्य और सकारात्मक रवैया करिअर के मोर्चे पर आपको सफलता दिलाएंगे। आंतरिक गुण जहाँ आपको संतोष देंगे, वहीं सकारात्मक सोच क़ामयाबी देगी। परोपकार और सामाजिक कार्य आज आपको आकर्षित करेंगे।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

अपने खान–पान का विशेष ध्यान रखें। बच्चों का स्कूल से जुड़ा काम पूरा करने के लिए मदद देने का वक़्त है। आप महसूस करेंगे कि प्यार में बहुत गहराई है और आपका प्रिय आपको सदा बहुत प्यार करेगा। रचनात्मक काम में लगे लोगों के लिए सफलता से भरा दिन है, उन्हें वह शौहरत और पहचान मिलेगी जिसकी उन्हें एक अरसे से तलाश थी। शाम के वक्त आज आप किसी करीबी के घर वक्त बिताने जा सकते हैं लेकिन इस दौरान आपको उनकी कोई बात बुरी लग सकती है और आप तय समय से पहले वापस लौट सकते हैं ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

ध्यान से सुकून मिलेगा। आर्थिक तौर पर बेहतरी के चलते आपके लिए ज़रूरी चीज़ें ख़रीदना आसान होगा। अपने परिवार के सदस्यों की भावनाओं को आहत करने से बचने के लिए अपने गुस्से पर क़ाबू रखिए। आज के दिन आप सबके ध्यान का केंद्र होंगे और सफलता आपकी पहुँच में होगी। इस राशि के लोगों को आज अपने आप को समझने की जरुरत है। यदि आपको लगता है कि आप दुनिया की भीड़ में कहीं खो गये हैं तो अपने लिए वक्त निकालें और अपने व्यक्तित्व का आकलन करें। अपने जीवनसाथी के चलते आप महसूस करेंगे कि स्वर्ग धरती पर ही है।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

अगर आप घर से बाहर रहकर जॉब या पढ़ाई करते हैं तो ऐसे लोगों से दूर रहना सीखें जो आपका धन और समय बर्बाद करते हैं। अपनी महत्वाकांक्षाओं को माता–पिता को बतलाने का सही समय है। वे आपको सहयोग देंगे। आपको भी ध्यान केंद्रित कर कड़ी मेहनत करने की ज़रूरत है। ऐसे लोगों से साथ जुड़ें जो स्थापित हैं और भविष्य के रुझानों को समझने में आपकी मदद कर सकते हैं। अपने मन पर काबू रखना सीखें क्योंकि कई बार आप मन की मानकर अपना कीमती समय बर्बाद कर देते हैं। आज भी आप ऐसा कुछ कर सकते हैं।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

कार्यक्षेत्र में वरिष्ठों का दबाव और घर में अनबन के चलते आपको तनाव का सामना करना पड़ सकता है– जो काम में आपकी एकाग्रता को भंग करेगा। लम्बे अरसे को मद्देनज़र रखते हुए निवेश करें। सही दिशा में ईमानदारी से उठाए गए क़दम निश्चित तौर पर लाभ देंगे। अपने मन पर काबू रखना सीखें क्योंकि कई बार आप मन की मानकर अपना कीमती समय बर्बाद कर देते हैं। आज भी आप ऐसा कुछ कर सकते हैं। जन्मदिन भूलने जैसी किसी छोटी–सी बात को लेकर जीवनसाथी से तक़रार मुमकिन है। लेकिन अन्ततः सब ठीक हो जाएगा।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज आपकी सेहत पूरी तरह अच्छी रहेगी। जो लोग लघु उद्योग करते हैं उन्हें आज के दिन अपने किसी करीबी की कोई सलाह मिल सकती है जिससे उन्हें आर्थिक लाभ होने की संभावना है। ऐसे विवादास्पद मुद्दों पर बहस करने से बचें, जो आपके और प्रियजनों के बीच गतिरोध पैदा कर सकते हैं। कुछ लोगों को कार्यक्षेत्र में तरक़्क़ी मिलेगी। वक्त की नाजाकत को समझते हुए आज आप सब लोगों से दूरी बनाकर एकांत में वक्त बिताना पसंद करेंगे। ऐसा करना आपके लिए हितकर भी होगा।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज के दिन आपको आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता हैं , मुमकिन है कि आप ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्च करें , आपके जीवन–साथी की लापरवाही संबंधों में दूरी बढ़ा सकती है। दफ़्तर की राजनीति हो या फिर कोई विवाद, चीज़ें आपके पक्ष में झुकी नज़र आएंगी। आज समय की नजाकत को देखते हुए आप अपने लिए समय निकाल सकते हैं लेकिन ऑफिस के किसी काम के अचानक आ जाने के कारण आप ऐसा करने में सफल नहीं हो पाएँगे। आपके जीवनसाथी की ओर से मिला कोई ख़ास तोहफ़ा मिल सकता है ।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज के दिन आप बिना झंझट विश्राम कर सकेंगे। अगर आप आय में वृद्धि के स्रोत खोज रहे हैं, तो सुरक्षित आर्थिक परियोजनाओं में निवेश करें। दोस्त शाम के लिए कोई बढ़िया योजना बनाकर आपका दिन ख़ुशनुमा कर देंगे। यह उन उम्दा दिनों में से एक दिन है जब कार्यक्षेत्र में आप अच्छा महसूस करेंगे। आज आपके सहकर्मी आपके काम की तारीफ करेंगे और आपका बॉस भी आपके काम से खुश होगा। कारोबारी भी आज कारोबार में मुनाफा कमा सकते हैं। अपने किस मित्र के साथ आज समय बिता सकते हैं पूर्णरूपेण सहयोग न मिलने के कारण आप निराश भी हो सकते हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

अगर आप बहुत ज़्यादा तनाव महसूस कर रहे हैं, तो बच्चों के साथ अधिक समय बिताएँ। आज यदि आप अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने जा रहे हैं तो पैसा सोच समझकर खर्च करें। धन हानि हो सकती है। दिन के उत्तरार्ध में अचानक आई कोई अच्छी ख़बर पूरे परिवार को ख़ुशी देगी। अचानक मिला कोई सुखद संदेश नींद में आपको मीठे सपने देगा। कामकाज में थोड़ी मुश्किल के बाद आपको दिन में कुछ अच्छा देखने को मिल सकता है। परन्तु ऑफिस के किसी काम के अचानक आ जाने के कारण आप ऐसा अनुभव नहीं कर पाएंगे ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

खुला हुआ सामान न खाएँ, नहीं तो सेहत डांवाडोल हो सकती है। यात्रा आपको थकाने और तनाव देगी– लेकिन आर्थिक तौर पर फ़ायदेमंद साबित होगी। घरेलू ज़िन्दगी में कुछ तनाव का सामना करना पड़ सकता है। मुहब्बत और रोमांस आपको ख़ुशमिज़ाज रखेंगे। अगर आप अपना ज्ञान और अनुभव औरों के साथ बाटेंगे, तो निश्चय ही आपको प्रतिष्ठा मिलेगी। आज आपके पास लोगों से मिलने–जुलने का और अपने शौक़ पूरे करने का पर्याप्त खाली वक़्त है। आज आप अपने जीवनसाथी के साथ सैर–सपाटे का मज़ा ले सकते हैं। साथ में समय गुज़ारने का यह बढ़िया मौक़ा है।

मंगलवार का पंचांग

दिनांक : 04 नवंबर 2025, मंगलवार
विक्रम संवत : 2082
मास : कार्तिक , शुक्ल पक्ष
तिथि : चतुर्दशी रात्रि 10:37 तक
नक्षत्र : रेवती दोपहर 12:35 तक
योग : वज्र सायं 03:42 तक
करण : गर दोपहर 12:35 तक
चन्द्रराशि : मीन दोपहर 12:35 तक
सूर्योदय : 06:15, सूर्यास्त 05:43 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:14 , सूर्यास्त 05:52 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:07 , सूर्यास्त 05:44 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:06, सूर्यास्त 05:35 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : वैकुंठ चतुर्दशी, भद्रा रात्रि 10:37 से , पंचक दोपहर 12:35 तक , गण्डमूल चालू है,कार्तिक मासे दीप–दानम् विशेष:

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, तेलं–
गाना.9246159232, 9866165126
Chidamber011@gmail.com

अधिकारी लोगों की परिवेदनाओं को प्राथमिकता से करें निस्तारित : भजनलाल शर्मा

जयपुर, 03 नवंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल एवं दूरदर्शी नेतृत्व में राज्य सरकार पं. दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के संकल्प को साकार करने में जुटी हुई है। आमजन से जुड़ी प्रत्येक समस्या का प्राथमिकता से निस्तारण कर अंतिम छोर पर बैठे व्यक्ति तक त्वरित राहत प्रदान की जा रही है। मुख्यमंत्री द्वारा नियमित रूप से की जा रही जनसुनवाई भी इसी दिशा में एक सार्थक कदम है। इसके माध्यम से मुख्यमंत्री परिवादियों से सीधा संवाद कर उनकी परिवेदनाओं का मौके पर ही निस्तारण कर रहे हैं। शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री निवास पर नियमित जनसुनवाई की। उन्होंने जनसुनवाई में आई महिलाओं, बुजुर्गों एवं दिव्यांगजनों की समस्याओं को सबसे पहले सुना और अधिकारियों को उनकी परिवेदन–ाओं के शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए। शर्मा ने जनसुनवाई में आए लोगों की कई समस्याओं का संतोषजनक निस्तारण किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनसुनवाई में परिवादी अपनी समस्या के समाधान के लिए प्रशासन से बड़ी उम्मीद रखते हैं। ऐसे में अधिकारी उनकी समस्याओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए समयबद्ध निस्तारण करें तथा अधिकारी पारदर्शिता एवं जवाबदेहिता से काम करते हुए लोगों को राहत दें। उन्होंने ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि अधिकारी नियमित रूप से स्थानीय स्तर पर जनसुनवाई करें तथा आमजन से जुड़ी प्रत्येक समस्या का निस्तारण प्राथमिकता से हो। सिलिकोसिस ग्रस्त रामअवतार का बनेगा सर्टिफिकेट, मिलेगा योजना का लाभ सिकराय के नरेन्द्र के बड़े भाई रामअवतार सिलिकोसिस बीमारी से पीड़ित हैं, जिनका सिलिकोसिस कार्ड नहीं बनने से योजनाओं का लाभ नहीं मिल रहा है। इस संबंध में नरेन्द्र ने जब मुख्यमंत्री के सामने यह पीड़ा रखी, तो शर्मा ने तुरंत अधिकारियों को रामअवतार का सिलिकोसिस कार्ड बनवाने के निर्देश दिए। नरेन्द्र ने अपनी समस्या के समाधान पर मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।

घर–घर होगा सत्यापन: भाजपा ने मतदाता पुनरीक्षण अभियान को लेकर कसी कमर

कोटा, 03 नवंबर (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने भारत निर्वाचन आयोग द्वारा घोषित 'मतदाता सूचियों के शुद्धिकरण' के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (डखठ) को लेकर अपनी तैयारियों को तेज कर दिया है। इसी संबंध में जयपुर में भाजपा की प्रदेश स्तरीय कार्यशाला संपन्न हुई, जिसमें कोटा जिले से भी कई प्रमुख पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि शामिल हुए। भाजपा जिलाध्यक्ष राकेश जैन ने बताया कि कार्यशाला में ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर, कोटा दक्षिण विधायक संदीप शर्मा, कोटा देहात जिलाध्यक्ष प्रेम गोचर, जिला महामंत्री रितेश चित्तौडा, महावीर नायक, शैलेन्द्र ऋषि सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। जिलाध्यक्ष राकेश जैन ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग ने 27 अक्टूबर को राज्य में मतदाता सूचियों के शुद्धिकरण के लिए विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम (डखठ) की घोषणा की है। इस अभियान में भाजपा के बीएलए–2 (बूथ लेवल एजेंट–2) सरकारी बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) के साथ मिलकर पूरा सहयोग करेंगे। कार्यशाला में दी गई जानकारी के अनुसार, इस अभियान के तहत: सत्यापन प्रक्रिया: बीएलओ स्तर से मतदाताओं को गणना प्रपत्र वितरित किया जाएगा। घर–घर विजिट: सत्यापन के लिए बीएलओ मतदाता के निवास पर कम से कम तीन बार विजिट करेगा। आधार वर्ष: साल 2002 की मतदाता सूची को 'एसआईआर अर्हता' का आधार माना जाएगा। जिन वोटरों का नाम 2002 की सूची में शामिल है, उनका ऑनलाइन वेरिफिकेशन होगा और उन्हें कोई दस्तावेज दिखाने की जरूरत नहीं होगी।

सीकर रोड सड़क हादसा

चिकित्सा मंत्री ने एसएमएस अस्पताल पहुंचकर लिया स्थिति का जायजा

जयपुर, 03 नवंबर (एजेंसियां)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने सोमवार को सीकर रोड पर हरमाड़ा क्षेत्र में हुए सड़क हादसे पर गहरा दु:ख व्यक्त किया है। उन्होंने हादसे में दिवंगत हुए व्यक्तियों की आत्मा की शांति एवं उनके परिजनों को यह आघात सहन करने की शक्ति देने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की है। साथ ही, हादसे में घायल हुए लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। घटना की जानकारी मिलते ही चिकित्सा मंत्री सवाई मानसिंह अस्पताल पहुंचे और हादसे के मृतकों तथा घायलों के बारे में जिला प्रशासन एवं अस्पताल प्रशासन से पूरी जानकारी ली। उन्होंने अस्पताल प्रशासन को घायलों को त्वरित एवं बेहतर से बेहतर उपचार उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए। साथ ही, कांवटिया एवं अन्य अस्पतालों में भर्ती घायलों को भी बेहतर उपचार के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि घायलों के उपचार में किसी तरह की कमी नहीं रहे। इससे पहले घटना की जानकारी मिलते ही चिकित्सा मंत्री ने दूरभाष पर वार्ता कर सवाई मानसिंह अस्पताल एवं कांवटिया अस्पताल प्रशासन को अलर्ट करते हुए घायलों के उपचार के लिए पुख्ता व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दे दिए थे। उन्होंने अस्पताल प्रशासन को घायलों का जीवन बचाने के लिए उनकी स्थिति पर लगातार नजर बनाए रखने के भी निर्देश दिए हैं।

राजस्थान के आरएपीएस संयंत्र में हाइड्रोजन सल्फाइड रिसने से बेहोश हुए मजदूर की नौ दिन बाद मौत

चित्तौड़गढ़, 03 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के चित्तौड़गढ़ में रावतभाटा परमाणु ऊर्जा संयंत्र (आरएपीएस) के भारी पानी संयंत्र में 'हाइड्रोजन सल्फाइड' गैस के रिसाव के कारण कुछ दिन पहले बेहोश हुए एक मजदूर की मौत हो गई है। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी।

मजदूर धर्मेंद्र लोहार और आरएपीएस में एक ठेकेदार के अधीन काम करने वाले चार अन्य श्रमिक 25 अक्टूबर को रखरखाव कार्य के दौरान भारी पानी संयंत्र में 'हाइड्रोजन सल्फाइड' गैस के रिसाव के बाद बेहोश हो गए थे। एक अधिकारी ने बताया कि रिसाव के कारण बेहोश हुए चार अन्य मजदूरों को ठीक होने के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। रावतभाटा थाने के सहायक उप–निरीक्षक (एएसआई) शांतिलाल बुनकर ने सोमवार सुबह पत्रकारों को बताया कि वेंटिलेटर पर रखे गए धर्मेंद्र लोहार की रविवार देर रात कोटा के निजी अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। लोहार लगभग 15 से 20 वर्षों से आरएपीएस स्थित भारी जल संयंत्र में संविदा श्रमिक के रूप में कार्यरत था। इस बीच लोहार की बहन ने संयंत्र प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए परिवार के लिए आर्थिक सहायता की मांग की है।

एएसआई ने बताया कि कोटा के महाराव भीमसिंह (एमबीएस) अस्पताल में पोस्टमार्टम किया जा रहा है और प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव परिवार को सौंप दिया जाएगा।

अधिकारी ने बताया कि लोहार की बहन चित्तौड़ के भैंसरोडगढ़ निवासी सीमा लोहार ने शिकायत दर्ज कराई है कि भारी जल संयंत्र में जहरीली गैस के रिसाव के बाद उसका भाई बेहोश होकर गिर पड़ा। मामले में आगे की जांच जारी है।

कुरुक्षेत्र में 15 नवंबर से 10वें विश्व अंतर्राष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव का आयोजन : नायब सिंह सैनी

कुरुक्षेत्र, 03 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा में 15 नवंबर से धर्मक्षेत्र कुरुक्षेत्र में 10वां विश्व अंतर्राष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव का आयोजन हो रहा है, जो 5 दिसंबर तक चलने वाला है। यह जानकारी हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को प्रेसवार्ता करके दी। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा, पहली बार यह महोत्सव 21 दिनों तक चलेगा, जिसमें संस्कृति, ज्ञान और आध्यात्म का अनूठा मिश्रण देखने को मिलेगा। 2014 में प्रधानमंत्री ने कुरुक्षेत्र के आगमन के दौरान कहा था कि गीता स्थली के तौर पर पहचान दिलाने के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि इसके बाद हमने गीता महोत्सव को कुरुक्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मनाने का फैसला लिया था। 2016 में इसकी शुरुआत की गई थी और तब से लेकर अब तक नौ वर्षों में इसकी सफलता और लोकप्रियता देखने को लगातार मिल रही है।मुख्यमंत्री ने कहा, कुरुक्षेत्र 48 कोस की परिधि में फैला है जिसमें अनेक तीर्थ स्थल हैं, जिनमें से कुरुक्षेत्र विकास स्थल की ओर से 182 तीर्थस्थलों की पहचान कर ली गई है। सबसे अच्छा है कि कुरुक्षेत्र की युद्ध भूमि में अर्जुन को भगवान श्रीकृष्ण ने भगवत गीता का उपदेश बताया था।उन्होंने कहा कि 2019 में यह महोत्सव लंदन और मॉरीशस में मनाया गया था। इसके बाद यह ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, जापान, श्रीलंका, इंडोनेशिया सहित कई देशों में आयोजित किया गया था। हर साल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसका आयोजन पूरे विश्व में हो रहा है। इसके साथ ही कुरुक्षेत्र में हर साल देश–विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ रही है, जिससे इसकी लोकप्रियता भी देखी जा रही है।उन्होंने कहा कि श्री कृष्ण ने जो ज्ञान दिया था उसके 5163 साल पूरे हो गए हैं। यह महोत्सव देश–विदेशों में मनाया जाने लगा है। इस बार मध्य प्रदेश पार्टनर स्टेट के तौर पर गीता महोत्सव में रहेगा और 24 नवंबर को ब्रह्महस्रोवर पर यज्ञ के बाद शुरुआत होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री कृष्ण ने जो अमर वाणी दी है, उससे हर व्यक्ति आगे बढ़ सकता है। इस गीता महोत्सव में 16 देशों के 25 विद्वानों की उपस्थिति रहेगी। 29 नवंबर को संत सम्मेलन का आयोजन भी होगा और 1 दिसम्बर को 18 हजार छात्र गीता पाठ करेंगे।

संवाद एवं परामर्श कार्यक्रम आयोजित

जयपुर, 03 नवंबर (एजेंसियां)। राजस्थान में जयपुर के राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा भारत में आत्मनिर्भरता एवं सततता को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से वनस्पति तेल आपूर्ति श्रृंखला के हितधारकों के साथ संवाद एवं परामर्श विषय पर एक दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया।

आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को बताया कि यह कार्यक्रम सॉलिडेरिडाड रीजनल एक्सपर्टीज सेंटर एवं स्टार सोसायटी, जयपुर द्वारा भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) और भारतीय सरसों अनुसंधान संस्थान (आईआईआरएमआर), भरतपुर और श्री कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर (जयपुर) के सहयोग से आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य शोधकर्ताओं, नीति निर्माताओं, विस्तार अधिकारियों, उद्योग प्रतिनिधियों तथा कृषकों को एक साझा मंच पर लाकर भारत में वनस्पति तेल आपूर्ति श्रृंखला को सशक्त, आत्मनिर्भर एवं सतत बनाने के उपायों पर विचार–विमर्श करना था।

हरियाणा में अंशकालिक और दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों का वेतन बढ़ा

जनवरी 2025 से मिलेगा लाभ

चंडीगढ़, 03 नवंबर (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार ने राज्य के विभिन्न विभागों, बोर्डों, निगमों और सार्वजनिक उपक्रमों में कार्यरत अंशकालिक (पार्ट टाइम) और दैनिक वेतनभोगी (डेली वेजिज) कर्मचारियों के वेतन में संशोधन करने का निर्णय लिया है। संशोधित वेतन 1 जनवरी, 2025 से प्रभावी होगा। मुख्य सचिव अनुराग रस्तोगी द्वारा इस सम्बन्ध में एक अधिसूचना की गई है। यह निर्णय विभिन्न विभागों और संगठनों द्वारा वेतन वृद्धि के सम्बन्ध में किए गए प्रतिवेदनों के बाद लिया गया है, ताकि अंशकालिक और दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को उचित पारिश्रमिक मिल सके। राज्य को तीन श्रेणियों में विभाजित किया गया है और हर श्रेणी में तीन स्तरों (लेवल) के लिए अलग–अलग वेतन दरें तय की गई हैं। श्रेणी–1 में आने वाले जिलों में अब लेवल–1 कर्मचारियों को 19,900 रुपये प्रतिमाह, 765 रुपये प्रतिदिन और 96 रुपये प्रति घंटा वेतन मिलेगा। लेवल–2 कर्मचारियों को 23,400 रुपये प्रतिमाह, 900 रुपये प्रतिदिन और 113 रुपये प्रति घंटा, जबकि लेवल–3 कर्मचारियों को 24,100 रुपये प्रतिमाह, 927 रुपये प्रतिदिन और 116 रुपये प्रति घंटा दिया जाएगा। श्रेणी–2 जिलों में लेवल–1 के लिए 17,550 रुपये प्रतिमाह, 675 रुपये प्रतिदिन और 84 रुपये प्रति घंटा मिलेगा। लेवल–2 के लिए 21,000 रुपये प्रतिमाह, 808 रुपये प्रतिदिन और 101 प्रति घंटा, जबकि लेवल–3 के लिए 21,700 रुपये प्रतिमाह, 835 रुपये प्रतिदिन और 104 रुपये प्रति घंटा वेतन निर्धारित किया गया है।

श्रेणी–3 जिलों में लेवल–1 कर्मचारियों को 16,250 रुपये प्रतिमाह, 625 प्रतिदिन और 78 रुपये प्रति घंटा मिलेगा। लेवल–2 कर्मचारियों को 19,800 रुपये प्रतिमाह, 762 रुपये प्रतिदिन और 95 प्रति घंटा, जबकि लेवल–3 कर्मचारियों को 20,450 रुपये प्रतिमाह, 787 प्रतिदिन और 98 प्रति घंटा वेतन मिलेगा।

छात्रों से एफिडेविट मांगना अप्रजातांत्रिक है और छात्रों का गला घोंटने के समान : दीपेंद्र हुड्डा

चंडीगढ़, 03 नवंबर (एजेंसियां)। सांसद दीपेन्द्र हुड्डा आज पंजाब यूनिवर्सिटी में एंटी प्रोटेस्ट ऐफिडेविट और छात्र विरोधी नीतियों के खिलाफ चल रहे छात्रों के धरने पर पहुंच कर पिछले 6 दिन से भूख हड़ताल पर बैठे पंजाब यूनिवर्सिटी के छात्रसंघ महासचिव अभिषेक डागर से मिले और छात्रों की माँगो का पूर्ण समर्थन किया। दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि छात्रों की मांगें जायज हैं। छात्रों से एफिडेविट मांगना अप्रजातांत्रिक है और छात्रों का गला घोंटने के समान है। छात्र अधिकारों का हनन और विश्वविद्यालयों का भगवाकरण स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने पंजाब यूनिवर्सिटी की वाइसचांसलर प्रो. रेणु विग से भी मुलाकात कर छात्रों से बातचीत करके इस मसले का समाधान कराने को कहा। इसपर वाइसचांसलर ने छात्रों से बातचीत करने के बाद लीगल ओपिनियन लेकर सकारात्मक हल निकालने का आश्वासन दिया। दीपेन्द्र हुड्डा ने चेताया कि अगर विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा इस तरह की कार्रवाई जारी रहती है तो वे खुद इस मुद्दे को लोकसभा के शीतकालीन सत्र में उठायेंगे और सत्तारूढ़ दल द्वारा एक विचारधारा को आगे बढ़ाने के प्रयासों का पुरजोर विरोध करेंगे। पत्रकारों से बात करते हुए सांसद दीपेन्द्र हुड्डा ने कहा कि विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा लगातार एक के बाद एक ऐसे फैसले किए जा रहे हैं जिनके जरिए छात्रों के प्रजातान्त्रिक अधिकारों पर वार किया जा रहा है, ये स्वीकार्य नहीं है।

विश्वविद्यालयों में लोकतांत्रिक माहौल खत्म करने की कोशिश की जा रही है। सीनेट भंग करना और एंटी–प्रोटेस्ट एफिडेविट थोपना छात्रों की आवाज दबाने का प्रयास है। प्रशासन चलाने में प्रजातांत्रिक व्यवस्था से चुनी हुई सीनेट की भूमिका होती है और उसी सीनेट को भंग कर दिया गया, जिसमें चुने हुए सदस्य होते हैं। एंटी प्रोटेस्ट एफिडेविट और एसओपी थोपने का सीधा अर्थ है कि सत्तारुढ़ भाजपा द्वारा एक की विचारधारा के लोगों को बोलने की स्वीकृति देने की कोशिश की जा रही है। छात्रसंघ महासचिव अभिषेक डागर जब छात्रों की आवाज उठा रहे हैं तो उसे कुचलने की कोशिश की जा रही है। संविधान को बचाने के लिये हमारे सभी छात्र डटे हुए हैं। आज छठा दिन है जब अपनी जायज बात को लेकर छात्र भूख हड़ताल पर बैठे हैं। उनकी आवाज को दबने नहीं दिया जायेगा। छात्रों की आवाज चंडीगढ़ तक नहीं रुकेगी इसे वो दिल्ली तक लेकर जायेंगे। संसद में इस आवाज की गूंज सुनाई देगी।

बिहार चुनाव : रवि किशन ने उड़ाया राहुल गांधी का मजाक, कहा–

जितनी मछलियां पकड़ीं, उससे कम वोट मिलेंगे!

पटना (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बिहार के बेगूसराय में एक चुनावी जनसभा को संबोधित करने के बाद एक गांव में जाकर मछुआरों के साथ मछली पकड़ी। इस घटना को लेकर एक्टर और बीजेपी के नेता रवि किशन ने राहुल गांधी का मजाक उड़ाया। उन्होंने कहा कि,राहुल गांधी ने जितनी मछलियां पकड़ी हैं, उनकी पार्टी को उससे कम वोट मिलेंगे।

बीजेपी सांसद रवि किशन ने राहुल गांधी के तलाब में मछली पकड़े जाने पर सोमवार को कहा, जितनी मछली कल पकड़ी हैं उससे कम ही वोट मिलेंगे। उनका स्विमिंग का अंदाज बहुत अच्छा लगा वे मछली पकड़ रहे हैं, हम लोग वोट पकड़ रहे हैं। हम लोग वोट की राजनीति नहीं करते हैं।

उन्होंने कहा कि, देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कल गुरु गोविंद सिंह की जन्मस्थली

पहुंचे। हम लोग विकास के कार्यों को गिनवाते हैं निहोरा करते हैं हाथ जोड़ते हैं और विकास के नाम पर वोट मांगते हैं यह जो नया घोषणा पत्र है यह बिहार को नया जोश नया उछाल देगा।

बेगूसराय में रविवार को एक चुनावी रैली के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी अचानक एक गांव के तालाब में मछुआरों के साथ मछली पकड़ने के लिए पहुंच गए। राहुल गांधी भाषण खत्म करने के बाद करीब 3 किलोमीटर दूर भर्रा गांव पहुंच गए। उनके साथ कांग्रेस नेता कन्हैया कुमार और विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के प्रमुख मुकेश सहनी भी थे।

गांव के तालाब पर पहुंचकर राहुल गांधी एक छोटी नाव पर सवार हो गए। उन्होंने वहां मछुआरों से मुलाकात की। इस बीच कन्हैया कुमार तालाब में कूद गए तो राहुल गांधी भी उनके पीछे–पीछे पानी में उतर गए। यह देखकर उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाल रहे एसपीजी के जवान भी तालाब में उतर गए। राहुल गांधी ने तालाब में तैराकी भी की।

बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी सहित एनडीए के अन्य नेताओं ने भी राहुल गांधी पर व्यंग्य किया। चौधरी ने कहा कि राहुल गांधी पहले जलेबी बना रहे थे, अब मछली पकड़ रहे हैं। एनडीए के नेताओं ने दावा किया है कि राहुल गांधी सिर्फ मछली पकड़ेंगे और जलेबी बनाएंगे। हरियाणा में जलेबी बनाई थी तो परिणाम सबने देखा और अब बिहार में मछली पकड़ रहे हैं तो अंजाम यहां भी वैसा ही होगा।

राहुल गांधी पर सत्ता पक्ष के हमले के जवाब में महागठबंधन के डिप्टी सीएम पद के उम्मीदवार मुकेश सहनी ने पलटवार किया। विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के प्रमुख मुकेश सहनी ने पटना में मीडिया से कहा कि राहुल गांधी मछुआरा समुदाय की मुश्किलें देखने गए थे। वे यह देखने गए थे कि मछुआरे कैसे मेहनत करते हैं और अपना परिवार चलाने के लिए संघर्ष करते हैं। क्या यह सम्मान के योग्य नहीं है?

सहनी ने कहा कि, अगर प्रधानमंत्री मोदी या एनडीए को राहुल गांधी के तालाब पर जाने से ठेस पहुंचती है तो यह निषाद समुदाय का अपमान है। अगर कोई निषाद समाज को समझने जा रहा है तो उस पर कटाक्ष करना निषाद समाज का अपमान है।

मुकेश सहनी ने कहा कि हम गर्व कर रहे हैं कि राहुल गांधी जैसे बड़े नेता हमारे पास पहुंच रहे हैं और हमारे काम को समझ रहे हैं।

हमारे समाज के लोग गर्व महसूस कर रहे हैं। एनडीए के लोग जिस तरह से कटाक्ष कर रहे हैं, जिस तरह की भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं, इससे हमारे समाज का अपमान हुआ है।

उन्होंने कहा कि एनडीए के लोग नहीं चाहते हैं कि बिहार का अगला डिप्टी सीएम मल्लाह समाज का बेटा बने। वे मुकेश सहनी का डिप्टी सीएम बनना बर्दाश्त नहीं कर पाएंगे। सहनी ने कहा कि इन लोगों ने वर्षों तक हमें गुलाम बनाए रखा। अब हम गुलामी की जंजीरों को तोड़कर और सिर उठाकर जिएंगे।

महागठबंधन इस विधानसभा चुनाव में जीत हासिल करने के लिए जोर लगा रहा है। साल 2020 के विधानसभा चुनाव में विपक्षी दलों में कांग्रेस का स्ट्राइक रेट सबसे कम रहा था, जबकि तेजस्वी यादव की पार्टी आरजेडी सबसे बड़ी पार्टी बनी थी। आरजेडी ने 144 सीटों पर और कांग्रेस ने 70 सीटों पर चुनाव लड़ा था। कांग्रेस सिर्फ 19 सीटें ही जीत पाई थी। कांग्रेस बिहार में फिर से अपनी राजनीतिक जमीन तलाश रही है।

दरभंगा में अंतरराष्ट्रीय गिरोह का भंडाफोड़, तीन गिरफ्तार

दरभंगा (एजेंसियां)। आर्थिक अपराध इकाई (ईओडब्ल्यू) और राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) की संयुक्त कार्रवाई में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सक्रिय एक साइबर ठग गिरोह का भंडाफोड़ हुआ है। पुलिस ने गिरोह के तीन सदस्यों को गिरफ्तार कर उनके पास से पांच सिम बॉक्स, 141 सिम कार्ड, जिओ कंपनी के तीन राउटर और चार लाख रुपये नकद बरामद किए हैं। गिरफ्तार साइबर अपराधियों से पूछताछ जारी है।

गिरफ्तारी की पुष्टि करते हुए साइबर डीएसपी विपिन कुमार ने बताया कि इस ठग गिरोह का नेटवर्क चीन से संचालित होने की बात सामने आई है। इस पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच की जाएगी। पूछताछ में मिली जानकारी के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने बहेड़ा थाना क्षेत्र के आशापुर गांव से हरियाणा निवासी बॉबी कल्याण को 94 सिम कार्ड के साथ गिरफ्तार किया। वहीं, पहले से पकड़े गए आरोपियों के घर से 47 सिम कार्ड और चार लाख रुपये नकद बरामद हुए। गिरफ्तार अपराधियों में मुख्य आरोपी रोशन झा (बलहा), बिट्टू झा (हावीबौहार) और बॉबी कल्याण (हरियाणा) शामिल हैं। दरभंगा साइबर थाना की पुलिस ने रोशन झा की पत्नी निर्मला कुलपति सहित 7 अन्य के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार, बॉबी कल्याण आधार कार्ड और आंखों के वीडियो के जरिए एक ही व्यक्ति के नाम पर कई सिम कार्ड निकालता था। वहीं, रोशन झा ने चीन से स्टीमर के माध्यम से पांच सिम बॉक्स मंगवाए थे, जो कस्टम जांच में पकड़े गए। इसके बाद ईओडब्ल्यू और डीआरआई की संयुक्त टीम ने तीनों को गिरफ्तार किया। छापेमारी में कुल 141 सिम कार्ड, जिओ कंपनी के 3 राउटर, 3 इनवर्टर समेत कई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बरामद किए गए हैं।

जनता ही सबसे बड़ी, पार्टी या परिवार नहीं, तेज प्रताप ने तेजस्वी यादव को दिया यह संदेश

पटना (एजेंसियां)। जनशक्ति जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष और महुआ विधानसभा सीट से प्रत्याशी तेज प्रताप यादव ने अपने छोटे भाई तेजस्वी यादव के नाम संदेश जारी किया है। उन्होंने अपने भाई को लोकतंत्र का पाठ पढ़ाया और स्पष्ट कह दिया है कि पार्टी या परिवार से बड़ी जनता होती है। तेज प्रताप यादव ने कहा कि हमारे छोटे और नादान भाई तेजस्वी ने आज महुआ में कहा कि पार्टी से बड़ा कोई नहीं होता है। लेकिन हम अपने छोटे भाई को यह कहना चाहेंगे कि पार्टी से बड़ी हमारी जनता मालिक होती है। लोकतंत्र में सबसे बड़ी केवल जनता होती है, कोई पार्टी या परिवार नहीं।

पूर्व मंत्री ने कहा कि महुआ मेरी राजनीतिक कर्मभूमि है, और मेरे लिए पार्टी और परिवार से कहीं बढ़कर है।

पार्टी केवल एक व्यवस्था है, लेकिन जनता हमारी मालिक है। महुआ की जनता से अपील करते हुए कहा कि मुझे पूरी उम्मीद है कि महुआ की जनता जनार्दन हमें

भारी मतों से जीताकर सदन भेजेगी और महुआ के विकास की राह पर आगे बढ़ने का काम करेगी। अंत में उन्होंने नारा दिया कि विजयी महुआ, विकसित महुआ।

दरसअल, बिहार की राजनीति में महुआ विधानसभा सीट पर विशेष चर्चा चल रही है। पटना से करीब 50 किलोमीटर दूर महुआ बिहार विधानसभा चुनाव की सबसे हॉट सीट बन गई है। पहली बार यह सीट चर्चा में तब आई थी जब 2015 में लालू प्रसाद यादव ने अपने बड़े बेटे तेज प्रताप यादव को यहां से टिकट दिया था। तेज प्रताप यादव यहां से जीत भी गए। इस बार तेज प्रताप फिर से महुआ से चुनाव लड़ रहे हैं। लेकिन, पार्टी अलग है। वह जनशक्ति जनता दल के सिंबल से चुनाव लड़ रहे हैं। उनके सामने राजद ने वर्तमान विधायक डॉ. मुकेश रोशन को टिकट दिया है। मुकेश रोशन के लिए तेजस्वी खुद से वोट मांग रहे हैं। वहीं जदयू की बागी डॉ आसमां प्रवीण निर्दलीय चुनावी मैदान में उतर चुकी हैं। एनडीए खेमे से यह सीट लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के खाते में गई है। चिराग पासवान ने संजय सिंह चुनावी मैदान में उतारा है। इन चारों दिग्गजों के चुनाव लड़ने से इस विधानसभा में अब चतुष्कोणीय संघर्ष बढ़ता दिख रहा है।

बिहार का भविष्य इस चुनाव में तय होगा सीवान में बोले केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी

सीवान (एजेंसियां)। जीरादेई विधानसभा क्षेत्र के विजयपुर हाई स्कूल मैदान में रविवार को एनडीए उम्मीदवार विश्व प्रताप सिंह के समर्थन में आयोजित जनसभा को केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने संबोधित किया। उन्होंने कहा कि यह चुनाव केवल किसी प्रत्याशी की तकदीर नहीं, बल्कि बिहार की जनता के भविष्य का निर्धारण करने वाला चुनाव है।

गडकरी ने कहा कि बिहार में अच्छी सड़कें, 24 घंटे बिजली, किसानों को सिंचाई और युवाओं को रोजगार तभी मिल सकता है, जब राज्य में मजबूत सरकार बने। उन्होंने कहा कि बिहार में उपजाऊ भूमि और प्रचुर जल संसाधन होने के बावजूद किसान अपनी फसल का उचित लाभ नहीं पा रहे हैं। राज्य का सर्वांगीण विकास दो स्तंभों पर टिका है, पहला उद्योगों की स्थापना और दूसरा कृषि

में प्रगति।

केंद्रीय मंत्री ने उदाहरण देते हुए कहा कि गेहूं सस्ता है लेकिन ब्रेड और बिस्किट महंगे हैं, फल सस्ते हैं पर जूस महंगा है। किसानों को फसल का उचित मूल्य तभी मिलेगा, जब गांव–गांव में प्रसंस्करण (प्रोसेसिंग) उद्योग लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि बिहार का मखाना विमान में 4000 प्रति किलो बिकता है, जबकि स्थानीय बाजार में 20–25 किलो। अगर प्रसंस्करण इकाइयां लगेंगी तो किसानों की आय कई गुना बढ़ेगी।

गडकरी ने बताया कि मोदी सरकार का लक्ष्य किसानों को केवल अन्नदाता नहीं, बल्कि ऊर्जादाता बनाना है। उन्होंने कहा कि राजस्थान में अब 100% एथेनॉल से चलने वाले वाहन चल रहे हैं। पेट्रोल 120 प्रति लीटर है, जबकि एथेनॉल 65 लीटर में मिल जाता है। औसतन कीमत 25 प्रति लीटर आती है। नागपुर–जबलपुर मार्ग पर चावल की भूसी से डामर तैयार किया गया है। पानीपत में इंडियन ऑयल का प्लांट पराली से एथेनॉल, बायो–बिटुमेन और सस्टेनेबल एविएशन फ्यूल बना रहा है।

गडकरी ने कहा कि बिहार को अमेरिका जैसी सड़कें देने का सपना साकार किया जाएगा। उन्होंने बताया कि उनके कार्यकाल में मुंबई में 55 फ्लाईओवर, मुंबई–पुणे एक्सप्रेसवे और वर्ली–बांद्रा सी–लिंक बनाए गए। बिहार में भी गोरखपुर–कोलकाता मार्ग समेत 40,000 करोड़ से अधिक की परियोजनाएं चल रही हैं। उन्होंने याद दिलाया कि अटल बिहारी वाजपेयी के कार्यकाल में उन्होंने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना तैयार की थी, जो आज भी ग्रामीण भारत की सबसे लोकप्रिय योजना है।

गडकरी ने कहा कि बिहार में बुद्ध सर्किट के लिए 10,000 करोड़ की लागत से फोरलेन और सिक्सलेन सड़कें बनाई जा रही हैं। साथ ही अयोध्या, चारधाम और कश्मीर से लेकर अरुणाचल प्रदेश तक सड़क नेटवर्क को नया रूप दिया गया है। सभा के अंत में गडकरी ने जनता से एनडीए उम्मीदवार विश्व प्रताप सिंह को विजयी बनाने की अपील की। उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बिहार को विश्वस्तरीय सड़कों वाला समृद्ध राज्य बनाया जाएगा।

योगी आदित्यनाथ के स्वागत के लिए मंगवाए गए बुलडोजर

मुज्जफरपुर (एजेंसियां)। बिहार के मुजफ्फरपुर में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के आगमन को लेकर जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। शहर के क्लब मैदान में आयोजित जनसभा में हजारों की संख्या में लोग पहुंचे। योगी आदित्यनाथ के संबोधन के दौरान भीड़ में उत्साह का आलम ऐसा था कि कई लोग उनके प्रतीक बन चुके बुलडोजर पर चढ़कर सेल्फी और तस्वीरें खिंचवाने लगे।

सभा स्थल पर मौजूद लोगों ने नारे लगाए योगी हैं तो अपराधी खौफ में हैं। लोगों ने कहा कि यूपी की तरह बिहार में भी अपराधियों और माफियाओं पर बुलडोजर चलना चाहिए। स्थानीय निवासी पिंटू कुमार ने कहा कि एम योगी अपराधियों के लिए खौफ का दूसरा नाम हैं। जिस तरह उन्होंने यूपी में कानून–व्यवस्था को मजबूत किया है, वैसा ही नेतृत्व बिहार को भी चाहिए।

वहीं रोहन कुमार ने कहा कि योगी आदित्यनाथ का भाषण सुनना बेहद प्रेरणादायक है। पहले उन्हें सिर्फ टीवी पर देखते थे, लेकिन आज उन्हें करीब से देखकर बहुत खुशी हुई। उनके बुलडोजर मॉडल पर चढ़कर फोटो खिंचवाना हमारे लिए यादगार पल है। सभा में मौजूद लोगों ने कहा कि देश में दो नेताओं की सभाएं ऐतिहासिक मानी जाती हैं। एक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और दूसरे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।लोगों का कहना था कि योगी आदित्यनाथ ने अपराध और माफिया पर जिस तरह नकेल कसी है, वही कारण है कि उन्हें आज बुलडोजर बाबा कहा जाता है।

कांग्रेस अध्यक्ष पहुंचे पटना, कहा–

बिहार चुनाव में इस बार झूठे लोगों को सबक सिखाएंगे मतदाता

पटना (एजेंसियां)। पटना में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रेस वार्ता की। उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबन्धन की सरकार पर जमकर हमला बोला। कहा कि नरेंद्र मोदी युवाओं के लिए गंभीर नहीं हैं। रोजगार के नाम पर मोदी पहले कहते थे कि 'पकौड़ा तलो' और अब कहते हैं 'रील बनाओ'। नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री हैं। उन्हें ठोस कदम उठाना चाहिए और लोगों को बताना चाहिए कि वे आगे क्या करने वाले हैं।

खरगे में एनडीए में मुख्यमंत्री चेहरे पर भी बात की। कहा कि रविवार को पीएम मोदी का पटना में रोड शो था। मैंने पटना में कई कटआउट देखे, लेकिन नीतीश कुमार का कटआउट नहीं दिखा। रोड शो में भी नीतीश कुमार नहीं दिखे। पीएम मोदी तो नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाने की बात भी नहीं करते हैं।उन्होंने कहा कि यह सब नीतीश कुमार को डुबाने की नरेंद्र मोदी की चाल है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि पीएम मोदी और सीएम नीतीश 20 साल से बिहार में सरकार चलाने के बाद भी 'जंगलराज' की बात करते हैं। नरेंद्र मोदी बिहार में

आकर महापुरुषों के ऊपर टिप्पणी करते हैं। लेकिन, किसानों की एमएसपी पर चर्चा नहीं करते हैं। वह महंगाई और बेरोजगारी पर बात नहीं करते है। नरेंद्र मोदी देश के प्रधानमंत्री हैं। आपका काम सिर्फ विपक्ष को गाली देना नहीं है बल्कि देश को रास्ता दिखाना है।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि आज एनडीए सरकार ने बिहार की दुर्दशा कर दी है। इन्होंने स्कूलों को बर्बाद कर दिया है। हमारे पास शिक्षक नहीं हैं और आज पूरे देश में नौकरियां नहीं हैं। विश्वविद्यालयों, पुलिस, केंद्रीय पुलिस, रेलवे और भारत सरकार के दफ्तरों में 50 लाख पद खाली हैं।

इन्हें लोगों की भर्ती करनी चाहिए, लेकिन ये भर्ती नहीं कर रहे हैं और यहां एक करोड़ नौकरियां देने की बात कर रहे हैं। इसलिए इस बार जनता ऐसे झूठों को सबक सिखाएगी। बिहार एक राजनीतिक रूप से जागरूक राज्य है। यहां गरीबी और बेरोजगारी हो सकती है, लेकिन राजनीतिक रूप से हर व्यक्ति बहुत समझदार है। उन्हें पता है कि कब वोट देना है, कैसे देना है और किसे देना है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा महागठबंधन के मुख्यमंत्री चेहरे पर दिए गए बयान पर मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि उन्हें इस तरह की बातें करने की आदत है। क्या किसी प्रधानमंत्री ने कभी ऐसी भाषा का इस्तेमाल किया है? चाहे पंडित जवाहरलाल नेहरू हों, इंदिरा गांधी हों या लाल बहादुर शास्त्री, लेकिन वह (मोदी) हमेशा इसी तरह की बातें करते हैं।

नेहरू–इंदिरा को कोसने के लिए अपमान मंत्रालय बनाएं मोदी सरकार : प्रियंका गांधी

पटना (एजेंसियां)। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने सोमवार को जिले के सोनबरसा विधानसभा क्षेत्र में आयोजित चुनावी सभा को संबोधित करते हुए केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने दावा किया कि बिहार में मतदाता सूची से 65 लाख लोगों का नाम काट दिया गया है, जो न केवल उनके मताधिकार का हनन है, बल्कि सीधे तौर पर उनकी नागरिकता छीनने जैसा गंभीर कदम है। निर्धारित समय से करीब डेढ़ घंटे की देरी से सभास्थल पहुंची प्रियंका गांधी ने अपने 25 मिनट के भाषण के दौरान राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव या तेजस्वी यादव का नाम नहीं लिया, बल्कि सीधे तौर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह को निशाने पर रखा।

प्रियंका गांधी ने केंद्र सरकार पर बिहार की चुनी हुई सरकार को अपमानित करने और केंद्र से ही शासन चलाने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि पिछले 20 वर्षों से बिहार की चुनी हुई सरकार को

प्रधानमंत्री और गृहमंत्री चला रहे हैं। जब आपकी चुनी हुई सरकार को केंद्र से सम्मान नहीं मिलता, तो जनता का सम्मान कैसे बचेगा? कांग्रेस नेता ने केंद्र पर हमलावर होते हुए एक तंज भी कसा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार को 'अपमान मंत्रालय' स्थापित करना चाहिए। उन्होंने तर्क दिया कि प्रधानमंत्री और गृहमंत्री देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू और पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को हर मुद्दे पर दोषी ठहराकर उनका अपमान करने में अपना समय बर्बाद करते हैं। प्रियंका ने कहा कि यदि यह मंत्रालय बना दिया जाए, तो प्रधानमंत्री और गृहमंत्री को राष्ट्र निर्माण और देश के वास्तविक मुद्दों पर ध्यान केंद्रित करने का समय मिल सकेगा।

सभा में प्रियंका गांधी ने महागठबंधन के चुनावी घोषणा पत्र की प्रमुख बातों का विस्तार से उल्लेख किया। उन्होंने क्षेत्र की जनता से कांग्रेस प्रत्याशी सरिता पासवान के पक्ष में मतदान करने की अपील की। इस अवसर पर पुर्णिया के सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव, सासाराम के सांसद मनोज राम, बाराबंकी के सांसद तनुज पुनिया, पूर्व मंत्री अशोक सिंह, रवीचरण यादव और मोहम्मद शाहनवाज, सोनबरसा विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी सरिता पासवान सहित महागठबंधन के कई महत्वपूर्ण नेता मंच पर उपस्थित थे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को–ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल–मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए–23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य–500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040–29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com